राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उज्ज्वल दुनिया

खबरों की बुलंद आवाज

रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

वर्ष, 12 | पृष्ठ 12 | अंक 188 | रांची, सोमवार, 14 सितंबर 2026 | मूल्य 3 रुपये | RNI No.- JHAHIN/ 2014/59794 | ujjwalduniyapress@ gmail.com

आज का दिन

भारत में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारतीय इतिहास की उस महत्वपूर्ण घटना की याद दिलाता है, जब 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। संविधान सभा के इस ऐतिहासिक निर्णय के बाद हिंदी को सरकारी कामकाज में प्रमुख स्थान मिला।

ब्रिक्स में ग्लोबल साउथ का विश्वास बढ़ा, तकनीकी विकास समावेशी हो : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि ब्रिक्स में ग्लोबल साउथ के देशों का विश्वास बढ़ा है। इसका कारण यह है कि उनकी आवाज यहां सुनी जाती है और उनके अनुभव का सम्मान होता है। साथ ही समाधान उनके लिए नहीं बल्कि उन्हें साथ लेकर बनाए जाते हैं। इसके साथ ही उन्होंने तकनीक और दुर्लभ खनिजों को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किए जाने पर चिंता जताई और इनके उपयोग को समावेशी बनाए जाने पर बल दिया।

प्रधानमंत्री ने आज भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स शिखर वार्ता के लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता पर आयोजित सत्र में अपने स्वागत भाषण में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स की शक्ति उसकी विविधता और सहयोग में है। ऐसे में विविधता ही हमारी पहचान बननी चाहिए, सहयोग ही हमारी प्रेरणा बनना चाहिए और हमारी प्रगति पूरी मानवता के काम आनी चाहिए।

उन्होंने कहा, आज यह सभागार अलग-अलग महाद्वीपों, संस्कृतियां और विकास यात्राओं को एक साथ जोड़ रहा है। यह ब्रिक्स की बढ़ती ताकत, आकर्षण और अभूतपूर्व विश्वास का प्रमाण है।

मोदी ने कहा कि ब्रिक्स ने चार स्तंभों के माध्यम से समावेशी वैश्विक विकास को बढ़ावा देने के प्रयास किए हैं। भारत की

अध्यक्षता में ब्रिक्स के सभी प्रयास लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सततता के पर केंद्रित रहे हैं। उन्होंने कहा, आज विश्व में तनावों की संख्या लगातार बढ़ रही है और सामान्य जनजीवन पर व्यापक रूप से बहुत नकारात्मक असर हो रहा है। महामारियां, क्लाइमेट डिजास्टर्स और सप्लाई चेन डिस्ट्रप्शन ने दिखाया है कि आज के इंटर-कनेक्टेड वर्ल्ड में कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। इसलिए हमने ब्रिक्स समिट में रिजिलियंस बढ़ाने पर विशेष बल दिया है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि ब्रिक्स में संक्रामक रोगों की रोकथाम और प्रतिक्रिया के लिए ब्रिक्स इंटीग्रेटेड अर्ली वार्निंग सिस्टम पर सहमति बनी है। आपदा प्रबंधन के लिए प्रारंभिक चेतावनी डेटा एकीकरण दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं। ब्रिक्स लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन कोऑपरेशन फ्रेमवर्क हमारी सप्लाई चेन को अधिक विश्वसनीय और लचीला बनाने में सहायक होगा। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स इनक्यूबेटर नेटवर्क के तहत हमारे स्टार्ट-अप्स और इनक्यूबेटर्स को जोड़ा जाएगा। इनोवेटिव और स्केलेबल समाधानों को बढ़ावा देने के लिए हमने ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड का प्रस्ताव रखा है। डिजिटल कृषि पर ब्रिक्स नेटवर्क किसानों के लिए नई सूची तैयार करेगा। इसके माध्यम से एआई, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को किसानों की वास्तविक जरूरतों से जोड़ा जाएगा। हमने ब्रिक्स कनेक्ट के माध्यम से कौशल, रोजगार क्षमता, कार्यबल में महिलाओं, सामाजिक सुरक्षा और क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया है।'

उन्होंने बताया कि 'छोटे उद्यमों को ज्ञान, वित्त और नए बाजारों से जोड़ने के लिए, ब्रिक्स एमएसएमई सहयोग पोर्टल की पहल की गई है। हमारे शहरों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए ब्रिक्स अर्बन मोबिलिटी हब की स्थापना की गई है। स्मार्ट ग्रिड और ऊर्जा भंडारण के लिए हमने ब्रिक्स डिजिटल उत्कृष्टता केंद्र बनाया है। यह हमारी स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों को अधिक विश्वसनीय, कुशल और सुलभ बनाने में मदद करना चाहता है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ब्रिक्स में विकसित समाधानों का लाभ ग्लोबल साउथ तक पहुंचना चाहिए। इन समाधानों को स्थानीय जरूरतों के अनुरूप ढालने के साथ सस्ता और आसानी से अपनाने योग्य बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारी प्रगति का लाभ पूरी मानवता को मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता में प्रकृति को मां का दर्जा दिया गया है। विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के विकल्प नहीं बल्कि पूरक हैं। इसलिए संतुलित विकास का रास्ता अपनाना जरूरी है।

ब्रिक्स समाधानों का पारिस्थितिकी तंत्र, दुनिया को बड़ी अपेक्षाएँ : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन सत्र में सभी देशों की सक्रिय भागीदारी और महत्वपूर्ण योगदान के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों की चर्चाओं ने इस विश्वास को और मजबूत किया है कि ब्रिक्स केवल देशों का समूह नहीं बल्कि समाधानों का एक पारिस्थितिकी तंत्र है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सम्मेलन में अपनाई गई ह्यनई दिल्ली घोषणाह्ल साझा दृष्टिकोण और भविष्य के सहयोग को स्पष्ट दिशा देगी। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स में हुई चर्चाओं और तय परिणामों को समयबद्ध कार्रवाई और अंतिम स्तर तक प्रभाव से जोड़ना होगा।

उन्होंने कहा, ब्रिक्स अपने तीसरे दशक में प्रवेश करने जा रहा है। दुनिया अब हमसे केवल विचारों और प्रतिबद्धताओं की ही नहीं बल्कि ठोस परिणामों की भी अपेक्षा करती है। मुझे विश्वास है कि हमारे साझा प्रयासों से हम निश्चित रूप से इन अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे। उन्होंने ब्रिक्स के अगले मेजबान के रूप में चीन को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के ढांचे को केवल फाइलों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि जमीन पर वास्तविक बदलाव और प्रभाव दिखाई देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी देश मिलकर इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिभागियों के विचारों और सुझावों ने सहयोग को व्यापक और गहरा बनाने में योगदान दिया है। उनकी उपस्थिति ब्रिक्स की बढ़ती प्रासंगिकता, खुलेपन और समावेशिता को दशार्ती है।

17 सितंबर से शुरू होगा झारखंड बीजेपी का सेवा संकल्प अभियान

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

गिरिडीह/जामताड़ा। बीजेपी नेता बाबूलाल मरांडी ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर शुरू होने वाले सेवा संकल्प अभियान की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि 17 सितंबर से शुरू होने वाला यह अभियान करीब एक महीने तक चलेगा. इस दौरान पार्टी की ओर से विभिन्न सेवा और जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों के जरिए अलग-अलग वर्गों तक पहुंचने का प्रयास बाबूलाल मरांडी ने आम लोगों और बीजेपी कार्यकताओं से 17 सितंबर को अपने-अपने घरों में दीप जलाने का आग्रह किया है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन को सेवा और समर्पण के रूप में मनाया जाएगा तथा एक महीने तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के अलग-अलग वर्गों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा।

अवैध खनन के दौरान खदान धसा, तीन की मौत, कई के दबे होने की आशंका

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

धनबाद। कतरास रामकनाली ओपी क्षेत्र के केशालपुर कुम्हारपट्टी में रविवार सुबह अवैध खनन के दौरान बड़ा हादसा हो गया. बताया जा रहा है कि स्थानीय लोग अवैध तरीके से कोयला निकालने के लिए खदान के अंदर घुसे थे. इसी दौरान अचानक ऊपर से मिट्टी का बड़ा हिस्सा धंस गया और वहां मौजूद कई लोग मलबे में दब गए. घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और अपने स्तर से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. लोगों ने मलबे को हटाकर काफी खोजबीन की और करीब तीन लोगों को बाहर निकाला. इसके बाद तीनों को आनन-फानन में स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी

हादसे में मृतकों की पहचान केवट कूली निवासी मुनिया देवी और बेलगोंजाबाद निवासी एक व्यक्ति के

रूप में बताई जा रही है. हालांकि, मृतकों की पूरी पहचान की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

हादसे के बाद इलाके में हड़कंप

वहीं, इस हादसे में करीब पांच से छह अन्य लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है. स्थानीय लोग लगातार मलबा हटाकर अंदर फंसे लोगों की तलाशी कर रहे हैं. बताया जा रहा है कि कुछ लोग हादसे से पहले ही बाहर निकलने में सफल रहे थे. घटना की सूचना के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है. अवैध खनन को लेकर एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं, मामले को लेकर जब डीएसपी बाघमारा अजित कुमार विमल से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें फिलहाल घटना की जानकारी नहीं है. ऐसे में हादसे में कितने लोग दबे हैं और कितनी मौतें हुई हैं, इसकी आधिकारिक पुष्टि प्रशासन और पुलिस की जांच के बाद ही हो सकेगी।

अपनी स्मृति, इतिहास और परंपरा की रक्षा करने वाला राष्ट्र कभी नष्ट नहीं होता : अमित शाह

मुंबई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुंबई में एशियाटिक सोसाइटी की ओर से आयोजित ह्यगणेश ज्ञानार्थी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जो राष्ट्र अपनी स्मृति, इतिहास, भाषा, परंपरा और मूल्यों की रक्षा नहीं कर सकता, उसका चाहे कितना भी सामर्थ्य क्यों न हो, पतन निश्चित है। वहीं, जो अपनी परंपरा और ज्ञान की रक्षा करता है, उसे सदियों की गुलामी के बाद भी कोई नष्ट नहीं कर सकता। भारत इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। अमित शाह ने कहा कि डीकोलोनाइजेशन का अर्थ इतिहास को मिटाना नहीं, बल्कि भारतीय परिप्रेक्ष्य से इतिहास को फिर से पूर्ण और प्रामाणिक रूप में दुनिया के सामने रखना है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, अमित शाह ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि वह इस कार्यक्रम में गृह मंत्री के रूप में नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से चली आ रही भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने के आंदोलन के एक सहभागी के रूप में आए हैं।

दुनिया की सबसे लंबी स्टील स्लैग रोड बनाकर जिंदल स्टील ने रचा इतिहास, बना गिनीज रिकॉर्ड

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में जिंदल स्टील ने देश के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी ने फैक्ट्रियों से निकलने वाले स्टील कचरे (स्टील स्लैग) का 100% इस्तेमाल करके 1.85 किलोमीटर लंबी 4-लेन सड़क बनाई है। पूरी तरह से प्रोसेस किए गए स्टील स्लैग से बनी यह दुनिया की सबसे लंबी सड़क है, जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है। कचरे से कंचन (वेस्ट टू वेल्थ) का सपना साकार करने वाली इस सड़क के निर्माण में लगभग 2 लाख टन प्रोसेस्ड स्टील स्लैग का इस्तेमाल हुआ है। इससे प्राकृतिक पत्थरों की खुदाई और खनन पर निर्भरता खत्म हुई है। यह सड़क सिर्फ दिखाने के लिए नहीं, बल्कि भारी कमर्शियल गाड़ियों (ट्रक आदि) की आवाजाही को ध्यान में रखकर बेहद मजबूत बनाई गई है। इससे पैसे और संसाधनों की बचत होगी। पारंपरिक सड़कों के मुकाबले यह सड़क लगभग 35% पतली है और इसे बनाने में करीब 40% लागत की बचत हुई है। जिंदल स्टील ने सीएसआईआर और सड़क अनुसंधान संस्थान के साथ मिलकर इस स्लैग को वैज्ञानिक प्रक्रिया (क्रशिंग, मेटल निकालना और ग्रेडिंग) के जरिए सड़क बनाने लायक पत्थरों में बदला और सड़क की सबसे निचली परत से लेकर ऊपरी डामर (बिटुमिन) की परत तक इसी का इस्तेमाल किया। सभी कड़े पर्यावरणीय परीक्षणों के बाद ही इसे मंजूरी दी गई है। जिन्दल स्टील के चेयरमैन श्री नवीन जिंदल ने इस अवसर पर कहा कि भारत की तरक्की ऐसे नए प्रयोगों से होनी चाहिए जो पर्यावरण को बचाते हुए देश को फायदा पहुंचाएं। यह तकनीक दिखाती है कि कैसे उद्योग का कचरा देश निर्माण का जरिया बन सकता है। डॉ. जितेंद्र सिंह (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री) ने कहा कि यह प्रोजेक्ट 'वेस्ट टू वेल्थ' (कचरे से संपत्ति) के सपने को साकार करता है। यह साबित करता है कि हमारी स्वदेशी तकनीक से देश की बड़ी समस्याओं का हल निकाला जा सकता है। जिंदल स्टील ने इस प्रोसेस्ड स्लैग का नाम स्टील ग्रिट रखा है। इसका लोगो आज लोकार्पित किया गया। इस तकनीक को देश भर में बाकी सड़कों के निर्माण में इस्तेमाल करने के लिए एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं।

एक नजर

करमा पूजा महोत्सव 2026 का 22 एवं 23 सितंबर को होगा भव्य आयोजन

रांची। सरना यूथ क्लब हेहल के तत्वावधान में हेहल पहान टोली में दो दिवसीय करमा पूजा महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है।इस महोत्सव में पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ-साथ भव्य रूप से नागपुरी सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत 22 सितंबर 2026 को रात्रि 8 बजे कर्मा पूजा के साथ होगी। वहीं 23 सितंबर 2026 को दोपहर 2 बजे से रात्रि 11 बजे तक नागपुरी सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।यह निर्णय सामूहिक रूप से बैठक में ली गई है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हटिया के लोकप्रिय विधायक नवीन जायसवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में रांची नगर निगम की महापौर रोशनी खलखो एवं डिप्टी मेयर नीरज कुमार जी की गरिमामय उपस्थिति रहेगी।इस कार्यक्रम के संयोजक वार्ड 34 के लोकप्रिय पार्षद अजीत कच्छप एवं छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा जी भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुचित उरांव एवं संचालन सचिव शशि टोप्पो जी करेंगें। सरना यूथ क्लब हेहल ने क्षेत्र के लोगों से करमा पूजा महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।आयोजकों ने कहा कि करमा पर्व हमारी समृद्ध आदिवासी संस्कृति,परंपरा और प्रकृति से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है,जिसे सामूहिक रूप से मनाने से सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को मजबूती मिलती है। यह जानकारी अध्यक्ष सुचित उरांव ने दी है।

ट्रेजरी स्कैम में 'बड़ी मछली' का शोर मचाने वाली भाजपा पहले बताए—कौन मछली बड़ी है और कौन छोटी : दूबे

रांची। प्रदेश कांग्रेस महासचिव आलोक कुमार दूबे ने ट्रेजरी स्कैम को लेकर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय साह के आरोपों पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा बार-बार 'बड़ी मछली' और 'छोटी मछली'की राजनीतिक कहानी सुना रही है, लेकिन यह बताने को तैयार नहीं है कि उसके हिसाब से बड़ी मछली कौन है और छोटी मछली कौन है। आलोक दूबे ने कहा कि भाजपा के पास यदि डेढ़ सौ करोड़ रुपये से अधिक की कथित वित्तीय अनियमितता के ठोस आंकड़े, दस्तावेज और जिम्मेदार लोगों के नाम मौजूद हैं तो वह उन्हें जांच एजेंसी के सामने रखने का साहस दिखाए। केवल प्रेस बयान जारी कर किसी अधिकारी, मंत्री या सरकार पर संदेह पैदा करना जांच नहीं, बल्कि राजनीतिक बयानबाजी है। उन्होंने कहा कि भाजपा बताए कि उसके पास ट्रेजरी से संबंधित किन-किन मामलों में कितनी राशि की अनियमितता का प्रमाण है। किस जिले के किस कोषागार में कितनी राशि, किस तारीख को, किस प्रक्रिया के तहत और किस अधिकारी अथवा पदाधिकारी की भूमिका में कथित तौर पर निकली—भाजपा को इसका पूरा हिसाब जनता के सामने रखना चाहिए। यदि भाजपा के पास ऐसी जानकारी है तो उसे छिपाने की बजाय जांच एजेंसी को सौंपना चाहिए।

रॉंची नगर निगम के द्वारा प्रस्तावित नई नियमावली को लेकर हुई बैठक

रॉंचीः आज रॉंची बोरवेल ऑनर एंड एजेंट्स एसोसिएशन द्वारा रातु रोड स्थित विशालाक्षी बैंकवेट हॉल में रॉंची नगर निगम के द्वारा प्रस्तावित नई नियमावली को लेकर बैठक हुई !इस बैठक में नई नियमावली लागु होने से होने वाली आम नागरिकों,एजेंटो एवं बोरिंग गाड़ी मालिकों को परेशानियों एवं आर्थिक बोझ को लेकर चिन्ता व्यक्त की गई! बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित एसोसिएशन के संरक्षक के.के.गुप्ता ने कहा कि नई नियमावली के अनुसार अब बोरिंग कराने के पूर्व छोटे व्यास के बोरिंग में भी निगम से अनुमति लेनी पड़ेगी और इसके बदले घरेलू बोरिंग के लिए(5000 वर्गफिट से कम क्षेत्र) 2500 रुपया एवं उससे अधिक वर्ग क्षेत्र के लिए 5000 रुपया देना होगा जो अनुचित है अथवा बहुत अधिक है,वही व्यवसायिक बोरिंग के लिए 1000 वर्गफिट क्षेत्र के लिए 5000 रुपया एवं उससे अधिक क्षेत्र के लिए प्रति वर्ग फिट 10 रुपया की राशि निगम द्वारा शुल्क लेने की योजना है जो गलत है! दूसरी ओर निगम के अधीक्षण अथवा सहायक अभियंता के द्वारा बोरिंग करने वाले स्थल का निरीक्षण करने के पश्चात छोटे (4.5 इंच व्यास)बोरिंग की अनुमति दी जायेगी जो बहुत पेचीदगीयो से भरी नियमावली है !इसके साथ ही इस प्रकार की अड़चनो भरी नियम के आड़ में अवैध राशि वसूलने की व्यवस्था बनाना प्रतीत होता है! बैठक की अध्यक्षता कर रहे महेश चंद्रा ने कहा कि जिनके घरो में बोरिंग कराना होगा उसका होल्डिंग नम्बर होना जरूरी है और खाली जमीन के लिए जमीन से जुड़ी समुचित पेपर संलग्न करना होगा तब ही बोरिंग की अनुमति मिलेगी यह व्यवहारिक नहीं है क्यूंकि बहुत से रॉंची में ऐसे मकान है जिनका होल्डिंग नम्बर नहीं है अथवा समुचित जमीन से जुड़ी पेपर उपलब्ध नहीं है तो क्या उन्हें पानी से वंचित रखना चाहिए?

सेवानिवृत्त मानव दिवस कर्मी तुलाराम पंडित के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर

टुंडी : टुंडी प्रखंड के पुरनाडीह पंचायत अंतर्गत पुरनाडीह गांव निवासी एवं बिजली विभाग से सेवानिवृत्त मानव दिवस कर्मी तुलाराम पंडित (62) के आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। उनका निधन शनिवार, 12 सितंबर 2026 को इलाज के दौरान हुआ। बताया जाता है कि वे लंबे समय से मधुमेह (शुगर) की बीमारी से पीड़ित थे। परिजनों के अनुसार शनिवार की सुबह अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें उपचार के लिए शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, धनबाद ले जाया गया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने के बाद उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों से उपचार के लिए काफी आग्रह किया, लेकिन समय पर समुचित चिकित्सकीय सहायता नहीं मिलने से उनकी स्थिति बिगड़ती चली गई। परिजनों ने यह भी कहा कि यदि अस्पताल में उपचार संभव नहीं था तो वे मरीज को किसी अन्य अस्पताल में ले जाना चाहते थे, लेकिन उन्हें इस संबंध में भी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी। परिजनों के मुताबिक, काफी प्रयासों के बावजूद उनकी तबीयत में सुधार नहीं हुआ और अंततः शनिवार शाम करीब 3:30 बजे तुलाराम पंडित का निधन हो गया। उनका जन्म 1 जनवरी 1965 को हुआ था। निधन की खबर गांव में पहुंचते ही शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर ग्रामीणों एवं क्षेत्र के लोगों की भीड़ जुटने लगी। तुलाराम पंडित सरल स्वभाव, सहज विचार एवं मृदुभाषी व्यक्ति के रूप में लोगों के बीच अपनी अलग पहचान रखते थे। उनके निधन की खबर सुनकर बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बिजली विभाग से जुड़े लोग

तेलियातु में करम महोत्सव 18 को

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के तेलियातु के वार्ड नंबर 25 स्थित बुनियादी उच्च विद्यालय परिसर में 18 सितंबर 2026 को भव्य करम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में जेएलकेएम के केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक टाइगर जयराम कुमार महतो बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। मौके पर जेएलकेएम महिला मोर्चा की केंद्रीय सचिव सोनी महतो ने कहा कि करमा पर्व झारखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति, प्रकृति प्रेम और सामुदायिक एकता का जीवंत प्रतीक है। करम वृक्ष की पूजा कर सुख-समृद्धि, अच्छी फसल और परिवार की खुशहाली की कामना की जाती है। यह प्ार्व भाई-बहन के पवित्र प्रेम और सामाजिक भाईचारे का भी संदेश देता है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक करमा गीत, मांदर-ढोल और सामूहिक नृत्य इस पर्व की खास पहचान हैं। करम महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने और अपनी सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने का अवसर भी है। सोनी महतो ने बताया कि तेलियातु बस्ती और आसपास के लोग महोत्सव की तैयारियों में दिन-रात जुटे हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से बड़ी संख्या में शामिल होकर करमा पर्व की परंपरा और संस्कृति को मजबूत बनाने की अपील की।

निरसा चापापुर OCP में CISF और ग्रामीणों के बीच झड़प, महिला से मारपीट के आरोप पर ग्रामीणों का आक्रोश

निरसाः निरसा के चापापुर OCP के समीप कोयला चोरी रोकने के अभियान के दौरान CISF, ECL की सुरक्षा टीम और ग्रामीणों के बीच झड़प की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि चापापुर डउढ के पास सड़क से गुजर रही एक बुजुर्ग महिला को कथित तौर पर कोयला चोरी के संदेह में उक्त्रऋ जवानों ने रोक लिया। ग्रामीणों का आरोप है कि महिला के साथ मारपीट की गई, जिससे वह घायल हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और उक्त्रऋ की कार्रवाई का विरोध करने लगे। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और ग्रामीणों द्वारा उक्त्रऋके वाहनों में तोड़फोड़ किए जाने तथा सुरक्षा कर्मियों को घेरने की बात सामने आई है। मौके पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण जुटे रहे। ग्रामीण घायल महिला के समुचित इलाज और मुआवजे की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों का कहना है कि गांव प्रोजेक्ट के बिल्कुल समीप है। ऐसे में यदि सड़क से गुजरने वाले ग्रामीणों को कोयला चोर बताकर उनके साथ मारपीट की जाएगी, तो इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि उक्त्रऋकोयला चोरी में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करे, लेकिन आम ग्रामीणों को इस तरह निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। वहीं, उक्त्रऋ और ECL प्रबंधन की ओर से ग्रामीणों के आरोपों से अलग पक्ष सामने आया है। सुरक्षा टीम के अनुसार, टीम अवैध कोयला चोरी को रोकने के लिए अभियान और छापेमारी के लिए पहुंची थी। इसी दौरान कोयला चोरी में शामिल तत्वों और असामाजिक तत्वों द्वारा ग्रामीणों को उकसाकर सुरक्षा दल पर हमला और पथराव किए जाने का आरोप लगाया गया है। फिलहाल इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। पूरे मामले में दोनों पक्षों के आरोपों की जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

आईवीडी टुंडी मनियाडीह में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 60 मरीजों की हुई जांच

उज्जवल दुनिया संवाददाता

टुंडी :आईवीडी टुंडी मनियाडीह के तत्वावधान में क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अशर्फी अस्पताल, धनबाद से पहुंची चिकित्सकों एवं मेडिकल टीम ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच की तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर के दौरान करीब 60 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस दौरान मरीजों का ब्लड प्रेशर (बीपी), ब्लड शुगर, वजन, पल्स सहित अन्य प्राथमिक स्वास्थ्य जांच की गई। जांच के बाद चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार आवश्यक परामर्श एवं सावधानियों की जानकारी दी। शिविर में चिकित्सकों की टीम द्वारा कैंसर की रोकथाम एवं समय रहते इसकी पहचान को लेकर भी लोगों को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। प्रोजेक्टर के माध्यम से कैंसर के कारण, संभावित लक्षण, बचाव के उपाय तथा समय पर जांच एवं उपचार के महत्व को सरल तरीके से समझाया गया। चिकित्सकों ने लोगों से अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने तथा किसी भी असामान्य लक्षण को नजरअंदाज नहीं करने की अपील की। अशर्फी अस्पताल, धनबाद से आए डॉ. विपलव मिश्रा एवं डॉ. जफर रशीद ने मरीजों की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह दी। मेडिकल टीम के सदस्यों ने भी शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर आईवीडी टुंडी मनियाडीह के सभी सदस्य उपस्थित रहे और शिविर के संचालन एवं व्यवस्था में सक्रिय सहयोग किया। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य ग्रामीण एवं आसपास के लोगों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक करना है। शिविर में पहुंचे लोगों ने निःशुल्क जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा मिलने पर आयोजकों और चिकित्सकीय टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

गलफरबाड़ी मां दुर्गा मंदिर में दुगार्पूजा कमेटी का गठन, प्रदीप बाउरी बने अध्यक्ष

उज्जवल दुनिया संवाददाता

एग्यारकुंड। गलफरबाड़ी स्थित मां दुर्गा मंदिर प्रांगण में रविवार को दुगार्पूजा कमेटी के गठन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बालेश्वर शर्मा ने की। बैठक में पूजा कमेटी के पिछले कार्यकाल के आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया, जिस पर उपस्थित सदस्यों ने चर्चा की। इसके बाद सर्वसम्मति से नई दुगार्पूजा कमेटी का गठन किया गया।नई कमेटी में प्रदीप बाउरी को अध्यक्ष,जबकि प्रकाश शर्मा, अरविंद कुमार एवं रमेश प्रसाद को उपाध्यक्ष बनाया गया। ठाकुर प्रसाद सिंह को सचिव,अमित कुमार श्रीवास्तव को सह सचिव तथा वासुदेव पासवान को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।वहीं अनुज शर्मा, मुकेश कुमार, बालेश्वर साव, श्रीराम लाल, अनीश कुमार, महेंद्र प्रसाद, दिलीप राम, शिवा सोय एवं राजेश सोय सहित अन्य सदस्यों को कार्यकारिणी में शामिल किया गया।बैठक में उपस्थित सदस्यों ने आगामी दुगार्पूजा को आपसी सहयोग, उत्साह एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित किया जाएगा।इस दौरान मंदिर एवं पूजा आयोजन से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

सीएनआई चर्च रामगढ़ और चितरपुर में बिल्डरों को बेच रही डीयू मिशन की जमीन

रामगढ़। सीएनआई चर्च रामगढ़ शहर के साथ-साथ चितरपुर प्रखंड में भी डीयू मिशन की जमीन बेच रही है। इसका खुलासा रियल एस्टेट बिजनेस में शामिल बिल्डर हमीद हाशमी और चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया के सचिव संतोष मरांडी के पत्र से हुआ है। डीयू मिशन की जमीन रजरप्पा थाना क्षेत्र के चितरपुर में मौजूद है। वहां डीयू मिशन की लगभग 10 एकड़ जमीन है। जिसमें लगभग 7 एकड़ की जमीन पर चर्च आफ नॉर्थ इंडिया ने कब्जा जमा रखा है। और लगभग तीन एकड़ जमीन उनके कब्जे में नहीं है। डीयू मिशन का जो भी जमीन कब्जे में नहीं है, उसे काबिज करने के लिए सीएनआई चर्च ने चितरपुर प्रखंड के ग्लोब डेवलपर, रियल एस्टेट बिजनेस, टाइल्स, मार्बल, ग्रेनाइट, सप्लायर हमीद हाशमी को 1.5 एकड़ जमीन देने का विचार कर लिया है। चितरपुर के मारंग मरचा स्थित ग्लोब डेवलपर के मालिक हमीद हाशमी को डीयू मिशन के नाम की जमीन के दस्तावेज की त्रुटि को पूर्ण कराने, पंजी-क्क में नाम दर्ज कराने, लगान रसीद निर्गत करवाने के जिम्मेदारी सीएनआई चर्च ने दी है। बिल्डर ने दस्तावेज सुधरवाने के नाम पर मांगा 1.5 एकड़ जमीन ग्लोब डेवलपर के मालिक हामिद हाशमी ने बताया कि उन्हें सीएनआई चर्च ने 10 एकड़ जमीन में बाउंड्री करने और जमीन से जुड़े मामले को अंचल से सुधरवाने की जिम्मेदारी सौंप गई थी।

2500 से अधिक शिक्षकों को सम्मानित कर पासवा ने फिर रचा इतिहास

राज्यभर के शिक्षाविदों एवं गुरुजनों के सम्मान का साक्षी बना रांची का आर्यभट्ट सभागार

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची। निजी विद्यालयों के संगठन पासवा ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए रविवार को रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार, मोरहाबादी में आयोजित अपने 14वें शिक्षक सम्मान समारोह में राज्यभर के 2500 से अधिक शिक्षकों को सम्मानित किया। झारखंड की राजधानी रांची का आर्यभट्ट सभागार इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बना, जहां राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे शिक्षाविदों, प्रोफेसरों, लेक्चररों, सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों का भव्य सम्मान किया गया। समारोह में शिक्षकों को शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, प्रशासन, स्वास्थ्य, पुलिस एवं विश्वविद्यालय जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

शिक्षक सम्मान समारोह में जुटीं राज्य की प्रमुख हस्तियां

शिक्षक सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह, उद्घाटनकर्ता डीजी रेलवे अनिल पालटा, स्वागताध्यक्ष पासवा के मुख्य संरक्षक सह विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव, गेस्ट ऑफ ऑनर रिम्स निदेशक डॉ. डी.के. सिन्हा तथा पूर्व कुलपति रांची विश्वविद्यालय अजीत कुमार सिन्हा,डीएवी के निदेशक एम.के. सिन्हा,पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। सम्मानित होने वालों में रांची विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति अजीत सिन्हा, अंजनी श्रीवास्तव, डॉ. फिरोज अहमद, डॉ. टी.एन. साहू, अमर चौधरी, सीसीडीसी राजेश उपाध्याय, बंदना रॉय, डीएवी क्षेत्रीय निदेशक एम.के. सिन्हा, डीएवी प्राचार्य तापस घोष, जैक सचिव सच्चिदानंद तिग्गा, रांची विश्वविद्यालय एनएसएस कोऑर्डिनेटर किशोर सोरेन, नन्हे कदम प्ले स्कूल की निदेशक विभा सिंह, डीएवी बरियातू के प्राचार्य एस.के. मिश्रा, चिरंजीवी स्कूल के निदेशक एस.के. सिन्हा, कोलकाता स्कूल की प्राचार्य प्रियंवदा झा, संत जेवियर कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. संजय कुमार सिन्हा, डॉ. शिव कुमार, आलोक रंजन, एमिटी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर राशिद इकबाल, सुमेधा चौधरी, पीटीपीएस कॉलेज पतरातू की प्रोफेसर डॉ. नीतू कुमारी, अदिति आर्यन, डॉ. श्रीकुमार मुखर्जी, जेएनयू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर संतोष कुमार, नीरा किशोर अकिल उर रहमान ॉ रेनू कुमारी कोऑर्डिनेटर स्कूल ऑफ योगा, सुमोना दत्ता इंचार्ज प्रिंसिपल गुरु नानक स्कूल सहित बड़ी संख्या में शिक्षाविद शामिल रहे। बोकारो, हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, पलामू, गढ़वा, गिरिडीह, लोहरदगा सहित राज्य के विभिन्न जिलों से भी शिक्षक एवं शिक्षाविद समारोह में पहुंचे।

डॉ. राधाकृष्णन और सुदिव्य कुमार सोनू को श्रद्धांजलि से हुई शुरूआत

कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एवं पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि के साथ हुई। विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सेक्रेड हार्ट स्कूल, कोलकाता पब्लिक स्कूल एवं सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बीजू पाड़ा के छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों ने अतिथियों एवं शिक्षकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके उपरांत दीप प्रज्वलित कर विधिवत शिक्षक सम्मान समारोह का उद्घाटन अजय कुमार सिंह, अनिल पालटा, डॉ. रामेश्वर उरांव, पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे, उपाध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ. राजेश गुप्ता एवं फलक फातिमा ने संयुक्त रूप से किया।

शिक्षक सम्मान सबसे बड़ा सम्मान : अजय कुमार सिंह

स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक समाज की वह शक्ति हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को संवारते हैं। डॉक्टर, इंजीनियर, अधिकारी, राजनेता अथवा किसी भी क्षेत्र में सफल व्यक्ति के निर्माण में किसी न किसी शिक्षक की भूमिका होती है।

रांची में 80.60 लाख की कथित धोखाधड़ी और जालसाजी में छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र में 80.60 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला सामने आया है। डॉ. दिवेश कुमार भगत के लिखित आवेदन पर पुलिस ने निखिल कुमार, उसकी पत्नी बबीता गुप्ता सहित छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 316(2), 318(4) और 61(2) के तहत कार्रवाई की गई है। प्राथमिकी के अनुसार, डॉ. दिवेश कुमार भगत ने आरोप लगाया है कि उनके रिश्तेदार निखिल कुमार और उसकी पत्नी बबीता गुप्ता ने व्यवसाय बढ़ाने के नाम पर उनसे और उनकी पत्नी शालिनी भगत से आर्थिक सहयोग मांगा था। पारिवारिक संबंधों पर भरोसा करते हुए उन्होंने बबीता गुप्ता के फर्म और संबंधित लोगों को कुल 41 लाख 60 हजार रुपये दिए। शिकायतकर्ता के मुताबिक, इसमें 30 लाख रुपये आरटीजीएस के माध्यम से अलग-अलग बैंक खातों से आयुष इंटरप्राइजेज के खाते में भेजे गए, जबकि 11 लाख 60 हजार रुपये अलग-अलग तारीखों में नकद दिए गए। आरोप है कि रकम वापस मांगने पर आरोपित पक्ष लगातार टालमटोल करता रहा। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि रुपये लौटाने के बजाय उन्हें कथित तौर पर धमकी दी गई और पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों का भय दिखाकर मुकदमे में फंसाने की बात कही गई। शिकायत में हजारीबाग स्थित न्यू होम्स के टोप्पीदी केशव टावर से जुड़ा एक अन्य मामला भी दर्ज कराया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, निखिल कुमार, जिसे एमएम न्यू होम का संचालक बताया गया है, ने फ्लैट-भवन निर्माण के नाम पर शिकायतकर्ता से 39 लाख रुपये लिए थे। आरोप है कि इसके बदले ग्राउंड फ्लोर पर 2600 वर्गफीट व्यावसायिक जगह, दूसरे तल पर 1540 वर्गफीट आवासीय जगह और पार्किंग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था। प्राथमिकी में पार्किंग संख्या 01, 05, 06 और 07 का उल्लेख है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि प्रोजेक्ट में अड़चन का हवाला देकर लंबे समय तक उन्हें टालते रहे और वादा पूरा नहीं किया गया। मामले में जालसाजी का आरोप भी लगाया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्हें 21 जनवरी 2014 की तारीख वाला एक कथित फर्जी अलॉटमेंट लेटर दिया गया था। इसके बाद निखिल कुमार ने अन्य आरोपितों के साथ मिलकर पावर ऑफ अटॉर्नी और दूसरे दस्तावेजों के माध्यम से संपत्ति से संबंधित लेनदेन किए। प्राथमिकी में गोपाल प्रसाद गुप्ता, पदम लाल गुप्ता, रेनू गुप्ता और संजीत कुमार सिंह को भी सह-आरोपित बनाया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों और आवंटन की प्रक्रिया में भी अनियमितता की गई। शिकायतकर्ता ने 11 अप्रैल 2023 को किए गए एक एग्रीमेंट का भी उल्लेख किया है। आरोप है कि पूर्व में हुए समझौते और इकरारनामा के बावजूद बाद में संपत्ति को लेकर अलग व्यवस्था की गई तथा उन्हें फ्लैट और अन्य संपत्ति देने का आश्वासन दिया गया। प्राथमिकी में दस्तावेजों और संपत्ति के आवंटन को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। मामला दर्ज होने के बाद कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सब-इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार राय को मामले का अनुसंधान अधिकारी बनाया गया है।

श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर मे अन्नपूर्णा महाप्रसाद का आयोजन

रांची। पुंदाग स्थित एम.आर. एस.श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में डॉक्ट्र संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज जी के सानिध्य में 283 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का श्रद्धापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्री राधा-कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया।इस अवसर पर मंदिर में श्री राधा रानी जी का दिव्य एवं अलौकिक श्रृंगार आकर्षक आभूषणों एवं मनोहारी पुष्पों से किया गया, दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडेय द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं मंत्रोच्चार के साथ महाप्रसाद का भोग लगाया गया। इसके पश्चात महाप्रसाद में मसालेदार वेजिटेबल खिचड़ी,लीची जूस, एवं आलू चिप्स का पैकेट का वितरण श्रद्धालुओं के बीच किया गया। मंदिर परिसर में उपस्थित लगभग 2 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक महाप्रसाद ग्रहण किया।भक्ति रस से ओत-प्रोत भजन संध्या कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायकों द्वारा सुमधुर एवं मनमोहक भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भजनों पर श्रद्धालु खूब झूमे तथा पूरा मंदिर परिसर राधे-कृष्ण एवं श्याम के जयकारों से कृष्णमय एवं भक्तिमय हो गया।तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती का आयोजन किया गया, ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा तथा लगभग 3 हजार से अधिक भक्तों ने भगवान के दर्शन किए। उन्होंने बताया कि मंदिर में प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक वेजिटेबल खिचड़ी महाप्रसाद का वितरण किया जाता है।

पाड़हा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बारीडीह में विशेष बैठक

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बेड़ो। रविवार 13 सितंबर 2026 को दोपहर 12:30 बजे ऐतिहासिक पाड़हा जतरा मैदान, बारीडीह में 8 पाड़हा, 12 पाड़हा एवं 21 पाड़हा के संयुक्त तत्वावधान में विशेष पाड़हा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता 12 पाड़हा राजा श्री विशाल उरांव ने की। इसमें तीनों पाड़हा के पाड़हा प्रेमी एवं सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक में पाड़हा व्यवस्था को व्यवस्थित एवं सुदृढ़ तरीके से संचालित करने को लेकर सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे। पाड़हा व्यवस्था की परंपरा, उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली के संबंध में ग्रामीणों को विस्तृत जानकारी देने के लिए गांव-गांव जाकर पारंपरिक ग्राम सभा का गठन करने का निर्णय लिया गया। पाड़हा व्यवस्था की गतिविधियों को गति देने तथा विभिन्न गांवों में संपर्क बढ़ाने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया। कमेटी में लिपिक विभाग, संगठन सशक्तिकरण एवं संपर्क विभाग, प्रचार-प्रसार विभाग तथा सरकारी समन्वय विभाग सहित विभिन्न जिम्मेदारियां तय की गईं। सरकारी समन्वय विभाग के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं की संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर पाड़हा समाज के लोगों तक पहुंचाने एवं योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में कार्य करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सभी पाड़हा गांवों के ग्राम प्रधानों को पत्र के माध्यम से पाड़हा बैठक में शामिल होने की सूचना दी जाएगी। इसके बाद ऐतिहासिक पाड़हा जतरा मैदान, बारीडीह में एक निर्धारित तिथि को ग्राम प्रधानों की बैठक आयोजित कर पाड़हा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से 21 पाड़हा राजा महादेव कुजूर, 8 पाड़हा राजा चरवा उरांव, 12 पाड़हा राजा विशाल उरांव, मीडिया प्रभारी चरवा उरांव, दीवान बिरूवा खेस, धनंजय कुमार राय, जुगेश उरांव, सुका उरांव, जगरनाथ उरांव, एतवा उरांव, पीटर तिर्की, सुका भगत, मंगु पुजार, मंगरू मुंडा, हालू उरांव, लगना उरांव, सनिका मुंडा एवं खुशी उराईन सहित बड़ी संख्या में पाड़हा प्रेमी उपस्थित थे।

विधायक के बेटे के अपहरण और मारपीट मामले में पांच आरोपित कोलकाता से गिरफ्तार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

-घटना के दो घंटे के भीतर सौरभ को पुलिस ने सकुशल कराया था बरामद

रांची। रांची स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी के बाहर से चतरा विधायक जनार्दन पासवान के बेटे सौरभ कुमार के अपहरण और मारपीट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले में शामिल पांच आरोपितों को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रौनक सिंह राजपूत, प्रकाश गुप्ता, आयुष कुमार, प्रीतम और ज्ञानदीप के रूप में हुई है। घटना सात सितंबर की है। पुलिस के अनुसार, विधायक के बेटे सौरभ कुमार यूनिवर्सिटी गेट के पास अपने दोस्तों अमरदीप दुबे, अनमोल और रविशंकर के साथ खड़े थे। इसी दौरान अमरदीप की किसी बात को लेकर जूनियर छात्र लक्की राज से विवाद हो गया। आरोप है कि इसके बाद लक्की राज ने फोन कर कुछ बाहरी युवकों को मौके पर बुला लिया। कुछ देर बाद दो काले रंग की स्कॉर्पियो से करीब 10-12 युवक वहां पहुंचे और मारपीट शुरू कर दी। सौरभ की शिकायत के अनुसार, आरोपितों ने उनके दोस्त अनमोल को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और सौरभ को जबरन स्कॉर्पियो में बैठाकर वहां से ले गए। सौरभ ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया कि चलती गाड़ी में उनके साथ मारपीट की गई और उनका गला दबाने की कोशिश की गई। आरोपितों ने उनका मोबाइल फोन और करीब 20 ग्राम वजन की सोने की चेन भी छीन ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी। यूनिवर्सिटी परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने घटना के करीब दो घंटे के भीतर सौरभ कुमार को सकुशल बरामद कर लिया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की। जांच के क्रम में पांच आरोपितों को कोलकाता से गिरफ्तार किया गया। पुलिस उनसे पूछताछ कर घटना में शामिल अन्य लोगों और पूरे घटनाक्रम के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

रामगढ़ में जगदीश मित्तल बाबूजी को श्रद्धांजलि, साहित्य जगत ने नम आंखों से किया नमन

रामगढ़। राष्ट्रीय कवि संगम के संस्थापक अध्यक्ष एवं साहित्य-जगत के समर्पित साधक जगदीश मित्तल बाबूजी के आकस्मिक निधन पर साहित्यिक एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर है। शनिवार देर शाम रामगढ़ के होटल शिवम इन में राष्ट्रीय कवि संगम की ओर से श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। सभा में कवियों, साहित्यकारों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने बाबूजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय कवि संगम के महासचिव सरोज झा झारखंडी ने कहा कि बाबूजी से उनका पिछले 10 वर्षों से आत्मीय संबंध रहा। उन्होंने कहा कि जगदीश मित्तल साहित्य और मंचीय कविता के ऐसे समर्पित साधक थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन कविता को जन-जन तक पहुंचाने, साहित्य के प्रति लोगों में रुचि जगाने और नए रचनाकारों को मंच देने में लगा दिया। वे देश के विभिन्न हिस्सों में जाकर साहित्य के प्रति प्रेम और जागरूकता पैदा करते रहे। स्थापित रचनाकारों के साथ-साथ उभरती प्रतिभाओं को समान अवसर देना उनकी प्रमुख विशेषता थी। सरोज झा ह्यझारखंडीह्ल ने कहा कि जगदीश मित्तल का निधन केवल राष्ट्रीय कवि संगम ही नहीं, बल्कि पूरे साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने जीवन में जिन आदर्शों, संस्कारों और साहित्यिक मूल्यों को स्थापित किया, उन्हें आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनका सहज व्यक्तित्व, साहित्य के प्रति समर्पण और संगठन को मजबूत करने की दूरदर्शी सोच हमेशा प्रेरणा देती रहेगी।

रामगढ़ के तेलियातु में जेएलकेएम का करम महोत्सव 18 सितंबर को

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा महिला मोर्चा की केंद्रीय सचिव सोनी महतो ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 18 सितंबर को बुनियादी उच्च विद्यालय, तेलियातु वार्ड नंबर 25 में भव्य करम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में जेएलकेएम के केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक टाइगर जयराम कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। महोत्सव को लेकर वार्ड नंबर 25, तेलियातु बस्ती एवं आसपास के ग्रामीण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिन-रात तैयारी में जुटे हैं। सोनी महतो ने कहा कि करमा पर्व झारखंड की लोकसंस्कृति, प्रकृति प्रेम, भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और सामुदायिक एकता का महत्वपूर्ण प्रतीक है। करम वृक्ष और उसकी डाल को पवित्र मानकर पूजा की जाती है तथा अच्छी फसल, सुख-समृद्धि और प्रकृति की कृपा की कामना की जाती है। कई समुदायों में बहनें अपने भाइयों की सुख-समृद्धि एवं दीघार्यु के लिए पूजा करती हैं। पारंपरिक करमा गीत, मांदर, ढोल और सामूहिक नृत्य इस पर्व की विशेष पहचान हैं। उन्होंने कहा कि करम महोत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों को एकजुट करने, आपसी भाईचारा मजबूत करने और सामाजिक एकता बढ़ाने का माध्यम भी है। गांव और समाज के लोग सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना एवं उत्सव मनाते हैं। करम वृक्ष एवं प्रकृति के प्रति सम्मान लोगों को पेड़-पौधों और पर्यावरण की रक्षा का संदेश भी देता है। करमा पर्व के माध्यम से परिवार एवं समाज में सुख-शांति, समृद्धि और उन्नति की कामना की जाती है। सोनी महतो ने क्षेत्रवासियों से करम महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर पर्व की परंपरा, लोकसंस्कृति और सामुदायिक भावना को मजबूत करने की अपील की।

तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार दंपती को कुचला, दोनों की मौत

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

-मुआवजे और चालक की गिरफ्तारी की मांग पर छह घंटे सड़क जाम

रांची। रांची के सोनहातू थाना क्षेत्र के बारेंदा टोला देवानसारणा के समीप रविवार को तेज रफ्तार और अनियंत्रित हाइवा ने बाइक सवार पति-पत्नी को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान पश्चिम बंगाल के झालदा थाना क्षेत्र के कुशी पापड़ाहुडुम गांव निवासी रमेश महतो और उनकी 42 वर्षीय पत्नी सिंधु वाला देवी के रूप में हुई है। महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल रमेश महतो ने अस्पताल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, सिंधु वाला देवी बारेंदा कुल्याणटांड़ स्थित अपनी दीदी के घर आयोजित ह्यतीन नहानह्ल कार्यक्रम में शामिल होने आई थीं। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह अपने पति के साथ मोटरसाइकिल से वापस गांव लौट रही थीं। इसी दौरान देवानसारणा के पास पीछे से आ रहे हाइवा (जेएच10 डीबी 5777) ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर गए और हाइवा की चपेट में आ गए।

हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन और स्थानीय ग्रामीण मौके पर जुट गए। आक्रोशित लोगों ने दोनों शवों को सड़क पर रखकर सिल्ली-रांगामाटी मुख्य मार्ग जाम कर दिया। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह बाधित रहा। ग्रामीण पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने और दुर्घटना के आरोपित हाइवा चालक को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। सूचना मिलने पर सोनहातू थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाकर स्थिति शांत कराई। करीब छह घंटे बाद सड़क जाम हटाया जा सका। थाना प्रभारी ने बताया कि सड़क जाम हटा लिया गया है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एक नजर

लोजपा (आर) रांची के सभी प्रखंडों में सदस्यता अभियान चलाएगी

रांची। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) रांची जिला के पदाधिकारियों की बैठक रविवार को लाइन टैंक रोड स्थित ड्यूक मेंशन के जिला कार्यालय में हुई। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दिनेश सोनी ने की। बैठक में संगठन के विस्तार और आगामी कार्यक्रमों को लेकर कई निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से रांची जिले के सभी प्रखंडों में सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा रांची शहर के सभी वार्डों में संगठन को मजबूत करने के लिए वार्ड अध्यक्षों का गठन किया जाएगा। पदाधिकारियों ने कहा कि अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़कर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जाएगा। बैठक में झारखंड प्रदेश के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष एवं चतरा विधायक जनार्दन पासवान तथा धनबाद जिला के प्रधान महासचिव पप्पू सिंह को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान द्वारा मनोनीत किए जाने पर खुशी जताई गई। दोनों नेताओं के रांची आगमन पर जिला पदाधिकारियों और कार्यकताओं की ओर से भव्य स्वागत करने का निर्णय भी लिया गया। स्वागत कार्यक्रम की तिथि अगली बैठक में तय की जाएगी। बैठक में महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष मनीषा देवी, जिला अध्यक्ष दिनेश सोनी, उपाध्यक्ष तनिक कुमार, प्रधान महासचिव आकाश भारती, महासचिव प्रमोद एक्का, महेश पासवान, संदीप कुमार राय, सचिव सरवन कुमार, मनीष कुमार, कोषाध्यक्ष सह कार्यालय प्रभारी आनंद वर्मा, संगठन मंत्री राजेश कुमार सिंह, प्रतिज्ञा कुमार सिंह, सलाहकार मंत्री रवि रंजन, अजय पासवान सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

विश्व प्राथमिक स्वास्थ्य दिवस पर मारवाड़ी युवा मंच ने लगाया डी-क्लब कैंप

रामगढ़। विश्व प्राथमिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में रविवार, 13 सितंबर की सुबह मारवाड़ी युवा मंच रामगढ़ कैंट शाखा की ओर से रामगढ़ के सुभाष चौक पर डी-क्लब कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के दौरान आम लोगों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 73 लोगों की निःशुल्क शुगर एवं रक्तचाप की जांच की गई।कैंप में मंच के सदस्यों ने लोगों को नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराने तथा खान-पान एवं दैनिक जीवनशैली के प्रति सजग रहने के लिए जागरूक किया। आयोजन के दौरान लोगों में स्वास्थ्य के प्रति काफी उत्साह देखने को मिला।इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष श्रींजय मेवाड़ ने कहा कि बदलती जीवनशैली के कारण आज कम उम्र में भी लोग विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में समय-समय पर स्वास्थ्य जांच और जागरूकता बेहद जरूरी है। मारवाड़ी युवा मंच का उद्देश्य सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य जागरूकता पहुंचाना है। मीडिया प्रभारी अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में जागरूकता फैलाना मंच की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि नियमित शुगर और रक्तचाप की जांच से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समय रहते पता लगाया जा सकता है। मंच भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविरों का आयोजन करता रहेगा।कैंप में श्रींजय मेवाड़, आशुतोष बेरलिया, संतोष गोकुलका, रितिक परसरामपुरिया, अजीत अग्रवाल, अमन अग्रवाल, युग जैन, पीयूष अग्रवाल एवं अभिषेक अग्रवाल सहित मंच के सदस्य उपस्थित रहे।

ओबीसी की भागीदारी और अधिकार के लिए अलग कोड जरूरी : कांग्रेस

रामगढ़। शहर स्थित होटल ला मैरिटल में कांग्रेस ओबीसी विभाग की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आगामी जनगणना में ओबीसी वर्ग के लिए अलग से कॉलम जोड़ने सहित सामाजिक न्याय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।कांग्रेस जिलाध्यक्ष सह रामगढ़ विधायक ममता देवी ने कहा कि देश में ओबीसी वर्ग की बड़ी आबादी होने के बावजूद जनगणना में ओबीसी की वास्तविक संख्या का स्पष्ट आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। इसलिए आगामी जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम जोड़ा जाना आवश्यक है, ताकि ओबीसी आबादी के वास्तविक आंकड़ों के आधार पर सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक अधिकारों तथा कल्याणकारी योजनाओं का उचित निर्धारण किया जा सके।उन्होंने कहा कि जनगणना में ओबीसी का अलग कॉलम जोड़ना सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। कांग्रेस पार्टी ओबीसी समाज के अधिकारों और सम्मान के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी।कांग्रेस ओबीसी विभाग के जिलाध्यक्ष रणधीर गुप्ता ने कहा कि ओबीसी समाज की इस महत्वपूर्ण मांग को लेकर कांग्रेस लगातार आवाज उठाती रहेगी। इसी क्रम में 16 सितंबर को रांची में बापू वाटिका से लोक भवन तक पैदल मार्च निकाला जाएगा। इसके माध्यम से ओबीसी जनगणना की मांग को लेकर विरोध दर्ज कराया जाएगा और सरकार से आगामी जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम जोड़ने की मांग की जाएगी।उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज की वास्तविक जनसंख्या का आंकड़ा सामने आने से ही आबादी के अनुपात में अधिकार, प्रतिनिधित्व और सरकारी योजनाओं का बेहतर निर्धारण संभव होगा।प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस जिलाध्यक्ष सह विधायक ममता देवी, कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेश कांग्रेस नेता राजकुमार यादव, प्रदेश कांग्रेस कोऑर्डिनेटर अमर यादव, ओबीसी विभाग जिलाध्यक्ष रणधीर गुप्ता, प्रवक्ता मुकेश यादव, कांग्रेस जिला प्रवक्ता सह मीडिया चेयरमैन सुधीर मंगलेश, संतोष सोनी सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

निर्देश पंचायत समिति के, फैसले सचिव के

पदमा में योजनाओं की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

प्रमुख ने डीडीसी से की शिकायत, योजना चयन से भुगतान तक मनमानी का आरोप; एक सितंबर की बैठक के निर्देश के बावजूद 12 को बैठक, 15 सितंबर को पोर्टल अपलोडिंग की अंतिम तिथि

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पदमा। पंचायत समिति के निदेशों की अनदेखी और योजनाओं के चयन से लेकर भुगतान तक कथित मनमानी को लेकर पदमा प्रखंड में विवाद गहरा गया है। पंचायत समिति प्रमुख वीणा देवी ने उप विकास आयुक्त, हजारीबाग को ज्ञापन के माध्यम से प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-पंचायत समिति सचिव की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। प्रमुख ने आरोप लगाया है कि पंचायत समिति के निदेशों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है और महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रक्रिया अंतिम समय में पूरी की जा रही है। उन्होंने पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

पेंशन के लिए बुलाए, पदाधिकारी नहीं मिले तो लौटे लाभुक

शिकायत में विधवा एवं दिव्यांग लाभुकों की परेशानी का मुद्दा भी उठाया गया है। प्रमुख के अनुसार, पंचायत सचिव एवं जनप्रतिनिधियों से सत्यापन के बाद लाभुकों को शारीरिक जांच के लिए प्रखंड मुख्यालय बुलाया जाता है। आरोप है कि संबंधित पदाधिकारी के उपस्थित नहीं रहने पर लाभुक दिनभर इंतजार करने के बाद निराश होकर घर लौट जाते हैं। सवाल यह है कि सरकारी प्रक्रिया के नाम पर दूर-दराज से बुलाए गए जरूरतमंदों की जवाबदेही आखिर किसकी है।

15वें वित्त की योजनाओं में प्रमुख की भूमिका पर सवाल

15वें वित्त आयोग की योजनाओं को लेकर शिकायत में आरोप लगाया गया है कि योजनाओं के उद्घाटन में पंचायत समिति प्रमुख को आमंत्रित नहीं किया जाता। शिलापट्ट पर मुख्य अतिथि के रूप में नाम अंकित कराने और योजना बोर्ड पर नाम-पदनाम दर्ज कराने का भी आरोप है। प्रमुख ने इसे पंचायत समिति की भूमिका और अधिकारों की अनदेखी बताया है। योजनाएं पूरी होने के बाद भुगतान के लिए लाभुकों को प्रखंड कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत में कथित बिचौलियों के माध्यम से राशि की उगाही के बाद भुगतान की स्वीकृति दिए जाने का गंभीर आरोप लगाया गया है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में भुगतान से जुड़े अभिलेख और पूरी प्रक्रिया की जांच इस शिकायत की अहम कड़ी होगी।

डीएसी भुगतान पर भी उठी उंगली

उप विकास आयुक्त कार्यालय के पत्रांक 178/जि.प., दिनांक 1 जून 2026 का हवाला देते हुए प्रमुख ने शिकायत में कहा है कि आदेश के बावजूद पंचायत समिति प्रमुख के डीएसी के माध्यम से अब तक एक भी भुगतान नहीं हुआ है। इस पर भी जांच की मांग की गई है।

एक सितंबर का निर्देश, 12 को बैठक; 15 को अंतिम तारीख

पंचायत समिति की वार्षिक योजना 2026-27 के चयन को लेकर शिकायत सबसे गंभीर सवाल खड़े करती है। प्रमुख के अनुसार, उनके ज्ञापांक 11/2026 के माध्यम से एक सितंबर को बैठक बुलाने का निर्देश दिया गया था। आरोप है कि इस निर्देश का अनुपालन नहीं करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने 12 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे बैठक के लिए पत्र जारी किया। यहीं से समय-सीमा का पेच सामने आता है। शिकायत के अनुसार, योजना चयन के बाद 13 और 14 सितंबर को कार्यालय बंद रहेगा और 15 सितंबर को बीपीडीपी योजना को ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड करने की अंतिम तिथि है। ऐसे में सवाल उठता है कि इतने कम समय में योजना चयन से लेकर आवश्यक प्रक्रिया और पोर्टल अपलोडिंग कैसे पूरी होगी।

वीबी-आरएएम-जी की एजेंसी भी अब तक नहीं

शिकायत में सरकार के आदेश के तहत वीबी-आरएएम-जी के अंतर्गत पंचायत समिति को क्रियान्वयन एजेंसी बनाए जाने की प्रक्रिया लंबित होने का भी आरोप लगाया गया है। प्रमुख का कहना है कि योजना चयन, क्रियान्वयन और भुगतान समय पर नहीं होने से काम लगातार अंतिम समय में करने की स्थिति बन रही है।

अब जांच से ही खुलेगा प्रक्रिया का सच

प्रमुख की ओर से उप विकास आयुक्त से पूरे मामले की जांच कराए जाने की मांग की गई है। शिकायत में योजनाओं के चयन, बैठक की कार्यवाही, भुगतान अभिलेख, डीएसी के माध्यम से भुगतान और क्रियान्वयन एजेंसी से जुड़े दस्तावेजों की जांच की मांग की गई है। अब देखना यह है कि प्रशासन शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच के लिए क्या कदम उठाता है और जांच में नियमों के अनुपालन की वास्तविक स्थिति क्या सामने आती है।

कटकमसांडी के जगेश्वर भुइयां हत्याकांड में दो और आरोपी को किया दबोचा, अब तक चार आरोपी गिरफ्तार

उज्जवल दुनिया संवाददाता

कटकमसांड़ी। हजारीबाग जिले के कटकमसांडी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तोरार में अवैध संबंध के विवाद में हुई जगेश्वर भुइयां की हत्या के मामले में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मामले में गहन अनुसंधान करते हुए हत्याकांड में सीधे तौर पर शामिल दो अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही इस चर्चित हत्याकांड में पकड़े गए कुल आरोपियों की संख्या बढ़कर चार हो गई है।

पत्नी की शिकायत पर दर्ज हुआ था मामला

ग्राम तोरार निवासी जगेश्वर भुइयां (पिता लखन भुइयां) की 06 सितंबर 2026 की रात योजनाबद्ध तरीके से हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद मृतक की पत्नी फुलमती देवी के लिखित शिकायत के आधार पर कटकमसांडी थाना कांड संख्या 140/26, दिनांक 07 सितंबर 2026, धारा 103(1)/3(5) बीएनएस (BNS) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

एसआईटी ने पूर्व में दो को भेजा था जेल

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने तत्परता दिखाते हुए पहले चरण में ही दो मुख्य आरोपियों मंगरा कच्छप उर्फ गुमन कच्छप और रतन कुजूर (दोनों निवासी डिबल बांध) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

अग्रेतर अनुसंधान में बेला गांव से दबोचे गए दो अन्य हत्यारोपी

गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ और मामले के अग्रेतर अनुसंधान के दौरान पुलिस टीम ने 12 सितंबर 2026 को छापेमारी कर वारदात में शामिल दो अन्य हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया। विकास गंझू, पिता जगन गंझू, प्रकाश गंझू, पिता अशोक गंझू, दोनों आरोपी ग्राम बेला, पोस्ट शाहपुर, थाना कटकमसांडी, जिला हजारीबाग के निवासी हैं।

छापेमारी टीम में ये रहे शामिल

सफल कार्रवाई करने वाली टीम में पेलावल अंचल पुलिस निरीक्षक सपन महथा, कटकमसांडी थाना प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक अनुपम प्रकाश तथा कटकमसांडी थाना का सशस्त्र बल शामिल रहा। आवश्यक कानूनी कागजी कार्रवाई पूर्ण करने के उपरांत दोनों आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

नापो खुर्द फुटबॉल मैदान की खराब स्ट्रीट लाइट बनी शोभा की वस्तु, जनप्रतिनिधियों का ध्यान नहीं

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कुंज बिहारी साव ने नापो खुर्द स्थित फुटबॉल मैदान का जायजा लिया। ग्रामीणों के सहयोग से दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर मैदान को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। मैदान के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि परिसर में लगी स्ट्रीट लाइट लंबे समय से खराब पड़ी है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से खराब पड़ी इस लाइट की ओर किसी भी जनप्रतिनिधि का ध्यान नहीं गया है। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी जिला ओबीसी मोर्चा कार्यसमिति सदस्य अशोक साहू ने कहा कि मैदान एवं मंदिर परिसर में लगी स्ट्रीट लाइट अब केवल शोभा की वस्तु बनकर रह गई है। उन्होंने संबंधित विभाग एवं जनप्रतिनिधियों से मांग की कि खराब स्ट्रीट लाइट को हटाकर नए स्तर से लाइट की व्यवस्था की जाए, ताकि ग्रामीणों और खिलाड़ियों को इसका लाभ मिल सके। कार्यक्रम में ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष संजय साहू, मुखिया गणेश साहू, पंचायत समिति सदस्य मनोज साहू, भवानी साहू, दुर्गा पूजा समिति अध्यक्ष रोहित शाह, विकास साव, हीरालाल साव, कमल साहू, समाजसेवी पृथ्वीराज, संतोष साहू समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

सीबी साउथ कोल परियोजना के विरोध में जोरदाग ग्रामीणों का ऐलान

कहा–जो जमीन एनटीपीसी को दे दी, सो दे दी; अब एक इंच जमीन भी नहीं देंगे

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। एनटीपीसी के प्रस्तावित चट्टी बरियातु साउथ (सीबी साउथ) कोल परियोजना के विरोध में जोरदाग गांव के ग्रामीणों ने रविवार को पुरजोर विरोध जताते हुए जमीन नहीं देने का संकल्प लिया।ग्रामीणों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पूर्व में जिन लोगों की जमीन एनटीपीसी को चली गई, वह अलग बात है, लेकिन अब गांव की एक छटाक जमीन भी परियोजना के लिए नहीं दी जाएगी।ग्रामीणों ने कहा कि खेती-बाड़ी और गांव के अस्तित्व से जुड़ी जमीन को किसी भी कीमत पर छोड़ने को तैयार नहीं हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पहले से विस्थापन और जमीन अधिग्रहण का दंश झेल रहे लोगों की समस्याओं का समाधान किए बिना नए सिरे से जमीन लेने की प्रक्रिया उचित नहीं है।विरोध में प्रमुख सुनीता देवी, मुखिया महेश प्रसाद साव, जागेश्वर साव, प्रेम रंजन पासवान, खिरोधर साव, प्रेम साव, कालो राम, ज्ञान कुमार, अखिलेश पासवान, दशरथ साव, श्यामदेव साव, रामकुमार साव, संजय कुमार, सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए।ग्रामीणों ने एकजुट होकर कहा कि परियोजना के नाम पर उनकी जमीन और गांव के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आत्मनिर्भर दिल्ली सह ब्रजधाम महोत्सव में तरंग ग्रुप सम्मानित

दिल्ली में आयोजित इस महोत्सव में हजारीबाग की संस्था को मिला यह सम्मान जिले के लिए गौरव

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहकर अपनी अलग पहचान बनाने वाले तरंग ग्रुप, हजारीबाग को दिल्ली के द्वारका में आयोजित ḥआत्मनिर्भर दिल्ली सह ब्रजधाम महोत्सवḥ में सम्मानित किया गया। 6 से 11 सितंबर 2026 तक आयोजित इस छह दिवसीय महोत्सव का आयोजन बिरसा मुंडा जनकल्याण प्रचार अभियान के तहत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (टरटए) मंत्रालय,भारत सरकार के सहयोग से द्वारा किया गया था। महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आए लघु एवं सूक्ष्म उद्यमियों ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री के लिए लगभग 70 स्टॉल लगाए, वहीं प्रत्येक शाम सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर देश की विविध कला एवं सांस्कृतिक परंपराओं को मंच प्रदान किया गया। इस आयोजन में आत्मनिर्भरता, स्वरोजगार, स्थानीय उत्पादों के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ कला और संस्कृति को भी विशेष महत्व दिया गया। महोत्सव के दौरान कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में तरंग ग्रुप द्वारा किए जा रहे निरंतर कार्यों और सांस्कृतिक गतिविधियों को देखते हुए संस्था को सम्मान प्रदान किया गया। तरंग ग्रुप के निदेशक अमित कुमार गुप्ता ने आयोजन समिति की ओर से प्रदान किया गया सम्मान ग्रहण किया। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित इस महोत्सव में हजारीबाग की संस्था को मिला यह सम्मान जिले की सांस्कृतिक गतिविधियों और यहां के कलाकारों के लिए भी गौरव का विषय माना जा रहा है। तरंग ग्रुप लंबे समय से 'कला, संस्कृति और समाज के लिए समर्पित' भावना के साथ नृत्य, संगीत, रंगमंच, लोककला, सांस्कृतिक जागरूकता तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से सक्रिय है। संस्था का प्रयास कलाकारों एवं नई प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराने के साथ भारतीय कला और संस्कृति को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाना रहा है। इसी निरंतर सक्रियता का परिणाम है कि संस्था को राष्ट्रीय स्तर के मंच पर सम्मान प्राप्त हुआ। दिल्ली के द्वारका में आयोजित महोत्सव में दिन के समय विभिन्न राज्यों के उद्यमियों के उत्पादों की प्रदर्शनी एवं खरीद-बिक्री आकर्षण का केंद्र रही, जबकि शाम होते ही पूरा आयोजन सांस्कृतिक रंग में रंग जाता था।

झामुमो नेता ने आईएफएस अधिकारी के खिलाफ खोला मोर्चा

एक आईएएस अधिकारी वन सचिव पर लगाया संरक्षण देने का आरोप, स्वतंत्र जांच की मांग

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड मुक्ति मोर्चा, हजारीबाग के पूर्व जिलाध्यक्ष शंभूलाल यादव ने हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल के डीएफओ और भारतीय वन सेवा के अधिकारी मौन प्रकाश के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।उन्होंने वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखंड सरकार के अवर सचिव को 11 सितंबर को एक औपचारिक आपत्ति प्रत्यावेदन सौंपकर वन सचिव द्वारा आरोपी अधिकारी को प्रशासनिक संरक्षण देने का गंभीर आरोप लगाया है।

क्या है पूरा मामला

शंभूलाल यादव ने बताया कि उन्होंने 30 दिसंबर 2025 को मुख्यमंत्री सचिवालय के समक्ष हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल अधिकारी मौन प्रकाश के विरुद्ध पद के दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार से संबंधित परिवाद सौंपा था। इसके बाद विभाग द्वारा पत्रांक-702 दिनांक 20 फरवरी 2026 और पत्रांक-2057 27 मई 2026 के तहत उनसे एक शपथपत्र मांगा गया था, जिसे उन्होंने 29 जून 2026 को प्रस्तुत कर दिया था। शपथपत्र में शिकायतकर्ता ने कहा था कि वे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य और प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए तैयार हैं। 'Colourable Exercise of Power' और विभाग का विरोधाभासी रुख शिकायतकर्ता का आरोप है कि विभागीय पत्रांक-3109 दिनांक 04 अगस्त 2026 जारी कर साक्ष्यों की कमी का बहाना बनाकर मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने इसे 'Colourable Exercise of Power' करार दिया है। उनका कहना है कि साक्ष्य जुटाने, उनका परीक्षण करने और निष्कर्ष निकालने का अधिकार केवल स्वतंत्र जांच अधिकारी का होता है, लेकिन विभाग बिना जांच कमेटी गठित किए ही मामले को बंद करने की कोशिश कर रहा है।

प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के हनन का आरोप

पत्र में उच्चतम न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए कहा गया है कि बिना शिकायतकर्ता को साक्ष्य प्रस्तुत करने का उचित मंच दिए और बिना जांच कमेटी बनाए मामला बंद करना ऑडी अल्टरम पार्टम दूसरे पक्ष को भी सुनो यानी प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन है।

वित्तीय गबन और मजदूरों के शोषण के गंभीर आरोप

शंभूलाल यादव ने अपने दावे के समर्थन में 14 जुलाई और 9 सितंबर को पार्क निर्माण स्थल के भौतिक निरीक्षण और भ्रमण के जिओ-टैग डिजिटल छायाचित्र संलग्न किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्क निर्माण कार्य में व्यापक तकनीकी अनियमितताएं और निम्न स्तर की सामग्री का प्रयोग किया गया है। वहां कार्यरत श्रमिकों को निर्धारित न्यूनतम मजदूरी दर से वंचित रखकर उनका आर्थिक शोषण किया गया. वित्तीय वर्ष के समापन में योजना का कार्य पूर्ण किए बिना ही कोषागार से नियम विरुद्ध पूरी राशि की निकासी कर ली गई. अब शिकायतें दर्ज होने के बाद अनियमितता पर पर्दा डालने के लिए महज खानापूर्ति और दिखावे का काम कराया जा रहा है, जो सरकारी धन के गबन का स्पष्ट उदाहरण है।

एक नजर

पचड़ा के मंदिर से तीन घंट उड़ा ले गए चोर

हजारीबाग। जिले के केरेडारी के पगार ओपी अंतर्गत पचड़ा गांव स्थित प्रसिद्ध मां शांकेश्वरी धाम मंदिर में अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोर मंदिर परिसर में लगे तीन बड़े घंटों को चोरी कर फरार हो गए। सुबह मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं और ग्रामीणों को घंटों के गायब होने की जानकारी मिली, जिसके बाद इलाके में आक्रोश देखा गया। घटना की सूचना स्थानीय पगार ओपी पुलिस को दे दी गई है। धार्मिक स्थल से चोरी की घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच करते हुए चोरों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। साथ ही चोरी किए गए घंटों को बरामद करने की भी मांग की गई है। घटना के बाद मंदिर परिसर और आसपास के इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मांडू: बसंतपुर में पेड़ कटाई व खनन कार्य पर रोक लगाने की मांग

चरही। रामगढ़ जिले के मांडू अंचल के मौजा बसंतपुर के ग्रामीणों ने उपायुक्त रामगढ़ और वन प्रमंडल पदाधिकारी ,रामगढ़ को आवेदन देकर वनाधिकार अधिनियम, 2006 के तहत लंबित सामुदायिक वन अधिकार (सी एफ आर) एवं सामुदायिक वन संसाधन अधिकार (सी एफ आर आर) दावे का शीघ्र निष्पादन करने की मांग की है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वनाधिकार का अंतिम निर्णय लंबित रहने के बावजूद क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की जा रही है तथा उक्त भूमि को सीसीएल के खनन कार्य के लिए उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने पेड़ कटाई की जांच, तत्काल रोक लगाने और वनाधिकार दावे के अंतिम निर्णय तक किसी भी प्रकार के खनन कार्य पर रोक की मांग की है। ग्रामीणों ने झारखंड उच्च न्यायालय के डब्लू पी(सी) नम्बर 672/2025 में 20 अगस्त 2025 के अनुपालन की भी मांग की है।

नशामुक्ति अभियान में बेहतर कार्य के लिए बरही के पांच पुलिस पदाधिकारी सम्मानित

बरही। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग अमन कुमार के निर्देशन में बरही अनुमंडल क्षेत्र में चलाए गए नशा विरोधी जागरूकता अभियान के सफल आयोजन पर पांच पुलिस पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। अभियान के तहत स्कूल-कॉलेजों, सार्वजनिक स्थानों और अन्य प्रमुख स्थलों पर छात्र-छात्राओं, युवाओं एवं आमजनों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देकर इससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। जागरूकता अभियान के दौरान पुलिस पदाधिकारियों ने लोगों से सीधा संवाद स्थापित कर नशे के कारण होने वाले सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी नुकसान के प्रति सचेत किया। अभियान के प्रभावी संचालन और जनभागीदारी बढ़ाने को लेकर एसपी अमन कुमार ने संबंधित पदाधिकारियों के कार्यों की सराहना की। एसपी ने कहा कि नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाना केवल पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

चट्टी पेटो दुर्गा पूजा समिति का किया गया गठन

हजारीबाग। जिले के केरेडारी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पेटो पंचायत के चट्टी पेटो गांव में आगामी दुर्गा पूजा के सफल आयोजन व संचालन को लेकर रविवार को ग्रामीणों की बैठक में दुर्गा पूजा समिति का गठन किया गया। ग्रामीणों की बैठक में सर्वसम्मति से पूजा समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का चयन किया गया। गठित समिति में रविन्द्र गुप्ता को अध्यक्ष, बसंत कुमार साव को सचिव तथा शत्रुधन कुमार साव को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा गांव के कई गणमान्य एवं सक्रिय लोगों को कार्यकारिणी समिति का सदस्य बनाया गया है। बैठक में दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भव्य तरीके से संपन्न कराने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, विधि-व्यवस्था एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। वहीं ग्रामीणों ने पूजा आयोजन में बढ़-चढ़कर सहयोग करने की बात कही।समिति के गठन के बाद गांव में दुर्गा पूजा को लेकर उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि इस वर्ष भी चट्टी पेटो में दुर्गा पूजा श्रद्धा और भक्ति के साथ धूमधाम से मनाई जाएगी।

रत्नों के सागर के समान है पर्युषण महापर्व आत्मशुद्धि, संयम, त्याग और तप का दस दिवसीय महापर्व 16 सितंबर से

हजारीबाग। दिगंबर जैन समाज हजारीबाग द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 10 दिवसीय दशलक्षण धर्म महापर्व का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण आयोजन किया जा रहा है। यह पावन महापर्व 16 सितंबर से 25 सितंबर 2026 तक मनाया जाएगा। पर्युषण महापर्व जैन धर्म में आत्मशुद्धि और आत्मचिंतन का पर्व है। रत्नों के सागर के समान इस महापर्व के दस दिनों में श्रद्धालु संयम, त्याग, तप, पूजा-पाठ, स्वाध्याय एवं धर्म आराधना के माध्यम से अपने जीवन को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करेंगे। दिगंबर जैन समाज द्वारा 16 सितंबर से प्रतिदिन बाहर से पधारे महाराष्ट्र के विद्वान प्रशांत अन्नाडे भैया जी के सान्निध्य में दस धर्मों पर विशेष धार्मिक चर्चा एवं प्रवचन आयोजित व विधान किए जाएंगे। दस दिनों में क्रमशः उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य एवं उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला जाएगा। प्रति दिन संध्या बेला में प्रतिक्रमण, मंगल शास्त्र वाचन एवं महाआरती का आयोजन होगा। इसके साथ ही समाज के महिला, युवा एवं बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी जाएगी। दशलक्षण महापर्व के अवसर पर शहर के दोनों दिगंबर जैन मंदिरों को आकर्षक साज-सज्जा एवं रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है, जिससे पूरे वातावरण में भक्ति एवं आध्यात्मिकता की विशेष छटा दिखाई दे रही है। समाज के अध्यक्ष नागेंद्र विनायका, महामंत्री संजय अजमेरा ने समाज के सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में इस पावन महापर्व में शामिल होकर दसों धर्मों की आराधना, स्वाध्याय एवं आत्मचिंतन का लाभ लें। उत्तम क्षमा से प्रारंभ होकर दस दिनों तक चलने वाला यह महापर्व अंततः 27 सितंबर को क्षमावाणी पर्व के माध्यम से आपसी वैमनस्य को मिटाकर प्रेम, मैत्री और क्षमा का संदेश देगा।मीडिया हेड़ विजय जैन लुहाड़िया ने कहा की दशलक्षण पर्व केवल पर्व नहीं, स्वयं को जानने, स्वयं को सुधारने और आत्मा की शुद्धि की ओर बढ़ने का अवसर है।

विभावि के राजनीति विज्ञान विभाग में शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी संपन्न

अभिभावकों ने विभागीय व्यवस्था की खूब प्रशंसा की

शिक्षकों ने नियमित उपस्थिति के महत्व को बताया

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में 13 सितंबर को शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने इसकी अध्यक्षता की अभिभावकों की ओर से विद्यार्थी वर्षा के पिता लालमणि साव ने विभागीय व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए आग्रह किया कि विद्यार्थियों के कैरियर निर्माण की तैयारी में भी विभाग सहयोग करे। विद्यार्थी सन्नी प्रिया के अभिभावक नरेश कुमार गुप्ता ने शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी को अच्छी पहल बताते हुए इसके आयोजन की खूब प्रशंसा की। उन्होंने सुझाव दिया कि समय-समय पर विद्यार्थियों की करियर काउंसलिंग की व्यवस्था की जाए। विद्यार्थी प्रज्ञा आर्य की माता शोभा आर्य ने बताया कि विभाग के द्वारा विद्यार्थियों का प्रशंसनीय मार्गदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने आग्रह किया कि आगे भी इसी प्रकार विद्यार्थियों का ख्याल रखा जाए। विद्यार्थी रवि रंजन के अभिभावक सियाराम ठाकुर ने बताया कि वह कठिन पृष्ठभूमि में रहकर अपने बच्चे को पढ़वा रहे हैं। उन्होंने भी शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी के आयोजन की प्रशंसा की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि बच्चों के भविष्य निर्माण में विभाग महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विभाग अभिभावकों के मोबाइल नंबर रखे और आवश्यकता पड़ने पर बच्चों के विषय में सीधे अभिभावक से बात करे।विद्यार्थी रेखा कुमारी के पति नरेश कुमार यादव ने राजनीति विज्ञान विभाग के संचालन शैली की खूब प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि वह खुद चाहते हैं कि उनकी धर्मपत्नी हर हालत में अपनी पढ़ाई को पूरी करें। उनकी इस योजना में विभाग का पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। विभाग में सर्वाधिक उपस्थिति दर्ज करने वाले विद्यार्थी राहुल कुमार के पिता मनोज कुमार ने बताया कि बच्चों की खामियों को शिक्षक बताएं और दूर करें। यह भी कहा कि पढ़ाई पूर्ण होने पर बच्चों को यह भी बताएं कि उनके लिए कौन सा करियर विकल्प उपयुक्त है। प्राध्यापक डॉ अजय बहादुर सिंह ने अभिभावकों से अपील की कि वह वर्ग में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति को सुनिश्चित करें। शोधार्थी महेंद्र पंडित, विकास कुमार यादव तथा विभागीय सहयोगी मून कुमार ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।

विजैया पंचायत में पुलिस-जनता संवाद, महिला सुरक्षा और सामाजिक कुरीतियों पर जागरूकता

उज्जवल दुनियां संवाददाता

बरही। बरही प्रखंड के विजैया पंचायत अंतर्गत गुडियो चौक स्थित माउंट ऑलिवेट स्कूल परिसर में रविवार को पुलिस-जनता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिला उत्पीड़न, नशा उन्मूलन, डायन-बिसाही जैसी सामाजिक कुरीतियों तथा मोबाइल फोन के दुष्प्रभावों को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर ने की, जबकि संचालन सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व जिप प्रतिनिधि मो. कयूम ने किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस पदाधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए महिलाओं की सुरक्षा, नशे के बढ़ते प्रभाव, बच्चों और युवाओं पर मोबाइल के गलत इस्तेमाल से पड़ने वाले असर तथा डायन-बिसाही के नाम पर होने वाली हिंसा जैसी समस्याओं पर चर्चा की। ग्रामीणों से सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ एकजुट होकर कार्य करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी पुलिस को देने की अपील की गई। एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद एवं समन्वय से ही सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि शांति और सुरक्षा बनाए रखने में आम लोगों की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने ग्रामीणों से किसी भी अपराध, समस्या या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा महिला उत्पीड़न, नशाखोरी और डायन-बिसाही जैसी बुराइयों के खिलाफ सामूहिक रूप से आवाज उठाने की अपील की। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के मोबाइल इस्तेमाल पर निगरानी रखने और इसके सकारात्मक उपयोग के लिए प्रेरित करने को कहा। पुनि सह थाना प्रभारी विनोद कुमार ने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने तथा आसपास के लोगों को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने की अपील की। महिला थाना प्रभारी कुमारी राधा रागिनी ने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और किसी भी प्रकार के अत्याचार को चुपचाप सहन नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस हरसंभव सहयोग को तैयार है। पूर्व जिप प्रतिनिधि मो. कयूम, उपप्रमुख देवलाल कुशवाहा, पूर्व मुखिया दशरथ यादव, मुखिया प्रतिनिधि मो. मंसूर सहित अन्य लोगों ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच इस तरह का संवाद सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिला उत्पीड़न, नशाखोरी, डायन-बिसाही और मोबाइल के गलत इस्तेमाल जैसी समस्याओं से निपटने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जिम्मेदारी निभानी होगी। मौके पर पूर्व मुखिया प्रतिनिधि दशरथ यादव, टेकलाल यादव, पूर्व सरपंच बैजनाथ यादव, कांति देवी, राजेंद्र यादव, साजदा खातून, माउंट ऑलिवेट स्कूल के प्रधानाध्यापक विजय यादव, लिटिल स्टेप बोर्डिंग के प्रधानाध्यापक सुरेश यादव, रोहित यादव, सहदेव शर्मा, सुनील यादव, दिनेश यादव, नान्हू यादव, सुखदेव यादव सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे।

कंडसार-बरगड्डा दूर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बने बैजनाथ यादव

उज्जवल दुनिया संवाददाता

कटकमसांडी। कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र के कंडसार-बरगड्डा दूर्गा मंदिर परिसर में रविवार को वर्ष 2026 दूर्गा पूजा समिति के गठन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कृष्ण कुमार सिंह ने की। श्रद्धालुओं ने माता रानी के जयघोष के साथ बैठक की शुरूआत की। बैठक में सर्वसम्मति से बैजनाथ यादव को अध्यक्ष, कृष्ण कुमार सिंह उर्फ के.के. सिंह को सचिव तथा राकेश कुमार सिंह को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं अनिल पांडेय एवं बीरेंद्र कुमार सिंह को सह-कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। समिति में गणेश यादव, लीलाकांत सिंह, अमर कुमार मिश्र, संजय यादव, विजय कुमार मिश्रा एवं अनुज यादव को उपाध्यक्ष बनाया गया। शंकर दयाल सिंह, शिवकुमार यादव, संजय कुमार राम, दिनेश प्रजापति एवं दीपक कुमार चौरसिया को सहसचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा बीरेंद्र कुमार ओझा एवं संगम कुमार गहलोत को संगठन मंत्री तथा सुरेंद्र कुमार मिश्र, मुंशी यादव, रामदुलार राम, राजकुमार सिंह, विनय कुमार मेहता एवं धनेश्वर राम को सह-संगठन मंत्री बनाया गया। समिति में महेश कुमार सिंह सहित कुछ लोगों को मुख्य संरक्षक की जिम्मेदारी दी गई, जबकि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को सक्रिय सदस्य बनाया गया। पूजा-अर्चना के लिए पुरोहित आचार्य आदित्य पांडेय तथा सह-पुरोहित के रूप में रमेश कुमार पांडेय एवं ललित पांडेय को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं लाइट एंड साउंड की व्यवस्था के लिए राजू लाइट एंड साउंड तथा टेंट एवं पंडाल के लिए प्रो. रोहित कुमार मेहता को अधिकृत किया गया। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष दुर्गा पूजा का आयोजन 11 अक्टूबर से शुरू होकर 20 अक्टूबर को विजयादशमी के साथ समाप्त हो जाएगा। पूजा को लेकर समिति द्वारा तैयारियां शुरू करने पर चर्चा की गई। समिति की अगली बैठक 20 सितंबर 2026, रविवार को सुबह आठ बजे दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

करमा परब को लेकर कुड़मि समाज ने भरी हुंकार

चमगढ़ा की बैठक में एकजुटता के साथ भागीदारी की बनी रणनीति

उज्जवल दुनियां संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के चमगढ़ा स्थित सामुदायिक भवन में रविवार को कुड़मि समाज की महत्वपूर्ण जातीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज की एकजुटता, सामाजिक सरोकार, पारंपरिक संस्कृति एवं रीति-रिवाजों के संरक्षण सहित आगामी 20 सितंबर को पुरुलिया में आयोजित करमा परब महाजुटान में समाज की व्यापक भागीदारी को लेकर विस्तार से चर्चा-परिचर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता देवकी महतो ने की, जबकि संचालन सुखलाल महतो ने किया। बैठक में समाज के विभिन्न लोगों ने सामाजिक विषयों पर अपने विचार रखते हुए कहा कि किसी भी समाज की मजबूती उसकी एकजुटता और आपसी सहयोग पर निर्भर करती है। ऐसे में समाज के सभी लोगों को आपसी मतभेदों को दूर रखते हुए एकजुट होकर सामाजिक एवं सांस्कृतिक हितों के लिए आगे आने की जरूरत है।वक्ताओं ने कहा कि कुड़मि समाज की समृद्ध पारंपरिक संस्कृति, लोक परंपराएं, रीति-रिवाज और पर्व-त्योहार समाज की पहचान हैं। इन्हें संरक्षित रखना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने पर जोर दिया गया, ताकि आने वाली पीढ़ियों तक समाज की विरासत सुरक्षित रूप से पहुंच सके। बैठक में मुख्य रूप से 20 सितंबर को पुरुलिया में होने वाले करमा परब महाजुटान को सफल बनाने पर विशेष चर्चा हुई। महाजुटान में बड़कागांव क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में कुड़मि समाज के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर आवश्यक रणनीति तैयार की गई। समाज के लोगों से संपर्क कर उन्हें महाजुटान की जानकारी देने तथा सामूहिक रूप से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील करने पर भी विचार किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि सामाजिक एकता को मजबूत करने के लिए इस तरह के सामूहिक कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। करमा परब केवल एक पर्व नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक परंपरा और सामूहिक पहचान से जुड़ा महत्वपूर्ण अवसर है। इसलिए महाजुटान में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी समाज के सभी सदस्यों की है। इसके अलावा बैठक में भविष्य में समाजहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर नियमित रूप से बैठक आयोजित करने, सामूहिक विचार-विमर्श के बाद निर्णय लेने तथा आपसी भाईचारे और सहयोग की भावना को और मजबूत करने पर भी सहमति बनी।

मुंबई में जुटे चौपारण के लोगों से मांगा समर्थन, विश्वकर्मा पूजा में शामिल होने का मिला न्योता

चौपारण के प्रवासियों ने मुंबई में किया राहुल रंजन समेत नेताओं का स्वागत, पंचायत चुनाव में सहयोग का दिया भरोसा

उज्जवल दुनिया संवाददाता

चौपारण। आगामी पंचायत चुनाव को लेकर जिला परिषद भाग-दो के उम्मीदवार राहुल रंजन ने मुंबई में रह रहे चौपारण क्षेत्र के लोगों से मुलाकात कर समर्थन मांगा। उनके साथ बहेरा पंचायत के मुखिया उम्मीदवार लालबहादुर साहू उर्फ लल्लू बाबू, बरही विधानसभा के सांसद प्रतिनिधि सह झापा पंचायत के मुखिया उम्मीदवार मुकुंद साव और राजकुमार सिंह भी मौजूद रहे। मुंबई में चौपारण के प्रवासियों ने सभी का जोरदार स्वागत किया और पंचायत चुनाव में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान चौपारण क्षेत्र के लोगों ने आगामी विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर सभी को मुंबई आने का आमंत्रण भी दिया। प्रवासियों ने कहा कि रोजी-रोजगार के सिलसिले में भले ही वे मुंबई में रह रहे हैं, लेकिन अपने गांव और क्षेत्र से उनका जुड़ाव आज भी कायम है। पंचायत चुनाव में वे अपने क्षेत्र के विकास और बेहतर नेतृत्व को प्राथमिकता देंगे। राहुल रंजन ने कहा कि मुंबई में रह रहे अपने क्षेत्र के लोगों से मिलकर काफी अच्छा लगा। लोगों ने जिस आत्मीयता के साथ स्वागत किया, वह उत्साह बढ़ाने वाला है। सभी ने पंचायत चुनाव में भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय मुंबई में रह रहे चौपारण के लोग अपने गांव पहुंचकर मतदान करने के साथ अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। लालबहादुर साहू उर्फ लल्लू बाबू ने कहा कि प्रवासी मजदूर और व्यवसायी हमारे क्षेत्र की ताकत हैं। वे रोजगार के लिए दूर जरूर हैं, लेकिन अपने गांव की समस्याओं और विकास को लेकर हमेशा चिंतित रहते हैं। मुंबई में मिले लोगों का स्नेह और समर्थन यह बताता है कि पंचायत के विकास को लेकर लोगों में नई उम्मीद है। उनका प्रयास रहेगा कि बहेरा पंचायत को बेहतर और विकसित पंचायत बनाया जाए। मुकुंद साव ने कहा कि मुंबई में चौपारण के लोगों से मिलकर अपनापन महसूस हुआ। प्रवासियों ने क्षेत्र की समस्याओं और पंचायत के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें साझा कीं। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में जनता का भरोसा ही सबसे बड़ी ताकत है। क्षेत्र के लोगों के सहयोग से पंचायत में विकास की नई दिशा तय करने का प्रयास किया जाएगा।

कटकमदाग में नमो फुटबॉल टूनार्मेंट का फाइनल, नवादा बनी पुरुष वर्ग की विजेता

उज्जवल दुनियां संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सदर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कटकमदाग प्रखंड क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव-2026 के तहत आयोजित नमो फुटबॉल टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला रविवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में खेला गया। टूनार्मेंट का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखते हुए उन्हें खेल और शारीरिक गतिविधियों से जोड़ना है। आयोजन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर भी मिला। पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले में नवादा की टीम ने फतहा की टीम को 2-0 से पराजित कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले में जमुआरी की टीम विजेता बनी। दोनों वर्गों के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए खेल भावना का परिचय दिया। फाइनल मुकाबले का शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने किया। वहीं समापन समारोह में प्रसिद्ध समाजसेवी श्रद्धानंद सिंह एवं भाजपा के कार्यकताओं ने विजेता टीमों और खिलाड़ियों के बीच पुरस्कार वितरण किया। फाइनल मुकाबला समाप्त होने के बाद मैदान में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। खिलाड़ियों के साथ बड़ी संख्या में आसपास के ग्रामीण भी जीत की खुशी में शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों और नाच-गाने के साथ ग्रामीणों ने खिलाड़ियों के साथ खुशी मनाई। विजेता टीमों के हाथों में ट्रॉफी और ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी पूरे आयोजन को यादगार बना रही थी। आयोजन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने में खेल की महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि युवा खेल के मैदान से जुड़े रहेंगे तो वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के साथ अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकेंगे। ग्रामीण स्तर से खेल की शुरूआत करने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ी आगे चलकर अपने माता-पिता, क्षेत्र और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष श्रीमती रेणुका साहू, जिला सांसद प्रतिनिधि अजय साहू, सांसद सह-प्रतिनिधि इंद्रनारायण कुशवाहा, जिला परिषद सदस्य जीतन राम, सदर विधानसभा सांसद प्रतिनिधि किशोरी राणा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य के.पी. ओझा, मंडल अध्यक्ष विमल गुप्ता, जिला महामंत्री जय नारायण कुशवाहा, कटकमदाग सांसद प्रतिनिधि मिथिलेश यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष अरुण राणा, नमो फुटबॉल अध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता, नमो फुटबॉल सांसद प्रतिनिधि बंटी तिवारी, नमो फुटबॉल सचिव दीपक पंडित, उपाध्यक्ष धीरज राणा, कोषाध्यक्ष जगन्नाथ प्रजापति, मुखिया राजेश गुप्ता, पूर्व प्रमुख अशोक यादव सहित कविंदर यादव, सुनील यादव, कल्लू राम, धीरज कुमार, रंजीत कुमार, धनेश्वर गुप्ता, सिद्धार्थ कुमार, संदीप कुमार, पीयूष राणा, धनेश्वर कुमार, प्रमोद गुप्ता, निर्मल प्रजापति, सुरेश गोप, भुवनेश्वर प्रसाद, महेश प्रसाद, मनीष कुमार और अमन गुप्ता समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

एक नजर

छठ तालाब दुर्गा पूजा समिति की बैठक में तैयारियों को लेकर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

हजारीबाग। शहर की प्रतिष्ठित एवं ऐतिहासिक छठ तालाब दुर्गा पूजा समिति, जिसकी स्थापना वर्ष 1952 में हुई थी, की आगामी दुर्गा पूजा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूजा को भव्य, व्यवस्थित एवं आकर्षक रूप देने के लिए विभिन्न तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर सर्वसम्मति से सहमति बनी। बैठक की अध्यक्षता समिति के वर्तमान अध्यक्ष मिथिलेश सिन्हा ह्यमन्ेह्ल ने की। समिति के सचिव बिक्रम प्रसाद एवं कोषाध्यक्ष शिवम शुभम सहित समिति के सदस्यों एवं पूजा से जुड़े कार्यकताओं की उपस्थिति में पूजा की तैयारियों, विधि-व्यवस्था, सजावट, प्रसाद वितरण तथा सांस्कृतिक वातावरण को लेकर कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष पानी टंकी से पेट्रोल पंप तक आकर्षक लाइट डेकोरेशन कराया जाएगा, जिससे पूजा के दौरान मुख्य मार्ग को भव्य एवं रोशनी से जगमग किया जा सके। इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों के मनोरंजन के लिए लॉटरी का आयोजन भी किया जाएगा। पूजा संपन्न होने के उपरांत मंच पर समिति के सहयोगी सदस्यों एवं पूजा आयोजन में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले जुझारू कार्यकताओं को सम्मानित भी किया जाएगा। समिति का मानना है कि पूजा की सफलता के पीछे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देने वाले सभी लोगों का सम्मान करना आवश्यक है। श्री तिलक रॉय द्वारा कलकत्ता से पारंपरिक ढाकी दल की व्यवस्था करने का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर सहमति बनी।

मानसून और सर्दियों में बढ़ जाती हैं दांतों की समस्याएं, `से में रखें अपनी मुस्कानों का खास ख्याल

उज्जवल दुनिया संवाददाता हजारीबाग मौसम में बदलाव का असर केवल शरीर पर ही नहीं, बल्कि दांतों और मसूड़ों के स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। थोड़ी-सी सावधानी और नियमित देखभाल से कई दंत समस्याओं से बचा जा सकता है। डॉ.अमीर अंसारी, BDS (HCSDH) Oral & Dental Surgeon, AROGYA DENTAL CLINIC बताते हैं,बारिश और सर्दी का मौसम अपने साथ कई तरह के बदलाव लेकर आता है। तापमान में उतार-चढ़ाव, खान-पान में बदलाव, पानी का सेवन कम होना और दैनिक दिनचर्या में परिवर्तन का प्रभाव हमारे मौखिक स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। कई लोगों को इन मौसमों में दांतों में झनझनाहट, मसूड़ों में सूजन, मुंह से दुर्गंध और दांतों में दर्द जैसी समस्याएं अधिक महसूस होती हैं। दांतों में संवेदनशीलता बढ़ सकती है। सर्दियों में ठंडी हवा या ठंडे खाद्य पदार्थों के संपर्क में आने पर दांतों में अचानक तेज झनझनाहट या दर्द महसूस होना आम शिकायत है। हालांकि कभी-कभार संवेदनशीलता सामान्य हो सकती है,लेकिन यदि यह समस्या लगातार बनी रहती है तो इसके पीछे दांतों की घिसावट,मसूड़ों का पीछे हटना,कैविटी या अन्य दंत समस्या हो सकती है। इसलिए लगातार संवेदनशीलता को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मसूड़ों की सूजन और खून आना ब्रश करते समय मसूड़ों से खून आना सामान्य नहीं माना जाना चाहिए। मसूड़ों में लालिमा,सूजन,दर्द,खून आना या मुंह से लगातार दुर्गंध आना मसूड़ों की बीमारी के संकेत हो सकते हैं। दांतों पर जमा प्लाक और टार्टर समय के साथ मसूड़ों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। नियमित ब्रशिंग और दांतों के बीच की सफाई के साथ समय-समय पर डेंटल चेकअप जरूरी है।

सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने में जुटी भाजपा, कटकमसांडी पश्चिमी मंडल ने बनाई 14 कार्यक्रमों की रूपरेखा

कटकमसांडी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा कटकमसांडी पश्चिमी मंडल की बैठक रविवार को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष कैलाश यादव ने की, जबकि मंच संचालन मंडल महामंत्री अरविंद कुमार यादव ने किया। बैठक में सेवा संकल्प अभियान के तहत आगामी 14 कार्यक्रमों को सफल बनाने की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन की उपलब्धियों से लोगों को अवगत कराने पर जोर दिया गया। मंडल अध्यक्ष ने कार्यकताओं से अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और सभी निर्धारित कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बैठक में संगठन को और मजबूत करने तथा अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

युवाओं से लेकर जनप्रतिनिधि और अधिकारियों तक चढ़ा 80 के दशक का खुमार

एग्यारकुंड। सोशल मीडिया की दुनिया में इन दिनों 1980 के दशक का विंटेज अंदाज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। इंटरनेट प्लेटफॉर्म पर चल रहे ह्य80 लुक चैलेंजह्ल ने युवाओं से लेकर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों तक को अपने रंग में रंग दिया है।लोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) की मदद से अपनी तस्वीरों को 80 के दशक के फैशन, हेयरस्टाइल और सिनेमाई अंदाज में बदलकर सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इन दिनों रेट्रो लुक वाली तस्वीरों और रील्स की भरमार देखने को मिल रही है। कोई पुराने दौर की फिल्मी स्टाइल में नजर आ रहा है तो कोई 80 के दशक के परिधान, चश्मे, हेयरस्टाइल और पारंपरिक बैकग्राउंड के साथ अपनी तस्वीर साझा कर रहा है। खास बात यह है कि यह ट्रेंड केवल युवाओं तक सीमित नहीं है। जनप्रतिनिधि, अधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग भी अकके जरिए अपने वर्तमान चेहरे को 80 के दशक के विंटेज अवतार में देखकर और उसे सोशल मीडिया पर साझा कर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। तस्वीरों पर उनके समर्थकों, मित्रों और फॉलोअर्स की ओर से मजेदार एवं उत्साहजनक प्रतिक्रियाएं भी मिल रही हैं।

AI ने बदल दिया तस्वीरों का अंदाज: अक तकनीक ने इस ट्रेंड को और अधिक आकर्षक बना दिया है।कुछ ही क्षणों में सामान्य तस्वीर को पुराने कैमरे के रंग-रूप, उस दौर के कपड़ों, हेयरस्टाइल और सिनेमाई पृष्ठभूमि के साथ तैयार किया जा रहा है। यही वजह है कि लोगों को अपनी तस्वीरों में बीते दौर की झलक देखने का मौका मिल रहा है।सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि 80 के दशक का यह अंदाज उन्हें पुराने समय की यादों से जोड़ रहा है।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने रैली निकाल ग्रामीणों को एड्स से बचाव के प्रति किया जागरूक

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

कोडरमा। ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई-1 के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन इन्दरवांटांड़ गांव में विभिन्न जागरूकता एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को एड्स के कारण, बचाव और सावधानियों की जानकारी दी। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद स्वयंसेवकों ने एनएसएस का लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया और जुंबा एक्सरसाइज में भाग लिया। बाद में गांव में एड्स जागरूकता रैली निकाली गई। स्वयंसेवक अनिल कुमार ने ग्रामीणों को एड्स से संबंधित आवश्यक जानकारी देते हुए इससे बचाव के उपाय बताए। शिविर के दौरान गांव के बच्चों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इसके बाद महात्मा गांधी समूह के स्वयंसेवकों द्वारा तैयार भोजन का सभी स्वयंसेवकों ने सामूहिक रूप से आनंद लिया। द्वितीय सत्र में स्वयंसेवकों ने बच्चों के साथ पेंटिंग एवं कला-शिल्प से जुड़ी गतिविधियां कराईं। बच्चों को रचनात्मक कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मोहित कुमार तिवारी, डीएलएड विभागाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह सहित सभी स्वयंसेवक मौजूद रहे। शिविर की सामाजिक एवं अन्य गतिविधियां जिला नोडल सह कार्यक्रम पदाधिकारी सौरभ शर्मा की देखरेख में संचालित हुईं।

सेल में कर्मचारियों के मुद्दों की फाइलें अटकीं, पांच से अधिक मामले कोर्ट में और 45 मुद्दे प्रबंधन के पास लंबित

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बीएकेएस ने मानव संसाधन विभाग की कार्यशैली पर उठाए सवाल, पीएम से लेकर सेल चेयरमैन तक को भेजा शिकायत पत्र

बोकारो। वेतन, भत्ते, पदनाम, ऋण, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कर्मचारियों के सवाल वर्षों से फाइलों में दबे हैं और न्याय की उम्मीद में कई मामले अदालत की चौखट तक पहुंच चुके हैं। बोकारो इस्पात संयंत्र के अनाधिशासी कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों को लेकर बीएकेएस ने सेल प्रबंधन पर गंभीर सवाल उठाते हुए दावा किया है कि पांच से अधिक बड़े मुद्दे न्यायालय में हैं, जबकि 45 से अधिक मामले अब भी सेल प्रबंधन के स्तर पर लंबित पड़े हैं। यूनियन ने इसे सेल के मानव संसाधन विभाग की कार्यशैली का नतीजा बताते हुए देश के शीर्ष नीति-निर्धारकों का ध्यान इस ओर खींचा है। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने सेल कर्मियों से जुड़े लंबित कॉरपोरेट स्तर के मुद्दों के निराकरण की मांग को लेकर प्रधानमंत्री, केंद्रीय इस्पात मंत्री, इस्पात राज्य मंत्री, इस्पात सचिव, डीपीई सचिव, श्रम सचिव, मुख्य श्रमायुक्त (केंद्रीय), सेल चेयरमैन और निदेशक (कार्मिक) को एक साथ पत्र भेजा है। यूनियन का आरोप है कि सेल प्रबंधन की नीतियों के कारण कर्मचारियों के कई मुद्दे वर्षों से लंबित हैं। समाधान नहीं मिलने पर 2017 वेतन पुनरीक्षण में कथित अनियमितता, बोनस फॉमूर्ला, एनजेसीएस में सुधार और बोकारो इस्पात संयंत्र में यूनियन चुनाव जैसे मुद्दों को न्यायालय में ले जाना पड़ा है। बीएकेएस ने लंबित मुद्दों की 45 बिंदुओं वाली सूची भी जारी की है। इसमें नए श्रम कानूनों का सेल में क्रियान्वयन एवं वातार्कारी संघ/परिषद का गठन, 2007 इंसेंटिव-रिवार्ड फॉमूर्ले में संशोधन, स्टैगनेशन इंक्रीमेंट, आवास ऋण, वाहन ऋण, लैपटॉप-कंप्यूटर व फर्नीचर एडवांस, बच्चों की छात्रवृत्ति, शिक्षा भत्ता, लीव बैंक, पदनाम, सुपरवाइजरी कैडर, शिफ्ट रोटेटिंग अलाउंस, आवास अनुरक्षण भत्ता, दुर्घटना बीमा, ई-जीरो जेओ परीक्षा नीति, पेंशन, पीएफ ट्रस्ट, मेडिकल कार्ड और सेवानिवृत्ति लाभ समेत कई मांगें शामिल हैं।महासचिव हरिओम कुमार ने कहा कि सेल को ह्यग्रेट प्लेस टू वर्कह्न और ह्यग्रेट एम्पलायरह्न का प्रमाणपत्र देने वाली एजेंसी के क्रियाकलापों की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व सेल प्रबंधन को निर्देश देकर लंबित मुद्दों का शीघ्र समाधान कराए।

SIR-2026 की समीक्षा में डीसी का निर्देश, कोई योग्य मतदाता न छूटे

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

मरकच्चो। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 के सफल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी क्रियान्वयन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में रविवार को मरकच्चो प्रखंड कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह एसडीओ निर्मल सोरेन, उप निर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी सहित संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में रक्ऋके तहत अब तक हुए कार्यों और आगामी गतिविधियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 5 अगस्त को हो चुका है। दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया 5 अगस्त से 15 सितंबर तक चलेगी, जबकि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 19 अक्टूबर 2026 को निर्धारित है। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान कोई भी योग्य मतदाता मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित नहीं रहे और किसी अयोग्य व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न हो। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर पूरी प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा में पारदर्शी तरीके से पूरी करने को कहा। उन्होंने प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का नियमानुसार सत्यापन कर समयबद्ध निष्पादन, त्रुटियों में सुधार तथा नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

दादा-दादी के संस्कारों संग हिंदी के सम्मान का संदेश, डीएवी गुमो में विविध कार्यक्रम

कोडरमा। डीएवी पब्लिक स्कूल, गुमो में दादा-दादी दिवस एवं हिंदी दिवस उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे बच्चों ने विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बुजुर्गों के प्रति प्रेम, सम्मान और सेवा की भावना के साथ हिंदी भाषा के प्रति गौरव को भी अभिव्यक्त किया। दादा-दादी दिवस के तहत नर्सरी से कक्षा द्वितीय तक के बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। नर्सरी से यूकेजी के बच्चों ने दादा-दादी के लिए आकर्षक क्राफ्ट और चित्र बनाए। बाल वाटिका के बच्चों ने रोल प्ले के माध्यम से बुजुर्गों के प्रति प्रेम, सम्मान और आज्ञापालन का संदेश दिया। कक्षा प्रथम के बच्चों ने डांस-ड्रामा के जरिए दादा-दादी से मिलने वाले संस्कार एवं जीवन-मूल्यों को प्रस्तुत किया। वहीं कक्षा द्वितीय के बच्चों की नृत्य प्रस्तुति ने खूब तालियां बटोरीं। हिंदी दिवस के अवसर पर भी विभिन्न कक्षाओं में ज्ञानवर्धक गतिविधियां हुईं। एलकेजी एवं यूकेजी के बच्चों ने स्वर खेल में हिस्सा लिया। कक्षा प्रथम के बच्चों ने व्यंजन वृक्ष, हिंदी स्लोगन और रोल प्ले प्रस्तुत किए। कक्षा द्वितीय के बच्चों ने ह्यहिंदी भाषा का महत्वह्न विषय पर स्लोगन लिखकर उनका वाचन किया। कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के बच्चों ने ह्यहिंदी हमारा मान एवं सम्मानह्न विषय पर पोस्टर बनाए। शिक्षिका प्रभारी श्वेता सिंह ने कहा कि दादा-दादी परिवार की अमूल्य धरोहर हैं और उनके अनुभव व संस्कार नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने बच्चों में बुजुर्गों के प्रति सम्मान के साथ हिंदी के प्रति प्रेम विकसित करने पर जोर दिया।

सेवादल को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प, राजू सिंह का हुआ स्वागत

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

कोडरमा। गीतांजलि बैंक्विट हॉल में रविवार को नवनियुक्त सेवादल कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजू सिंह के नेतृत्व में स्वागत समारोह सह कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजू सिंह ने की, जबकि संचालन फहीम खान ने किया। मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने कहा कि सेवादल कांग्रेस संगठन की रीढ़ है। उन्होंने कार्यकताओं से अनुशासन, सेवा और संघर्ष की भावना के साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सेवादल के माध्यम से कांग्रेस की विचारधारा, नीतियों और कार्यक्रमों को आम लोगों तक पहुंचाया जाएगा। महिला सेवादल की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अनीशा तिर्की एवं अनुपम कुजूर ने कहा कि सेवादल कार्यकताओं को जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझना और समाधान के लिए संघर्ष करना चाहिए। उन्होंने राजू सिंह को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में प्रदेश प्रवक्ता भागीरथ पासवान, जिला अध्यक्ष प्रकाश रजक, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष लीलावती मेहता, पूर्व जिला उपाध्यक्ष राम लखन पासवान, पूर्व जिला महासचिव राजनीतिक पासवान, उमेश साहू, विजय सिंह, सरोज मेहता समेत कई कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में जिलाध्यक्ष राजू सिंह ने सभी अतिथियों एवं कार्यकताओं का आभार जताते हुए कहा कि वह संगठन को जिले में बूथ स्तर तक मजबूत और सक्रिय बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

वन विभाग की कार्रवाई में 2 टन ढिबरा लदा कमांडर जीप जब्त, चालक फरार

कोडरमा। वन विभाग की टीम ने रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए इंदरवा के ढेबुआडीह रेलवे पुल के समीप से ढिबरा लदे एक कमांडर जीप वाहन को जब्त किया। कार्रवाई के दौरान वाहन चालक मौके से फरार होने में सफल रहा। बताया गया कि रेंजर को मिली सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने वाहन की जांच की। वाहन जंगल क्षेत्र से ढिबरा लोड कर तिलैया की ओर जा रहा था। ढेबुआडीह रेलवे पुल के पास जांच के दौरान वाहन में करीब दो टन ढिबरा पाया गया। इसके बाद वाहन को जब्त कर वन परिसर लाया गया। वन विभाग के अनुसार जब्त ढिबरा की अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपये है। मामले में वाहन समेत संबंधित लोगों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। फरार चालक की पहचान और उसकी गिरफ्तारी के लिए विभाग द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दौरान वनपाल पूनम राम, सुजीत कुमार सोनी, अनिल कुमार यादव समेत अन्य वनकर्मी मौजूद थे।

असनाबाद में दुकान के अंदर युवक पर चाकू से हमला, आरोपी हिरासत में

कोडरमा। तिलैया थाना क्षेत्र के असनाबाद में रविवार दोपहर एक युवक पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में असनाबाद निवासी इम्तियाज अहमद उर्फ गुड्डू गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक युवक अचानक इम्तियाज की दुकान से बाहर निकलकर भागने लगा। कुछ ही क्षण बाद इम्तियाज भी लहूलुहान हालत में दुकान से बाहर निकले और उक्त युवक का पीछा करने लगे। दुकान से कुछ दूर सड़क पर पहुंचते ही वह गिर पड़े। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल को संभाला और निजी वाहन से सदर अस्पताल भेजा। अस्पताल ले जाते समय इम्तियाज ने कथित तौर पर गौरव कुमार नामक युवक पर चाकू से हमला करने का आरोप लगाया। सूचना मिलने पर तिलैया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल के साथ दुकान के आसपास छानबीन की। पुलिस को दुकान के पास प्लास्टिक में नए मोबाइल फोन का डिब्बा और उससे संबंधित रसीद मिली। रसीद पर असनाबाद निवासी गौरव कुमार सिंह का नाम अंकित बताया गया है। वहीं दुकान के काउंटर से गौरव कुमार सिंह के नाम का आधार कार्ड और पैन कार्ड की छायाप्रति भी मिलने की बात सामने आई है। पुलिस ने मामले में आरोपी युवक को हिरासत में लिया है। फिलहाल पुलिस घटना के कारणों और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।नोटः खबर में ह्लआरोपीह्व के बजाय ह्लआरोपितह्व या ह्लहिरासत में लिए गए युवकह्व लिखना ज्यादा सुरक्षित रहेगा, जब तक पुलिस की ओर से आरोप की आधिकारिक पुष्टि न हो।

करमा में उज्ज्वला फाउंडेशन की बैठक, एसआईआर की त्रुटियां दूर कराने को लेकर सदस्यों को किया जागरूक

कुजू (रामगढ़)। उज्ज्वला फाउंडेशन के अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति के निर्देशानुसार रविवार को करमा उत्तरी पंचायत के बरेमसिया स्थित दुर्गा मंडप में फाउंडेशन की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता फाउंडेशन की सचिव आशा कुमारी ने की। बैठक में फाउंडेशन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के साथ–साथ एसआईआर से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर सदस्यों के साथ विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सदस्यों को जानकारी दी गई कि पंचायत क्षेत्र की जिन माताओं, बहनों एवं भाइयों के नाम एसआईआर की त्रुटि सूची में आए हैं, वे अपने नजदीकी पंचायत भवन में जाकर बी–20 दीदी से संपर्क कर आवश्यक सुधार करा लें। सदस्यों को बताया गया कि समय रहते नाम अथवा अन्य त्रुटियों का सुधार करा लेने से भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। बैठक में एसआईआर से जुड़ी जानकारी को सभी सदस्यों ने ध्यानपूर्वक सुना और अपने स्तर से लोगों को भी जागरूक करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा बैठक में फाउंडेशन की बचत गतिविधि के तहत सभी सदस्यों ने अपनी अपनी बचत राशि जमा की। सदस्यों के बीच नियमित बचत की आवश्यकता और संगठन के माध्यम से सामूहिक रूप से आगे बढ़ने को लेकर भी चर्चा हुई। वहीं तीज पूजा के अवसर पर फाउंडेशन की ओर से सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। बैठक में रीता, पार्वती, सानिता, सोमिया, फुलमनी, चमनी, फूलो, उषा, मनीषा, अनिता, कुन्ती, गीता, सुमा, मंजु, चंपा, सुनिता, काजल, ताजी, आरती, कुन्ती, निलेश्वरी, हगन्ती, बबिता, कविता, रंजु, प्रमिला, कौशल्या, सुमित्रा, पुष्पा, रेणु, विलाभो, सोनिया, सीता एवं तिनकी सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहीं।

करमा पर्व पर लोकगायक दीपक सिंह का नया गीत रिलीज, श्रोताओं का मिल रहा भरपूर प्यार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

कोडरमा। करमा पर्व के अवसर पर कोडरमा के लोकगायक दीपक सिंह का नया करमा गीत रिलीज हुआ है। ह्यदीपक सिंह म्यूजिकह्न यूट्यूब चैनल पर जारी किए गए इस गीत को श्रोताओं का अच्छा प्यार और समर्थन मिल रहा है। गीत में संगीत बरही स्थित दिलीप रोमियो स्टूडियो की ओर से दिया गया है। लोकगायक दीपक सिंह ने बताया कि करमा पर्व के बाद नवरात्रि पर देवी गीत और छठ पूजा के अवसर पर छठ गीत सहित कई नए लोकगीत रिलीज करने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि गीतों में अश्लीलता से पूरी तरह दूरी रखते हुए ऐसे लोकगीत प्रस्तुत करने का प्रयास रहेगा, जिन्हें परिवार के साथ बैठकर सुना जा सके। निर्देशक माही सोनू ने कहा कि आने वाले दिनों में कई नए और बेहतर लोकगीत दर्शकों के बीच लाए जाएंगे। वहीं रोमियो स्टूडियो के डायरेक्टर दिलीप रोमियो ने बताया कि गीत की शूटिंग आकर्षक लोकेशन पर की गई है और वीडियो दर्शकों को पसंद आने की उम्मीद है। वीडियो में दीपक सिंह और खुशी मुख्य भूमिका में हैं। कैमरा मुकेश कुमार, जबकि कोरियोग्राफी दीपक कुमार ने की है। अन्य सहयोगियों में विशाल, गौतम और सौरव शामिल हैं। अगर चाहें तो इसे मैं उज्जवल दुनिया अखबार की और ज्यादा दमदार स्थानीय रिपोर्टिंग शैली में भी बना सकता हूं।

एक नजर

निरसा चापापुर में सीआईएसएफ और ग्रामीणों के बीच झड़प, महिला से मारपीट के आरोप पर भड़के ग्रामीण

निरसा बाजार। निरसा क्षेत्र में कोयला चोरी रोकने के अभियान के दौरान सीआईएसएफ, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की सुरक्षा टीम और स्थानीय ग्रामीणों के बीच झड़प का मामला सामने आया है। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि आज अहले सुबह निरसा ईसीएल के चापापुर ओसीपी के पास सड़क पर जा रही एक बुडी महिला को कथित तौर पर कोयला चोर कहकर सीआईएसएफ जवानों द्वारा मारपीट की गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और इसका विरोध किया। आक्रोशित ग्रामीणों ने कथित तौर पर सुरक्षा बलों के वाहनों में तोड़फोड़ की तथा सीआईएसएफ कर्मियों को कुछ देर के लिए घेर कर रख लिया। घटना के बाद मौके पर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। ग्रामीणों की भीड़ काफी देर तक मौके पर जुटी रही ग्रामीणों का आरोप है कि घायल महिला को उचित इलाज और मुआवजा मिलना चाहिए। ग्रामीणों ने कहा कि उनका गांव प्रोजेक्ट के पास स्थित है और सड़क से आने-जाने के दौरान ग्रामीणों के साथ इस तरह की कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, घटना की सूचना मिलने के बाद निरसा पुलिस मौके पर पहुंची और गांव के मुखिया एवं बुद्धिजीवों की मदद से स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। पूरे मामले में दोनों पक्षों के आरोपों की जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल दोनों पक्ष थाना में जमे हुए हैं प्रशासन बुद्धिजीवियों समाज सेवा एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में समस्या का समाधान निकालने का प्रयास कर रही है समाचार लिखे जाने तक वार्ता नहीं हुई थी।

डॉ. सरिता कुमारी को अंतर्राष्ट्रीय हिंदी परिषद व ब्राह्मण समाज ने किया सम्मानित

धनबाद। टुंडी थाना क्षेत्र के ओझाडीह ग्राम निवासी गौतम कुमार ओझा की पत्नी डॉ. सरिता कुमारी को शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय हिंदी परिषद, झारखंड एवं संयुक्त ब्राह्मण समाज की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर परिषद के प्रदेश अध्यक्ष सह संयुक्त ब्राह्मण समाज के महासचिव सुरेश चंद्र तिवारी ने डॉ. सरिता कुमारी को शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। डॉ. सरिता कुमारी ने वर्ष 2019 में यूजीसी-नेट परीक्षा में सफलता हासिल की। इसके अलावा उन्होंने छह विषयों में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने पूर्व एवं मध्यकाल में वैश्य समाज की स्थिति से संबंधित ऐतिहासिक विषय पर शोध कार्य करते हुए पीएचडी की उपाधि भी हासिल की है। सुरेश चंद्र तिवारी ने डॉ. सरिता कुमारी की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उनकी सफलता समाज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि निरंतर अध्ययन, मेहनत और लगन के बल पर महिलाएं हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर रही हैं। सम्मान समारोह में वरिष्ठ समाजसेवी सपन कुमार ओझा, गौतम कुमार ओझा, नीतू ओझा, सुमन ओझा, नेहा ओझा, निलेश ओझा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सहायक पुलिस अधीक्षक ने किया चंदनक्यारी के बरमसिया और बनगड़िया ओपी का निरीक्षण

बोकारो। सहायक पुलिस अधीक्षक, चास बोकारो द्वारा निर्धारित कार्ययोजना के तहत बरमसिया ओपी एवं बनगड़िया ओपी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ओपी के कार्यों की समीक्षा करते हुए उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। ओपी में संधारित सभी अभिलेखों एवं पंजियों का अवलोकन किया गया तथा लंबित अभिलेखों के संधारण को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही ओपी के रख-रखाव एवं साफ-सफाई का जायजा लिया गया तथा परिसर में स्वच्छता एवं बेहतर व्यवस्था बनाए रखने हेतु उचित दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान ओपी में पदस्थापित सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों से भेंट कर उनकी समस्याओं एवं कठिनाइयों से अवगत हुए। सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया गया कि वे आम जनता के साथ सदैव शिष्ट, विनम्र एवं सम्मानजनक व्यवहार करते हुए अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा, तत्परता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें। साथ ही आम जनता की शिकायतों एवं समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित निराकरण करने तथा क्षेत्र में विधि-व्यवस्था एवं प्रभावी पुलिसिंग बनाए रखने हेतु आवश्यक निर्देश दिया गया।

झारखंड के हक-अधिकार से कोई समझौता बर्दाश्त नहीं : मंटू यादव

बोकारो। झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो की ओर से रविवार को बोकारो परिसदन में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 के विरोध में आगामी 19 सितंबर को सभी प्रखंड मुख्यालयों पर आयोजित होने वाले धरना-प्रदर्शन की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए झामुमो बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने कहा कि झारखंड दिशोम गुरु शिबू सोरेन के दशकों के संघर्ष, त्याग और बलिदान से निर्मित राज्य है। गुरुजी ने जल, जंगल, जमीन और खनिज पर झारखंडियों के अधिकार के लिए अपना पूरा जीवन संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड के अधिकारों और जनता के हितों की लड़ाई लगातार मजबूती से जारी है। झारखंड की खनिज संपदा और प्राकृतिक संसाधनों पर राज्य के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मंटू यादव ने कहा कि टटऊऋसंशोधन विधेयक, 2026 को लेकर झामुमो राज्य के हितों पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को लेकर गंभीर है।

स्वामी वी. आई. इंटरप्राइजेज के लिए प्रकाशक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं मुद्रक एस. एच. प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातू, रांची -835222 द्वारा झारखंड से मुद्रित एवं एसटी-663/664, न्यू एसटी चौक, धुर्वा, रांची से प्रकाशित, संपादकः मानवेन्द्र कुमार सिंह (खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) : फोन नं. 8709022665, PRGI N0. - JHAHIN/2014/59794

20वीं झारखंड राज्य जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता में दूसरे दिन भी रोमांचक मुकाबले

\`उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: सकरीगली रेलवे ग्राउंड में आयोजित 20वीं झारखंड राज्य जूनियर बालक-बालिका कबड्डी प्रतियोगिता 2026 के दूसरे दिन रविवार को भी खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। जहां कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड की स्वीकृति एवं मार्गदर्शन तथा जिला कबड्डी एसोसिएशन सह आयोजन समिति के तत्वावधान में चल रही तीन दिवसीय प्रतियोगिता में सुबह से देर शाम तक मैदान पर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। उधर शनिवार देर रात तक चले मुकाबलों के बाद रविवार को भी बालक एवं बालिका वर्ग में कई महत्वपूर्ण मैच खेले गए। जहां खिलाड़ियों ने दमदार रेड, शानदार डिफेंस और बेहतरीन टीमवर्क से दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। वही बालिका वर्ग में कई टीमों ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि बालक वर्ग में भी अंतिम दौर में जगह बनाने के लिए टीमों के बीच कड़ा संघर्ष जारी रहा।

उधर आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं साहिबगंज महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास, संयम और अनुशासन खेल में सफलता के मूल मंत्र हैं। वही खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। वही प्रतियोगिता में झारखंड के 22 जिलों की बालक तथा 18 जिलों की बालिका टीमें हिस्सा ले रही हैं। जहां इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। वही चयनित खिलाड़ी अक्टूबर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। बालिका वर्ग में इन टीमों ने दर्ज की जीत जहां रविवार को खेले गए मुकाबलों में गढ़वा ने सिंहभूम को 32-16, पलामू ने खूंटी को 37-07, धनबाद ने देवघर को 24-15, बोकारो ने दुमका को 21-15, कोडरमा ने गिरिडीह को 21-08, हजारीबाग ने जामताड़ा को 28-14 तथा साहिबगंज ने गोड्डा को 38-12 से पराजित किया। वहीं चतरा ने रामगढ़ को 27-22, गढ़वा ने रांची को 34-08 तथा पश्चिमी सिंहभूम ने रांची को 42-15 से हराया। खूंटी और लातेहार के बीच मुकाबले में लातेहार ने 22-17 से जीत दर्ज की। वही कुछ मुकाबले वॉकओवर के आधार पर भी तय हुए। बालक वर्ग में भी कांटे की टक्कर उधर बालक वर्ग में खिलाड़ियों ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन किया। जहां गिरिडीह ने गोड्डा को 49-22, पलामू ने दुमका को 24-09, बोकारो ने लातेहार को 41-19, कोडरमा ने रांची को 30-11 तथा पश्चिमी सिंहभूम ने चतरा को 32-19 से शिकस्त दी। इसी तरह खूंटी ने जामताड़ा को 36-22, देवघर ने साहिबगंज को 35-28 तथा गढ़वा ने लोहरदगा को 34-17 से पराजित किया। उधर अन्य मुकाबलों में गिरिडीह ने धनबाद को 39-27, हजारीबाग ने पलामू को 25-23 तथा गढ़वा ने रामगढ़ को 28-13 से हराया। कुछ मुकाबले वॉकओवर के आधार पर भी तय हुए। क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने होंगी ये टीमें वही बालिका वर्ग के नॉकआउट क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के लिए कोडरमा बनाम गढ़वा, धनबाद बनाम चतरा, हजारीबाग बनाम पलामू तथा बोकारो बनाम साहिबगंज की टीमें आमने-सामने होंगी। इन मुकाबलों को लेकर खिलाड़ियों के साथ-साथ दर्शकों में भी खासा उत्साह है। तकनीकी पदाधिकारियों ने संभाली जिम्मेदारी उधर प्रतियोगिता के सफल संचालन में कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड के रेफरी बोर्ड कन्वेनर आलोक कुमार के साथ सीताराम रजक, मुकेश कुमार, जय शंकर प्रसाद, अमित आनंद, उपेंद्र कुमार, सुवज्ञा कुमारी, पूजा कुमारी, राधिका वान्द्र, महावीर कुमार, शमशेर अंसारी, ऋषिकेश कुमार, दीपक कुमार, दिनेश कुमार महतो, करण कुमार, कौशल सिंह, राज स्वर्णकार, अमित कुमार, सोनी कुमार सहित अन्य तकनीकी पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जहां आयोजन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष नवनीत कुमार सोनू, सचिव लालू यादव, संरक्षक गोपाल यादव, उपसचिव उत्तम कुमार एवं अनुराग, जिला ओलंपिक संघ के सचिव माधव चंद्र घोष, रमाकांत मिश्र, कबड्डी संघ के संरक्षक बच्चू यादव, राज्य कबड्डी संघ के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर, राज्य ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष विपिन कुमार, संतोष यादव समेत अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जैप 9 परिसर में लगाए गए 105 फलदार पौध

\`उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: गंगा मिशन कोलकाता साहिबगंज की ओर से रविवार को गंगा संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन को लेकर चलाए जा रहे पौधरोपण अभियान के तहत झारखंड सशस्त्र पुलिस 9 (जैप 9) परिसर में 105 फलदार पौधे लगाए गए। जहां अहले सुबह आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में जैप 9 के जवानों एवं अन्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर झारखंड सशस्त्र पुलिस 9 के पदाधिकारी सुदान बुढ़ ने कहा कि वृक्षारोपण मानव जीवन और पर्यावरण के लिए बेहद जरूरी है। वही प्रत्येक व्यक्ति को पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने को अपने सामाजिक दायित्व के रूप में लेना चाहिए। वही उन्होंने कहा कि पेड़ों के बिना स्वस्थ एवं संतुलित जनजीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। गंगा मिशन की ओर से जैप 9 परिसर में पौधरोपण अभियान चलाया जाना सराहनीय पहल है। जहां कार्यक्रम के दौरान कविवर सुधीर श्रीवास्तव ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला। वहीं कवि आनंद मोदी ने 'छुईमुई' कविता का पाठ करते हुए आम जनजीवन में जल, जंगल और पर्यावरण के महत्व को रेखांकित किया। इस मौके पर अधिवक्ता राजीव सिंह, बचनेश्वर पाठक, बृजमोहन यादव और अशोक सर्राफ ने भी पर्यावरण संरक्षण और पौधरोपण की आवश्यकता पर अपने विचार रखें। इस कार्यक्रम में निरीक्षक सत्येंद्र पासवान, हवलदार मेजर जनार्दन सिंह, धर्मनाथ लोहार, अनिल कुमार सिंह, अजय कुमार यादव, उमेश उरांव, आरक्षी गोकुल पंडित, बृजेश कुमार सिंह, बिहारी मरांडी, मिंटू गुप्ता समेत जैप 9 के जवान एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

ओबीसी जनगणना में अलग वर्ग कॉलम की मांग, 16 सितंबर को कांग्रेस का लोकभवन मार्च

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: आगामी जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की आबादी का वास्तविक आंकड़ा सामने लाने की मांग को लेकर कांग्रेस ने आंदोलन की तैयारी तेज कर दी है। जहां कांग्रेस ओबीसी विभाग के जिलाध्यक्ष अजय कुमार यादव ने केंद्र सरकार से अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की तर्ज पर ओबीसी के लिए भी जनगणना में अलग वर्ग कॉलम शामिल करने की मांग की है। वही मामले को लेकर अजय कुमार यादव ने कहा कि ओबीसी समाज की वास्तविक जनसंख्या का आंकड़ा सामने आए बिना उनके सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक हितों के लिए प्रभावी नीतियां बनाना मुश्किल है। ऐसे में आगामी जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम का प्रावधान किया जाना आवश्यक है। आगे उन्होंने बताया कि इसी मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के आन पर 16 सितंबर को लोकभवन मार्च निकाला जाएगा। जहां इस मार्च के माध्यम से सरकार के समक्ष ओबीसी समाज की मांग को मजबूती से रखा जाएगा। वही जिलाध्यक्ष ने बताया कि इस कार्यक्रम में साहिबगंज जिले से कांग्रेस ओबीसी विभाग के सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल होंगे। इसके लिए जिला स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उधर सभी कार्यकर्ता 15 सितंबर को वनांचल

एक्सप्रेस ट्रेन से कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना होंगे। वही अजय कुमार यादव ने जिले के सभी कांग्रेस कार्यकताओं और ओबीसी समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में लोकभवन मार्च में शामिल होकर ओबीसी जनगणना में अलग वर्ग कॉलम की मांग को मजबूती प्रदान करने की अपील की।

फेडरेशन चैंबर चुनाव में आकाश पांडे ने दर्ज की शानदार जीत

\`उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के चुनाव में साहिबगंज के आकाश पांडे ने जीत दर्ज कर जिले का नाम रौशन किया है। जहां रविवार को रांची में हुए चुनाव में उन्होंने संथाल परगना क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पद पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राजेश अग्रवाल को तीन मतों से पराजित किया। जहां संथाल परगना क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पद के लिए साहिबगंज से आकाश पांडे और राजेश अग्रवाल आमने सामने थे। उधर इस चुनाव में आकाश पांडे को कुल 34 मत, जबकि राजेश अग्रवाल को 31 मत प्राप्त हुए। वही चुनाव में मतदान के लिए साहिबगंज जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष चेतन भरतिया, सचिव जय प्रकाश सिंहा, सह सचिव रमेश तिवारी समेत अन्य अपेक्षित मतदाता 12 सितंबर को वनांचल एक्सप्रेस से रांची रवाना हुए थे जहां सभी ने रविवार को रांची में आयोजित चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लिया। वही मतगणना के बाद आकाश पांडे के विजयी घोषित होते ही साहिबगंज के चैंबर सदस्यों और व्यापारिक समुदाय में खुशी की लहर दौड़ गई। वही चैंबर सदस्यों ने आकाश पांडे की जीत को साहिबगंज के व्यापारिक समुदाय के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए उन्हें बधाई दी।

एमएमडीआर बिल को लेकर गरमाई सियासत

\`उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: एमएमडीआर संशोधन विधेयक को लेकर झारखंड की सियासत एक बार फिर गरमाने लगी है। जहां केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने 19 सितंबर को जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर जोरदार धरना-प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। वही पार्टी ने इस आंदोलन को पंचायत स्तर तक ले जाने और आम जनता को इससे जोड़ने की रणनीति तैयार की है। जहां रविवार को पतना प्रखंड स्थित मुख्यमंत्री आवास झामुमो कार्यालय में जिला समिति की बैठक जिलाध्यक्ष अरुण सिंह की अध्यक्षता में हुई। उधर बैठक में केंद्रीय समिति के निर्देश पर प्रस्तावित आंदोलन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। जहां बैठक का संचालन जिला सचिव सुरेश टुडू ने किया। इस मौके पर झामुमो जिलाध्यक्ष अरुण सिंह ने कहा कि 19 सितंबर को जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर एमएमडीआर संशोधन विधेयक के विरोध में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। आगे उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को निर्देश दिया कि विधेयक से जुड़े मुद्दों को पंचायत स्तर तक आम लोगों के बीच पहुंचाएं और आंदोलन को व्यापक जनसमर्थन दिलाएं। वही उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्ष करते रहेंगे। उधर बैठक में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भी कार्यकताओं को सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया। आगे उन्होंने कहा कि पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से नहीं कटने दिए जाएंगे और प्रखंड एवं नगर कमेटियां जरूरतमंद मतदाताओं को

सहयोग करेंगी। ह्यझारखंड की जनता पर थोपा जा रहा काला कानून उधर झामुमो युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय गोस्वामी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए एमएमडीआर संशोधन विधेयक को झारखंड की जनता के लिए ह्यकाला कानूनह्ल बताया। जहां उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों से झारखंड के हित प्रभावित हो रहे हैं। वही उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि 19 सितंबर को बड़ी संख्या में प्रखंड कार्यालयों पर पहुंचकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराएं। आगे उन्होंने कहा कि झामुमो इस विधेयक के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रखेगा। ह्यविकास कार्यों को रोकने की कोशिश का आरोप उधर जिला उपाध्यक्ष संजीव शामू हेंब्रम ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि एमएमडीआर संशोधन विधेयक झारखंड के विकास कार्यों को प्रभावित करने की कोशिश है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन की निगरानी तेज, प्रभावित परिवारों के बीच बांटी राहत सामग्री

\`उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया है। जहां प्रशासनिक अधिकारियों की टीम लगातार प्रभावित इलाकों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा ले रही है और जरूरतमंद परिवारों तक आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। इसी क्रम में रविवार को राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो के नेतृत्व में उधवा प्रखंड क्षेत्र के दक्षिण पलाशगाछी समेत अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण किया गया। जहां इस दौरान अधिकारियों ने बाढ़ की स्थिति, प्रभावित परिवारों की संख्या, उनकी जरूरतों तथा उपलब्ध राहत व्यवस्था की जानकारी ली। उधर निरीक्षण के दौरान बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। जहां प्रशासन की ओर से प्रभावित लोगों को भरोसा दिलाया गया कि इस कठिन परिस्थिति में जिला प्रशासन उनके साथ मजबूती से खड़ा है। वही जरूरत के अनुसार राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस मौके पर राजमहल एसडीओ सदानंद महतो ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखें और लोगों की जरूरतों का त्वरित आकलन करें। वही उन्होंने राहत सामग्री का वितरण प्राथमिकता के आधार पर और सुचारु तरीके से सुनिश्चित करने को कहा। आगे उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। आपात स्थिति में संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। वही जिला प्रशासन की टीम ने प्रभावित क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधनों और राहत व्यवस्था की भी जानकारी ली। जहां अधिकारियों ने कहा कि बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आवश्यकता के अनुसार राहत एवं बचाव कार्यों का विस्तार किया जाएगा। इस मौके पर संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी समेत अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

झरना कॉलोनी दुर्गा मंदिर में होगी मां दुर्गा की स्थायी प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा

साहिबगंज: झरना कॉलोनी सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की ओर से इस वर्ष दुर्गा पूजा को विशेष और ऐतिहासिक रूप देने की तैयारी शुरू कर दी गई है। जहां समिति के अनुसार झरना कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर में मां दुर्गा की भव्य स्थायी प्रतिमा स्थापित कर विधि विधान के साथ प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। उधर पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि मंदिर परिसर में पिछले कई वर्षों से दुर्गा पूजा का आयोजन होता आ रहा है। इस वर्ष स्थायी प्रतिमा की स्थापना के बाद मां दुर्गा वर्षभर मंदिर में विराजमान रहेंगी। इसे लेकर 11 से 20 सितंबर तक पूजा-अर्चना समेत विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को शाम चार बजे दुर्गा मंदिर प्रांगण में समिति की विशेष बैठक आयोजित की गई। जहां बैठक में मां दुर्गा की प्राण-प्रतिष्ठा, पूजा आयोजन तथा विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और आवश्यक निर्णय लिए गए। उधर समिति ने कहा कि मां दुर्गा की स्थायी प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा केवल इस वर्ष के आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए धार्मिक आस्था और विरासत का स्थायी केंद्र स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वही समिति ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने की अपील की। इस बैठक में पूजा समिति के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, प्रेमलाल मंडल उर्फ मंटा मंडल, विनोद कुमार मंडल, संजय साह, शिवलाल मंडल, राजू दुबे, मनोहर हजरा, वीरेंद्र सिंह, संतोष सिंह, उमेश सिंह, बालकृष्ण पासवान, अनूप हरि, विकास सिंह, पवन सिंह, अमन पासवान, लाडो, मिक्की सिन्हा, सन्नी, अतुल सिन्हा, कन्हैया पासवान चक्रवर्ती, इलू पासवान सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

बाढ़ के पानी में डूबने से महिला की हुई मौत पर जिला प्रशासन ने दिखाई संवेदनशीलता, पीड़ित परिवार को तत्काल राहत

साहिबगंज: सदर प्रखंड क्षेत्र के बड़ी कोदरजन्ना नया टोला निवासी 50 वर्षीय पुष्पा देवी की बाढ़ के पानी में डूबने से हुई आकस्मिक मृत्यु की सूचना पर जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए पीड़ित परिवार को तत्काल राहत उपलब्ध कराई। जहां विपदा की इस घड़ी में प्रशासनिक अधिकारियों ने मृतका के परिवार से मुलाकात कर उनकी स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक सहायता मुहैया कराई। जहां जिला प्रशासन की ओर से मृतका के पति मुरारी मंडल को आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस मौके पर अधिकारियों ने कहा कि आकस्मिक संकट की स्थिति में प्रभावित परिवार को तत्काल सहायता उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि परिवार को कठिन समय में कुछ राहत मिल सकें। इस मौके पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द एवं अंचल अधिकारी बासुकीनाथ टुडू मौजूद रहे। जहां दोनों पदाधिकारियों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं जरूरतों की जानकारी ली। साथ ही साथ परिवार को भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन की ओर से नियमानुसार हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। आगे जिला प्रशासन ने कहा कि आपदा अथवा किसी भी आकस्मिक संकट की स्थिति में प्रभावित लोगों तक त्वरित राहत और आवश्यक सहायता पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। वही जिला प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि संकट की घड़ी में प्रभावित परिवारों को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और आवश्यकता के अनुसार हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे उपायुक्त, पीड़ित परिवारों के बीच बांटी खाद्य सामग्री

साहिबगंज: जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन लगातार प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहा है। इसी क्रम में रविवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। जहां निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और जरूरतों की जानकारी ली। इस मौके पर उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण कर उन्हें तत्काल राहत उपलब्ध कराई। उधर उपायुक्त ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं का लगातार आकलन किया जाए और जरूरत के अनुसार त्वरित राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाए। जहां उन्होंने संवेदनशील एवं बाढ़ प्रभावित इलाकों में लगातार निगरानी बनाए रखने को भी कहा। वही उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि बाढ़ के कारण किसी भी परिवार को आवश्यक सुविधाओं के लिए परेशानी न हो। उधर बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर लगातार समन्वय बनाए रखते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जहां उपायुक्त के निरीक्षण के दौरान सदर अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

संपादकीय

गणेशोत्सव : प्रथम पूज्य गणपति में समाहित है बुद्धि, विवेक और मंगल का संदेश

देशभर में गणेशोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 14 सितंबर से शुरू होने वाले इस महोत्सव की धूम 25 सितंबर तक रहेगी। लोग श्रद्धा-भक्ति के साथ भगवान गणेश का पूजन-अर्चन कर संपूर्ण मनोकामनाओं की पूर्ति का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। वास्तव में विघ्नहर्ता, मंगलमूर्ति, गणनायक, एकदंत, लंबोदर और गजानन जैसे अनेक नामों से पूजे जाने वाले भगवान गणेश भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन में विशिष्ट स्थान रखते हैं। किसी भी शुभ कार्य के आरंभ में प्रथम पूज्य के रूप में गणपति का स्मरण करने की परंपरा रही है। धार्मिक मान्यताओं में उन्हें बुद्धि, विवेक, विद्या और शुभारंभ का देवता माना गया है। यही कारण है कि विवाह, गृहप्रवेश, यज्ञ, पूजा, व्यापार और शिक्षा जैसे मांगलिक कार्यों में सबसे पहले गणेश पूजन किया जाता है। इस वर्ष गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को मनाई जाएगी। इसी दिन घरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। दस दिवसीय गणेशोत्सव का समापन 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन होगा। हालांकि परंपरा के अनुसार कई परिवार डेढ़, तीन, पांच या सात दिन बाद भी अपनी सुविधा और कुलाचार के अनुसार गणपति विसर्जन करते हैं। गणेशोत्सव अब केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है। यह कला, लोकसंस्कृति, सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक चेतना से जुड़ा व्यापक पर्व बन चुका है। महाराष्ट्र में सार्वजनिक गणेशोत्सव ने सामाजिक एकता और स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में जनजागरण का माध्यम बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समय के साथ यह पर्व देश के विभिन्न हिस्सों और विदेशों में बसे भारतीय समुदायों तक पहुंच गया।

आज का राशिफल

मेष– कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी।

वृष– विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

मिथुन– पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

कर्क – अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सिंह– धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी।

कन्या– परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

तुला – पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। पुराने मित्र मिलेगें।

वृश्चिक– शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

धनु – कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा।

मकर– यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

कुंभ – शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी।

मीन– मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम

दैनिक पंचांग

14 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 257 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 07.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 13.55 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 12.47 बजे को समाप्त।
करण गर 07.07 बजे तदनन्तर वणिज 19.21 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 02.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 03° 29'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872832
जूलियन दिन 2461297.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 02
विशेष हरतालिका तीज, गौरी हब्बा, गणेशोत्सव प्रारंभ, राष्ट्रीय हिन्दी दिवस।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.03 बजे से
चंद्र	तुला में	तुला	08.14 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.28 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.44 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	14.49 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.36 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.09 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.39 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.19 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	मिथुन	23.17 बजे से
		कर्क	01.31 बजे से
		सिंह	03.47 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

हिंदी बोलने वालों की हिंदी कितनी हिंदी है?

नीरज कृष्णा

हिंदी दिवस आते ही देश एक बार फिर हिंदी के गौरव का उत्सव मनाने लगता है। सरकारी कार्यालयों में हिंदी पखवाड़े की शुरूआत होती है, हिंदी की महिमा पर भाषण होते हैं, प्रतियोगिताएँ होती हैं, कविताएँ पढ़ी जाती हैं और हिंदी के व्यापक प्रसार पर गर्व किया जाता है। हर वर्ष हमें बताया जाता है कि हिंदी दुनिया की बड़ी भाषाओं में है, करोड़ों लोग इसे बोलते हैं और इसका प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। लेकिन इन तमाम दावों और उत्सवों के बीच एक असहज सवाल शायद ही कोई पूछना चाहता हैकिहिंदी बोलने वालों की हिंदी कितनी हिंदी है?

यह सवाल हिंदी के अस्तित्व पर नहीं, हिंदीभाषियों की भाषाई स्थिति पर है। सवाल यह नहीं कि हिंदी में उर्दू के कितने शब्द हैं, अंग्रेजी के कितने शब्द घुस आए हैं या हिंदी कितनी बदल रही है। भाषा का स्वभाव ही परिवर्तनशील है। हिंदी स्वयं अनेक भाषाओं, बोलियों और संस्कृतियों के लंबे संवाद से बनी है। उसमें संस्कृत है, प्राकृत है, अपभ्रंश है, फारसी है, अरबी है, तुर्की है, अंग्रेजी है और भारत की असंख्य लोकभाषाओं की मिट्टी भी है। इसलिए दूसरी भाषाओं से शब्द लेना हिंदी की कमजोरी नहीं, उसकी जीवंतता का प्रमाण भी हो सकता है। संकट यह है कि हिंदी बोलने वालों की संख्या तो लगातार बड़ी दिखाई देती है, लेकिन हिंदी में सोचने, लिखने और अपनी बात को सटीक ढंग से व्यक्त करने की क्षमता उतनी मजबूत दिखाई नहीं देती। हमें अपनी भाषा पर गर्व है, लेकिन भाषा पर पकड़ कितनी है–यह प्रश्न पूछते ही हमारा आत्मविश्वास थोड़ा डगमगाने लगता है। हम हिंदी बोलते हैं, मगर हिंदी अकेली नहीं बोलते। हमारी रोजमर्रा की बातचीत में अंग्रेजी के शब्द सहजता से घुल चुके हैं। यह स्वाभाविक भी है। समस्या तब पैदा होती है जब हमें अपनी ही भाषा में किसी सामान्य विचार को व्यक्त करने के लिए बार-बार दूसरी भाषा का सहारा लेना पड़ता है और हमें इसका अहसास तक नहीं होता। तब भाषा केवल मिश्रित नहीं होती, भाषाई आत्मनिर्भरता कमजोर होने लगती है। आज हम अक्सर कहते हैंकि 'हिंदी हमारी मातृभाषा है।' लेकिन मातृभाषा होना और मातृभाषा में दक्ष होना दो अलग बातें हैं।

हर वर्ष हिंदी दिवस पर यही विडंबना सामने आती है। हिंदी के सम्मान में आयोजन होते हैं, लेकिन उन्हीं आयोजनों की भाषा कई बार इतनी कठिन, कृत्रिम और संस्कृतनिष्ठ होती है कि सामान्य हिंदीभाषी उससे दूरी महसूस करने लगता है। दूसरी ओर, रोजमर्रा की हिंदी इतनी अधिक अंग्रेजी-मिश्रित होती जा रही है कि कई बार यह समझना कठिन होता है कि हम हिंदी बोल रहे हैं या अंग्रेजी को देवनागरी में उच्चारित कर रहे हैं।

एक तरफ 'हिंदी की समृद्धि' पर भाषण है, दूसरी तरफ अपने बच्चों से बात करते समय हम लगातार अंग्रेजी शब्दों का सहारा लेते हैं। एक तरफ हिंदी के गौरव का उद्घोष है, दूसरी तरफ नौकरी, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और आधुनिक ज्ञान के क्षेत्र में हिंदी को लेकर हमारा आत्मविश्वास कमजोर है।यही विरोधाभास हिंदी दिवस को एक उत्सव से अधिक आत्मपरीक्षण का अवसरबनाता है।क्या हमने हिंदी को वास्तव में मजबूत किया है या केवल हिंदी की जय बोलना सीखा है?

हिंदी की चर्चा होते ही अक्सर चिंता जताई जाती है कि उसमें उर्दू और अंग्रेजी के शब्द लगातार बढ़ते जा रहे हैं। लेकिन क्या किसी भाषा को बचाने का रास्ता उसके शब्दों की चौकीदारी करना है? शायद नहीं। भाषा कोई बंद कमरा नहीं, बल्कि बहती हुई नदी है, जो अपने रास्ते में मिलने वाली संस्कृतियों, समाजों और भाषाओं से बहुत कुछ ग्रहण करती हुई समृद्ध होती है। 'किताब', 'कागज', 'दफ्तर', 'सवाल', जवाब', 'इंसान' और 'दुनिया' जैसे शब्द हमारी रोजमर्रा की हिंदी में इतने रच-बस गए हैं कि उन्हें हिंदी से अलग करना भाषा की स्वाभाविक यात्रा को नकारना होगा। यही बात 'मोबाइल', 'इंटरनेट', 'कंप्यूटर' और 'एआई' जैसे शब्दों पर भी लागू होती है। असली संकट दूसरी भाषाओं से आए शब्दों का नहीं, अपनी भाषा में विचार, तर्क, संवेदना और अनुभव को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने की हमारी घटती क्षमता का है। भाषा की शक्ति उसकी शब्द-संपदा की शुद्धता से नहीं, उसकी अभिव्यक्ति की सामर्थ्य से तय होती है। इसलिए हमें 'शुद्ध हिंदी' की चौकीदारी से अधिक सक्षम, सहज और जीवंत हिंदीकी चिंता करनी चाहिए।

हिंदी भाषियों की संख्या पर गर्व करना आसान है। लेकिन भाषा की वास्तविक शक्ति उसकी संख्या से नहीं, उसकी दक्षता और उपयोगिता से तय होती है। करोड़ों लोग हिंदी बोलते हैं–यह हिंदी की शक्ति है। लेकिन कितने लोग हिंदी में गंभीर विषय पर लगातार दस मिनट बिना अनावश्यक शब्द-सहारे के स्पष्ट बोल सकते हैं? कितने लोग हिंदी में एक विचारपूर्ण लेख लिख सकते हैं? कितने लोग हिंदी में विज्ञान, अर्थशास्त्र, कानून, तकनीक या दर्शन पर सहजता से पढ़ और लिख सकते हैं? कितने हिंदीभाषी युवा हिंदी में पेशेवर संवाद कर सकते हैं? और कितने ऐसे हैं जो हिंदी को केवल घर और बातचीत की भाषा नहीं, ज्ञान और विचार की भाषाभी मानते हैं? इन प्रश्नों का उत्तर हमारी भाषाई स्थिति का कहीं अधिक वास्तविक चित्र प्रस्तुत करेगा। भाषा का गौरव संख्या से नहीं, दक्षता से तय होता है। हिंदी का विस्तार निस्संदेह हुआ है। टेलीविजन से लेकर सोशल मीडिया तक, सिनेमा से लेकर यूट्यूब तक, हिंदी का प्रभाव बढ़ा है। आज हिंदी डिजिटल दुनिया में भी पहले से कहीं अधिक दिखाई देती है। लेकिन विस्तार और गहराई एक ही चीज नहीं हैं।एक भाषा का बहुत अधिक इस्तेमाल होना यह साबित नहीं करता कि उस भाषा में गंभीर चिंतन भी उतनी ही तेजी से बढ़ रहा है। आज हिंदी में लाखों वीडियो बन रहे हैं, करोड़ों पोस्ट लिखी जा रही हैं और असंख्य टिप्पणियाँ की जा रही हैं। लेकिन क्या इसी अनुपात में हिंदी में ज्ञान का निर्माण भी हो रहा है? क्या हिंदी में विज्ञान, तकनीक, शोध, अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नई दुनिया की जटिलताओं पर उच्च गुणवत्ता की सामग्री उसी गति से तैयार हो रही है?हमें हिंदी केडिजिटल विस्तारके साथ उसकीबौद्धिक गहराईभी बढ़ानी होगी।वरना खतरा यह है कि हिंदी बहुत अधिक बोली जाएगी, बहुत अधिक दिखाई देगी, लेकिन बहुत कम गहराई से समझी और बरती जाएगी। हिंदी दिवस का सबसे बड़ा खतरा यह है कि वह कहीं केवल औपचारिकता न बन जाए।हम हिंदी की जय बोलते हैं, हिंदी पर गर्व करते हैं, हिंदी के भविष्य की चिंता करते हैं–लेकिन क्या हम स्वयं हिंदी पढ़ते हैं? किताबें कितनी पढ़ते हैं? हिंदी में अच्छे लेख कितने पढ़ते हैं?अपने बच्चों को हिंदी में पढ़ने के लिए कितना प्रोत्साहित करते हैं?क्या हमारे घर में हिंदी केवल बातचीत की भाषा है या विचार और अध्ययन की भी?और इससे भी बड़ा प्रश्न–क्या हम चाहते हैं कि हमारा बच्चा हिंदी में दक्ष हो? यदि उत्तर हाँ है तो हिंदी को केवल भावनात्मक पहचान बनाकर नहीं छोड़ा जा सकता।

हिंदी को मजबूत करने का अर्थ अंग्रेजी से युद्ध करना नहीं है। न ही उर्दू के शब्दों से परहेज करना है। आज के युवा को हिंदी भी आनी चाहिए और अंग्रेजी भी। बल्कि आने वाला समय बाइलिंगुअल या बहुभाषी दक्षताका समय है। हिंदी हमें अपनी जड़ों, समाज, संस्कृति और व्यापक भारतीय बाजार से जोड़ सकती है। अंग्रेजी हमें वैश्विक ज्ञान, तकनीक और रोजगार की दुनिया से जोड़ सकती है। दोनों भाषाएँ मिलकर एक युवा की क्षमता बढ़ा सकती हैं। इसलिए भविष्य की सही दिशा यह नहीं है कि हम कहें कि 'अंग्रेजी छोड़ो, हिंदी अपनाओ।' बल्कि यह होनी चाहिए कि 'हिंदी मजबूत करो, अंग्रेजी भी सीखो।' समस्या अंग्रेजी सीखने में नहीं है। समस्या तब है जब अंग्रेजी सीखने के लिए हिंदी को छोड़ दिया जाए और अपनी ही भाषा में सोचने की क्षमता कमजोर हो जाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दौर हिंदी के लिए केवल नई तकनीकी संभावना नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व को नए संदर्भ में सिद्ध करने की परीक्षा है। अक भारतीय भाषाओं को उस डिजिटल दुनिया में निर्णायक जगह दे सकता है, जहाँ अब तक अंग्रेजी का वर्चस्व रहा है। वॉइस टेक्नोलॉजी, मशीन अनुवाद, डिजिटल शिक्षा, चैटबॉट, लोकलाइजेशन और कंटेंट निर्माण जैसे क्षेत्रों में हिंदी करोड़ों नए अवसरों की भाषा बन सकती है। लेकिन इसके लिए सिर्फ हिंदी बोलना पर्याप्त नहीं होगा।हमें ऐसी नई पीढ़ी तैयार करनी होगी जो हिंदी में सोच सके, अंग्रेजी में दुनिया से संवाद कर सके और तकनीक को समझकर उसका इस्तेमाल कर सके। हिंदी उसकी अभिव्यक्ति की शक्ति हो, अंग्रेजी वैश्विक अवसरों की खिड़की और तकनीक उसके कौशल का विस्तार। भविष्य में रोजगार उन्हीं के लिए नहीं होगा जो केवल भाषा जानते हैं, बल्कि उनके लिए होगा जो भाषा, तकनीक और ज्ञान को एक साथ साध सकेंगे। तब हिंदी घर और साहित्य की भाषा भर नहीं रहेगी; वह अक मॉडल के प्रशिक्षण, डिजिटल ज्ञान, वॉइस टेक्नोलॉजी, अनुवाद, शिक्षा और नए रोजगारों की सृजनात्मक और आर्थिक भाषा भी बन सकेगी।

हिंदी को बचाने के नाम पर यदि हम उसे इतना शुद्ध बनाने की कोशिश करेंगे कि वह सामान्य आदमी की भाषा ही न रह जाए, तो हम हिंदी की मदद नहीं करेंगे।हमें ऐसी हिंदी चाहिए जो सहज हो, लेकिन कमजोर नहीं। सरल हो, लेकिन सतही नहीं। समकालीन हो, लेकिन अपनी जड़ों से कटी हुई नहीं। दूसरी भाषाओं से शब्द ग्रहण करे, लेकिन अपनी अभिव्यक्ति की क्षमता न खोए। और सबसे महत्वपूर्ण–हिंदी केवल बोलने की नहीं, सोचने और ज्ञान अर्जित करने की भाषा भी बने।क्योंकि भाषा की असली शक्ति तब दिखाई देती है जब उसमें समाज अपने सबसे जटिल प्रश्नों पर विचार कर सके। शायद हिंदी दिवस पर हमें अपने आप से यही प्रश्न पूछना चाहिए कि वर्ष के बाकी 364 दिनों में हिंदी हमारे जीवन में कहाँ है? क्या वह केवल घर में है? क्या वह केवल सोशल मीडिया की पोस्ट में है? क्या वह केवल राजनीतिक भाषण में है? क्या वह केवल सरकारी फाइलों और हिंदी पखवाड़े की प्रतियोगिताओं में है? या वह हमारी किताबों, ज्ञान, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, रोजगार और चिंतन में भी है?

यदि हिंदी का इस्तेमाल केवल बोलचाल और भावनात्मक अभिव्यक्ति तक सीमित होता गया, तो संख्या बढ़ने के बावजूद उसकी बौद्धिक शक्ति कमजोर पड़ सकती है।इसलिए हिंदी दिवस पर हमें हिंदी के सामने कोई बाहरी दुश्मन खड़ा करने की जरूरत नहीं है। हमें अपने भीतर झांकना होगा।हिंदी का संकट शायद अंग्रेजी से कम और हिंदीभाषियों की भाषाई उदासीनता से अधिक है।

हिंदी दिवस पर इस बार यदि हम सचमुच हिंदी का सम्मान करना चाहते हैं तो हिंदी की प्रशंसा करने से एक कदम आगे बढ़ना होगा। हमें हिंदी पढ़नी होगी। हिंदी में लिखना होगा। हिंदी में गंभीर विषयों पर विचार करना होगा। हिंदी में विज्ञान और तकनीक का ज्ञान उपलब्ध कराना होगा। हिंदी को रोजगार से जोड़ना होगा।और सबसे महत्वपूर्ण–हिंदी जानने को गर्व का विषय ही नहीं, दक्षता का विषय भी बनाना होगा।क्योंकि किसी भाषा का भविष्य उसके बोलने वालों की संख्या से नहीं, उस भाषा में अगली पीढ़ी कितनी गहराई से सोचती, लिखती, पढ़ती और सृजन करती है, इससे तय होता है।

आज जरूरत हिंदी की जय बोलने की नहीं, हिंदी को जीवन में उतारने की है। जरूरत हिंदी को दूसरी भाषाओं से बचाने की नहीं, हिंदी को इतना सक्षम बनाने की है कि वह दूसरी भाषाओं के साथ आत्मविश्वास से खड़ी हो सके।और शायद इस हिंदी दिवस पर सबसे कठिन, लेकिन सबसे जरूरी सवाल यही होना चाहिए–हम हिंदीभाषी हैं–लेकिन हिंदी हमारे भीतर कितनी है? कहीं ऐसा तो नहीं किहिंदी दिवस के शोर में हम हिंदी को ही तलाशते रह गए हैं? कहीं हम वर्ष के 365 दिनों में से एक दिन हिंदी के नाम करके बाकी 364 दिन उसे हिंग्लिश, औपचारिकता और आत्मछल के हवाले तो नहीं कर रहे?

हिंदी को बचाने का सबसे पहला उपाय हिंदी दिवस मनाना नहीं, हिंदी को जानना है।और हिंदी को जानने का अर्थ केवल हिंदी बोलना नहींबल्किहिंदी में सोचना, समझना, पढ़ना, लिखना और अपनी बात पूरी ताकत से कह पाना है।तभी हिंदी केवल करोड़ों लोगों की जुबान नहीं रहेगी; वह करोड़ों लोगों कीचेतना, ज्ञान और क्षमता की भाषाभी बनेगी।

(लेखक के निजी विचार)

इस समुदाय को भाजपा का एक मजबूत आधार माना जाता

सांवर मल अग्रवाल

झारखंड की राजनीति में मारवाड़ी समाज और भारतीय जनता पार्टी का रिश्ता बेहद गहरा और बहुआयामी रहा है पारंपरिक रूप से इस समुदाय को भाजपा का एक मजबूत आधार माना जाता रहा है सत्ता प्राप्ति से पूर्व और सत्ता मिलने के बाद इस रिश्ते में आए बदलावों के पीछे गहरे राजनीतिक सामाजिक और राजनीतिक कारण है। झारखंड में भाजपा के पास मारवाड़ी समुदाय स्थाई राजनीतिक पूंजी के रूप में मानी जाती है यह समुदाय राजनीतिक आर्थिक संकट का साथी जहां पर मारवाड़ी समाज प्रभावित है वहां भाजपा अवश्य जीतने में सफलता प्राप्त करती हैं टाटानगर रांची हटिया झरिया धनबाद हजारीबाग गोड्डा आदि मुख्य क्षेत्र हैं जहां इस समुदाय या समाज के कारण भाजपा को बराबर जीत का स्वाद प्राप्त होता रहा है मारवाड़ी समाज कैसा समाज है इसकी संख्या बल के बावजूद भी चुनाव को प्रभावित करने का मादा रखता है जिसका मुख्य कारण है कि व्यापारिक केंद्रों पर समाज के अन्य वर्गों के लोगों के साथ उनके संपर्क बनते हैं यह वर्ग सभी वर्ग के लोगों को भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने का कार्य करती रही है अर्थात व्यापारिक समुदाय का वर्ग में कार्यकर्ता को सकारात्मक में बदलने का की क्षमता रखती है और भाजपा को चुनाव के समय सहयोग प्रदान करती है। झारखंड के आर्थिक और सामाजिक विकास में मारवाड़ी समाज आज भी सक्रिय भूमिका में व्यापार शिक्षा परोपकार सेवा के मामले में इस समाज को भी मजबूत पकड़ मारवाड़ी समाज केवल वोट नहीं देते बल्कि वह पार्टी के सांगठनिक ढांचे रैहेलियां और चुनावी अभियानों को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आए मगर संगठन एक और राजनीतिक उपेक्षा से यह जमीनी सहयोग और ताल मेहल में कमी आ सकती है। झारखण्ड के आर्थिक और सामाजिक विकास में मारवाड़ी समाज आज भी अग्रणीय भूमिका में है, व्यापार, शिक्षा, परोपकार, सेवा के मामले में इस समाज की मजबूत पकड़ है, मारवाड़ी समाज केवल वोट नहीं देते, बल्कि वे पार्टी के सांगठनिक ढांचे रैलियों और चुनावी अभियानों को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाते हैं कोर वोट के रूप निराशा और उदासीनता मारवाड़ी वैश्य, राजपूत जैसे समुदाय भाजपा के पारंपरिक कोर वोटर रहे हैं यदि इन समुदायों का लगातार यह महसूस होगा कि उन्हें सुरक्षित वोट बैंक मानकर उपेक्षित किया जा रहा है तो वह चुनाव के समय उदासीनता करने के शायद किसी दूसरी पार्टी को वोट नहीं देंगे लेकिन चुनाव के दिन कम मतदान के लिए नाराजगी जाहिर कर सकते हैं जिससे शहरी सीटों पर भाजपा का मार्जिन घट सकता है या भाजपा उन क्षेत्रों में असफलता को प्राप्त कर सकती है भाजपा का यह भी मानना है कि मारवाड़ी समुदाय वैचारिक रूप से आज भी भाजपा के साथ है और सदैव बना रहेगा। समाज के कई मंचों पर यह आवाज उठी की भाजपा मारवाड़ी समुदाय को सिर्फ फंड प्रदाता या सुरक्षित वोट मान रही है लेकिन जब विधानसभा या लोकसभा में सीट देने की बात आती है तो लगातार मारवाड़ी समुदाय के साथ उचित व्यवहार नहीं किया जाता है भाजपा के विपक्ष में रहते हुए जो मारवाड़ी समाज पार्टी की रिढ था आज सत्ता में आने के साथ व्यापक जन आधार और सामाजिक समीकरण आदिवासी, ओबीसी को साधने की मजबूरी में वह भाजपा की प्राथमिकता की लंबी सूची में यह समाज थोड़ा पीछे जरूर खिसक गई है। मारवाड़ी समाज की सेवा भाव सभी वर्गों के साथ-साथ शालीनता का व्यवहार आदि के परिणाम के रूप में इस समाज ने रामगढ़ से विश्वनाथ चौधरी शंकर चौधरी के रूप में भाजपा को विधायक दिए थे संथाल परगना क्षेत्र के गोड्डा से भी इस समुदाय ने विधायक भाजपा को मिला था रांची के हटिया से रामजीलाल शारदा विजय हुए वे राज्य के पहली सरकार में विधि मंत्री भी बने, टूण्डी से सतनारायण दुधनी भी विधायक बने जबकि इस समुदाय की बहुताता इस क्षेत्र में नहीं थी मगर सामाजिक सरोकार का प्रतिफल जनता ने भाजपा को दिया धनबाद जैसे बाहुबली रंगदारी के बल पर क्षेत्र की राजनीति चलती है वहां प्रभावित लोगों के बावजूद भी भारतीय जनता पार्टी ने मारवाड़ी समुदाय के चंद्रशेखर अग्रवाल को मेयर बनने में सफलता प्राप्त की थी यह सारी बातें उसे समुदाय के सरोकार का प्रतिफल ही धनबाद में मिला था। भाजपा की नीव की ईट के रूप में काम करने वाले सीताराम मारू, ज्ञान प्रकाश जलन ,ज्ञानू बाबू,रामावतार लाल अग्रवाल हजारीबाग धनबाद के परमेश्वर अग्रवाल मदनलाल अग्रवाल कमलापति राम जैसे समर्पित लोगों के जन सेवा जनसंपर्क तथा सेवा भाव का लाभ भाजपा को यह समाज बराबर देता आया है सीताराम मारु के योगदान का प्रतिफल अजय मारू को मिला और वह राज्यसभा पहुंच गए महेश पोद्दार जी भी राज्यसभा गए उन्हें तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष डॉ रविंद्र राय और तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास के संयुक्त प्रयास का फल मिला और भाजपा ने विपक्ष को धराशाई कर दिया यह भी कहा जा सकता है की मृदु भाषी पोद्दार जी भाजपा के दो बार फंड प्रदाता कोषाध्यक्ष भी बने उनके व्यवहार की तुलना आसानी से नहीं की जा सकती है वह बहुत ही मृदु भाषी और मिलन सार व्यक्तिगत के धनी हैं। भाजपा में मारवाड़ी समाज का वर्ष 2014 एवं 2019 के बाद से भाजपा संगठन द्वारा दूरियां बढ़नी प्रारंभ हुई एक रणनीति के तहत आदिवासी एवं पिछड़ा वर्ग से इस रैंक का लाभ देने की योजना बना भाजपा ने बनाई इस दौरान मारवाड़ी समाज और व्यापारियों को लगने लगा कि वह सत्ता के केंद्र में नहीं रहे भाजपा ने किस दौर में इस समाज के स्थान पर बड़े जातियों और राजनीतिक सामाजिक समीकरणों की प्रति रुचि दिखाई और इसी समय मारवाड़ी समाज का व्यक्तिगत राजनीतिक प्रभाव धीरे-धीरे संगठन से एक तरह से या सीमित होता चला गया।

(लेखक के निजी विचार)

हरतालिका तीज पर कैसे बनाएं मिट्टी के शिव-पार्वती

हरतालिका तीज का व्रत महिलाओं के लिए बेहद अहम होता है। इस दिन महिलाएं 16 श्रृंगार करके अपने पति की सुरक्षा और उनकी लंबी आयु की कामना करने के लिए भगवान शिव संग माता पार्वती की पूजा करती हैं। पूजा के लिए महिलाएं इस दिन मिट्टी के शिव-पार्वती की मूर्ति भी बनाती हैं। साथ ही, हरतालिका तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति को सुंदर मंडप में स्थापित करके उनकी पूजा करती हैं।

आवश्यक सामग्री

- **मिट्टी**–आप बाजार से विशेष रूप से मूर्ति बनाने वाली मिट्टी या घर में उपलब्ध मिट्टी का उपयोग कर सकते हैं।
- **पानी**– मिट्टी को गूंथने के लिए साफ पानी।
- **चौकी**– मूर्ति बनाने के लिए एक साफ और समतल सतह जरूरी है।
- **चाकू या नुकिली चीज**– मूर्ति को आकार देने के लिए।
- **सजावटी सामान**– मूर्ति को सजाने के लिए आप फूल, पत्ते, या अन्य सजावटी सामान का उपयोग कर सकते हैं।

मिट्टी के शिव–पार्वती बनाने की विधि

- शिव–पार्वती की मूर्ति बनाने के लिए सबसे पहले आप मिट्टी तैयार करें। इसके लिए मिट्टी को पानी के साथ अच्छी तरह गूंथ लें, ताकि वह नरम और मॉडलिंग के लिए उपयुक्त हो जाए।
- इसके बाद, मिट्टी का एक बड़ा गोला बनाएं।
- गोले को लंबा और चौड़ा करके शिव–पार्वती का धड़ बनाएं।
- इसके बाद, मिट्टी के छोटे–छोटे दो गोले लेकर उनके सिर, हाथ और पैर बनाएं।
- अब, चेहरे पर आंख, नाक, होंठ आदि का आकार बनाएं।
- अब मिट्टी के थोड़े से हिस्से को लेकर उसे लंबाई में सांप की तरह बना दें और इस शिव के गले में घुमा कर लगा दें।
- इसके अलावा, आप चाहें तो बगल में त्रिशूल और हाथों में एक डमरू भी लगा सकते हैं।
- अंत में, मूर्ति को हवादार जगह में सूखने के लिए रख दें।
- आप चाहें तो सूखी हुई मूर्ति को प्राकृतिक रंगों से रंग भी सकते हैं। शिव को नीला या हरा रंग और पार्वती को लाल या गुलाबी रंग दे सकते हैं।
- बस आपकी मिट्टी के शिव–पार्वती तैयार हैं, अब आप हरतालिका तीज पर उनकी विधि अनुसार पूजा कर सकते हैं।

कम बजट की लाइटवेट जॉर्जेट साड़ी के ये डिजाइंस हरतालिका तीज पर आपको देंगे परफेक्ट फेस्टिव लुक

हरतालिका तीज के लिए कम बजट में हल्की जॉर्जेट साड़ियों के डिजाइन से पाएं परफेक्ट फेस्टिव लुक। जानें शेवरॉन, लेहरिया, चुनरी, पोल्का डॉट्स और मल्टी कलर प्रिंट्स की साड़ियों के साथ ब्लाउज़, ज्वेलरी, मेकअप और ड्रेपिंग के बेहतरीन सुझाव।

उमस के मौसम में हल्के–फुल्के कपड़े ही मन को भाते हैं। खासतौर पर तीज त्योहार के अवसर पर भी ऐसे ही कपड़े तलाशते हैं, जो हल्के हों और आरामदायक हों। हरतालिका तीज के मौके पर भी अगर आप हल्की और फेस्टिव लुक वाली साड़ी पहनने के बारे में सोच रही हैं, तो आप खूबसूरत और कम बजट वाली हल्की जॉर्जेट साड़ी पहन सकती हैं। आपको बता दें कि जॉर्जेट साड़ियां हल्की और आरामदायक होती हैं, इनमें आपको एक से बढ़कर एक वेराइटी देखने को मिल जाएंगी। अगर आप भी त्योहार पर शानदार साड़ी लुक पाना चाहती हैं, तो एक बार इस लेख में दिखाए गए जॉर्जेट साड़ी के पैटर्न और डिजाइंस देखकर अपने लिए एक नई और अच्छी जॉर्जेट साड़ी खरीद सकती हैं और उसे स्टाइल करने के टिप्स भी जा सकती हैं। इस लेख में हम विभिन्न प्रिंट्स की जॉर्जेट साड़ियों के डिजाइंस और उनके साथ सही ब्लाउज, ज्वेलरी, मेकअप और ड्रेपिंग स्टाइल के सुझावों पर चर्चा करेंगे।

शेवरॉन प्रिंट जॉर्जेट साड़ी

शेवरॉन साड़ी में हॉरीजॉन्टल और वर्टिकल लाइंस पड़ी होती हैं, ऐसी साड़ी में अधिकतर काली सफेद धारियां होती हैं। अगर आप हरतालिका तीज पर सबसे अलग नजर आना चाहती हैं, तो आपको एक बार ऊपर दिखाई गई तस्वीर पर गौरफरमाना चाहिए। इस तरह की साड़ी के साथ आप सादा या मेटैलिक ब्लाउज पहन सकती हैं। एक प्लेन या हल्के वर्क वाले ब्लाउज को इस साड़ी के साथ पहन कर आप सभी को अपनी ओर आकर्षित कर सकती हैं।

फैशन टिप्स– इस साड़ी के साथ आपको मिनिमलिस्टिक ज्वेलरी पहननी चाहिए। सिल्वर या गोल्ड प्लेटेड चूड़ियां, एक सादी चेन, और छोटे झुमके इस साड़ी के साथ बहुत अच्छे लगेंगे। हल्का मेकअप इस प्रिंट के साथ सबसे अच्छा लगता है। आप न्यूड लिपस्टिक के साथ लाइट आईशैडो लगाकर अपने लुक को एलिवेट कर सकती हैं। शेवरॉन प्रिंट साड़ी को क्लासिक ड्रेप में पहना जा सकता है। इससे यह प्रिंट ज्यादा अच्छा लगता है।

लेहरिया प्रिंट जॉर्जेट साड़ी

राजस्थान की फेमस लेहरिया साड़ी में भी आपको बाजार में बहुत सारी वेराइटी और प्रिंट देखने को मिल जाएंगे। ये साड़ियां 250 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक में आपको अलग–अलग पैटर्न और प्रिंट में मिल जाएंगी। आप इन्हें भी फेस्टिवल में पहन सकती हैं और खूबसूरत लुक पा सकती हैं।

फैशन टिप्स– लेहरिया प्रिंट साड़ी के साथ एक फुल–स्लीव्स या थ्री–फोर्थ स्लीव्स वाला ब्लाउज अच्छा लगता है। अमूमन लेहरिया प्रिंट वाली साड़ी में गोल्डन बॉर्डर होता है, तो आप गोल्डन या कॉपर ब्रोकेड वाला ब्लाउज इसके साथ पहन सकती हैं। इस प्रिंट के साथ गोल्डन ज्वेलरी आपको पहननी चाहिए। इससे आपको अच्छा एथनिक औश्र ट्रेडिशनल लुक मिलेगा। आप चाहें तो इसके साथ हैवी झुमका भी पहन सकती हैं। लेहरिया प्रिंट के साथ आप बोल्ड लिपस्टिक और लाइट स्मोकी आई मेकअप ट्राई कर सकती हैं। लेहरिया प्रिंट साड़ी को ड्रेप करते समय ध्यान दें कि लहरें एकसार दिखें।

चुनरी प्रिंट जॉर्जेट साड़ी

चुनरी प्रिंट में भी आपको बहुत सारे पैटर्न और डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। इस तरह का प्रिंट अपने आप में ही फेस्टिव लुक देता है। इसमें आपको हैवी और लाइट दोनों वेट की साड़ियां मिल जाएंगी। आप एक सिंपल सी 250 रुपये की साड़ी खरीद कर उसे अपने हिसाब से किसी अच्छे कारीगर से कढ़वा भी सकती हैं।

फैशन टिप्स– चुनरी प्रिंट साड़ी के साथ सिंपल या फिर स्टाइलिश नेकललाइन वाला ब्लाउज बहुत अच्छा लगेगा। आप इस ब्लाउज पर साड़ती के एक टुकड़े से फिल भी लगवा सकती हैं।इस प्रिंट के साथ आप रंग–बिरंगे स्टोन वाली ज्वेलरी का चयन कर सकती हैं। इससे आपके लुक को खूबसूरत अंदाज मिलेगा। चुनरी प्रिंट साड़ी के साथ रेड लिपस्टिक और हल्का मेकअप ट्राई करें। स्किन टोन के अनुसार सॉफ्ट और नैचुरल मेकअप आप पर अच्छा लगेगा। चुनरी प्रिंट साड़ी को फ्लोई स्टाइल में ड्रेप करें। प्लीट्स को सही से सेट करें ताकि प्रिंट अच्छा दिखे।

पोल्का डॉट्स जॉर्जेट साड़ी

पोल्का डॉट्स बहुत ही क्लासिक प्रिंट होता है। साड़ी में यह और भी ज्यादा अच्छा और ट्रेडिशनल लगता है। अगर आप भी इस त्योहार पर ऐसा अच्छा एथनिक लुक पाना चाहती हैं, तो आपको भी इस तरह की साड़ी में बहुत सारी वेराइटी मिल जाएगी।

फैशन टिप्स– पोल्का डॉट्स साड़ी के साथ एक प्लेन या हल्के डॉट्स वाला ब्लाउज आप पहन सकती हैं। पोल्का डॉट्स वाली साड़ी के साथ लाइट वेट ज्वेलरी आप पहन सकती है, एक स्टड पहन कर भी आप अपना लुक पूरा कर सकती हैं। पोल्का डॉट्स साड़ी के साथ आप लाइट मेकअप और न्यूड लिप्स का चयन करें। पोल्का डॉट्स साड़ी को ड्रेप करते समय इसे एक क्लासिक या स्लीक ड्रेप दे और पल्लू में प्लेट्स बना लें।

हरतालिका तीज के मौके पर प्लेन सलवार-सूट को फैंसी बनाने के लिए दुपट्टे के इन डिजाइंस को करें ट्राई

स्टाइलिश दिखना हम सभी को पसंद होता है। वहीं तीज–त्योहार के मौके पर हम ट्रेडिशनल लुक के कपड़ों को पहनते हैं। आजकल की बात करें तो प्लेन और सिंपल डिजाइन के सलवार–सूट को पहनना बेहद पसंद किया जाने लगा है। त्योहार की बात करें तो हरतालिका तीज आने वाली है। इस मौके पर सूट के साथ में ज्यादातर वर्क वाले या फैंसी दुपट्टों को स्टाइल किया जाने लगा है। तो आइये देखते हैं दुपट्टे के लेटेस्ट डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन दुपट्टों को स्टाइल करने के लिए आसान टिप्स–

लहरिया दुपट्टा डिजाइन

लाइट वेट में फैंसी दुपट्टा स्टाइल करना चाहती हैं तो इस तरह के लहरिया डिजाइन वाले दुपट्टे आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेंगे। आप चाहें तो घर में रखी पुरानी साड़ी की मदद से भी दुपट्टे को अपनी पसंद की लेंथ से कटवाकर इसमें गोटा–पट्टी वाली गोल्डन या कलरफुल लेस को लगवा सकती हैं। इस तरह से आप पुरानी साड़ी को भी रीसायकल कर पाएंगी और ज्यादा पैसे खर्च किए बिना लाइट वेट में फैंसी लुक पाएंगी।

मल्टी–कलर दुपट्टा डिजाइन

मल्टी कलर में आजकल कढ़ाई वर्क वाले पाकिस्तानी स्टाइल दुपट्टे चलन में है। इसमें बात अगर डिजाइन की करें तो रंगकाट पैटर्न आजकल सबसे ज्यादा स्टाइल किया जा रहा है। पार्टी वियर लुक के लिए इसे आप सिल्क सूट के साथ में स्टाइल कर सकती हैं। आप चाहें तो इसमें अलग से सीक्वेन भी लगवा सकती हैं। वहीं अगर आप और ज्यादा दुपट्टे को फैंसी बनाना चाहती हैं तो लेस वर्क जैसे गोटा–पट्टी के कई डिजाइंस आपको देखने को मिल जाएंगे।

मिरर वर्क दुपट्टा डिजाइन

मिरर वर्क दुपट्टे देखने में बेहद चमकदार और फैंसी लुक देने का काम करते हैं। इसमें आपको कई तरह के डिजाइंस और कलर कॉम्बिनेशन भी मिल जाएंगे। पाकिस्तानी से लेकर फुलकारी दुपट्टे में आपको इसके हैवी कढ़ाई वाले डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। बात अगर स्टाइलिंग की करें तो इसे आप किसी भी तरह के प्लेन सूट के साथ में पहन सकते हैं। इसके साथ में आप चांदबाली इयररिंग्स को कैरी कर सकती हैं।

केवल 5 मिनट में मेहंदी की ये सुंदर डिजाइंस हाथों पर लगाएं

त्योहार पर मेहंदी लगाने का वक्त नहीं मिल रहा है, मगर लगाने का मन भी हो रहा है तो आप भी लेख में दिखाए गए मेहंदी डिजाइंस को हाथों पर 5 मिनट में लगवा सकती हैं।

त्योहारों की झड़ी लगी हुई है। एक के बाद एक त्योहार आ रहे हैं। कजरी तीज का त्योहार अभी कुछ दिन पहले ही निकला है और अब हरतालिका तीज भी आने ही वाली है। यह महिलाओं का त्योहार है और इस पर्व पर वे सोलह श्रृंगार भी करती हैं। मेहंदी की बिना महिलाओं का श्रृंगार कहां पूरा होता है। ऐसे में अगर आप भी हरतालिका तीज पर हाथों पर कम समय में और आसानी से लगने वाली मेहंदी डिजाइन तलाश रही हैं, तो इस लेख में दिखाई गई मेहंदी डिजाइंस को देखें और जानें कि आप इन्हें कैसे हाथों पर कम समय में लगवा सकती हैं।

मिनिमल बेल मेहंदी डिजाइन

मिनिमल मेहंदी का क्रेज आजकल महिलाओं में बहुत देखा जा रहा है और इस तरह की मेहंदी को हाथों में लगाने में ज्यादा समय नहीं लगता है। आप बेल मेहंदी को भी मिनिमल अंदाज दे सकती हैं।

सिंपल बेल मेहंदी डिजाइन

आप हरतालिका तीज पर अपने हाथों को सुंदर दिखाने के लिए आप सिंपल बेल मेहंदी डिजाइन को लगा सकती हैं। इसमें कलाई पर जाल का डिजाइन क्रिएट किया जाता है। फिर फूल, पत्तियों और कोन डिजाइन बनाकर डिजाइन को क्रिएट किया जाता है। अब इसमें अलग–अलग डिजाइन और शेड करते हैं। उंगलियों पर सिंपल पत्तियों का डिजाइन क्रिएट करें। इससे आपका हाथ अच्छे लगेंगे। इस तरह की बेल को बनाने में आपको सिर्फ 15 मिनट का समय लगेगा।

मंडला आर्ट मेहंदी डिजाइंस

आपके हाथ छोटे हों या बड़े, पतले हों या मोटे हरतालिका तीज पर मंडला आर्ट मेहंदी डिजाइन आपके हाथों पर बहुत ही अच्छी लगेगी। इसे बनाने में आपको ज्यादा वक्त भी नहीं लगेगा। आप हथेली के बीचों–बीच गोल आकार में रेखा खींच कर अंदर और बाहर छोटी–छोटी आकृतियां बनाकर अपने मेहंदी डिजाइन को पूरा कर सकती हैं। बेस्ट बात तो यह है कि इस मेहंदी डिजाइन के साथ उंगलियों और कलाई पर थोड़ी घनी मेहंदी लगा सकती हैं। वहीं आपके पास समय कम हो तो केवल हथेली के बीच मेहंदी लगाकर भी मेहंदी को कंप्लीट कर सकती हैं।

जल मेहंदी डिजाइंस

जाल मेहंदी लगाना आसान है। इसके लिए आपको तय करना होगा कि आप फूलों, लकीरों या डॉट्स किसका जाल बनाना चाहती हैं। इसके बाद पूरे हाथों में वैसी ही जाल डिजाइन बनाएं और बाद में उस जाल को छोटी–छोटी डिजाइंस से भरें। इस तरह की मेहंदी में आप हथेली और उंगलियों में एक जैसी डिजाइन बना सकती हैं। आपको ज्यादा भरे–भरे हाथ चाहिए तो आप हाथों के आगे और पीछे दोनों तरफ जाल बनवा सकती हैं। अगर आपके हाथ छोटे और मोटे हैं, तो इस तरह की मेहंदी डिजाइन आपके हाथों को पतला और लंबा दिखाएगी।

पवित्र प्रतीक वाली डिजाइंस

शुभ अवसर और त्योहार पर आप भी हाथों में पवित्र हिंदू प्रतीकों वाली मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। यह न केवल दिखने में अच्छी लगेगी बल्कि अवसर के हिसाब से आपके हाथों को अच्छे लुक भी देगी। आप ओम, स्वास्तिक या त्रिशुल भी बनवा सकती हैं। यह सभी चिन्ह 5 मिनट से भी कम समय में बन सकते हैं। आप दोनों हाथों में अलग–अलग चिन्ह वाली मेहंदी डिजाइन भी लगा सकती हैं। अगर आपको थोड़ी हैवी मेहंदी डिजाइन पसंद है, तो छोटी–छोटी आकृतियों से हाथों को फिल कर सकती हैं।

गोल टिक्की मेहंदी डिजाइंस

हरतालिका तीज पर अगर आपको मेहंदी लगवानी है, मगर आपके पास समय नहीं हैं, तो आप खुद से घर पर गोल टिक्की मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। यह बहुत ही आसान होती है और इसे आप खुद से लगा सकती हैं। आप हाथों के बीच में बड़ी सी गोल टिक्की बनाएं और उसे आस–पास डॉट से हाथों को सजाएं। ऐसा करने से मेहंदी डिजाइन बहुत ही अच्छी लगती है और यह बहुत जल्दी लगती है। आप अपने दोनों हाथों में एक जैसी डिजाइन बनाकर उंगलियों की टिप को मेहंदी से कवर कर सकती हैं।

कमल के फूल वाली मेहंदी डिजाइंस

कमल का फूल हिंदू धर्म में सुख और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। अगर आप हाथों में केवल कमल का फूल ही बना लें, तब भी आपकी मेहंदी डिजाइन बहुत खूबसूरत लगेगी। वहीं उंगलियों को आप जाल मेहंदी डिजाइन से कवर कर सकती हैं। हरतालिका तीज पर इस तरह की मेहंदी डिजाइन बहुत ही कम समय में लग जाती हैं और दिखने में भी बहुत सुंदर लगती हैं।

जूनियर कराटे ग्रेडिंग परीक्षा में 170 खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूमः जापान कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया (जेकेएआई) झारखंड, पश्चिमी सिंहभूम के तत्वावधान में रविवार को संत जेवियर स्कूल चाईबासा के ऑडिटोरियम हॉल में एक दिवसीय जूनियर कलर बेल्ट कराटे ग्रेडिंग परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा में चाईबासा के विभिन्न विद्यालयों एवं कराटे प्रशिक्षण केंद्रों से जुड़े करीब 170 कराटेकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा के दौरान प्रतिभागियों की तकनीकी दक्षता, अनुशासन और शारीरिक क्षमता का आकलन किया गया। ग्रेडिंग के दौरान कराटेकारों से किहोन, काता और कुमीते के साथ शारीरिक एवं मौखिक परीक्षा भी ली गई। परीक्षा का संचालन जेकेएआई झारखंड के मुख्य कराटे प्रशिक्षक एवं परीक्षक पंकज कुमार सिंह, ब्लैक बेल्ट छठी डॉन जापान ने किया। उनके सहयोग में ब्लैक बेल्ट तृतीय डिग्री निरंजन कुमार दास और ब्लैक बेल्ट प्रथम डिग्री अंशु विश्वकर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परीक्षा में संत जेवियर कल्याण केंद्र, संत जेवियर बालक विद्यालय, संत जेवियर इंग्लिश स्कूल, डीएवी स्कूल, संत विवेका स्कूल, संत जेवियर्स हाई स्कूल लुपुंगुटू, बाल मंडली नीमडीह और आरबीएस स्कूल असुरा के कराटेकार शामिल हुए। विभिन्न श्रेणियों में सफल कराटेकारों में 9वीं क्यू रेड बेल्ट में आरव गुप्ता, धनजी गोप, घनश्याम हेस्सा, अमृत खलको, अनिश देवगम, अंशुमन मुनदुईया, कृष्णा गोप, नरेंद्र बिरूली, आरिषी कुमारी, वीवान बक्शी, लेखराज लमाय, आरव देवगम, शुद्ध आत्मा नंदन प्रधान, अनीश मोहंती, प्रिंस जयराम तमसोय, निशिका तमसोय, मुस्कान गोप, श्रद्धा कोड़ा, आरोही कुमारी, शिशिर सिरका, इमरान पूर्ति, अनाया हेंब्रम, समीक्षा सिंकू, करमजीत गागराई, नोयेल प्रिंस कुदादा, मीनाक्षी सुंडी, खुशबू होनहागा, यशवीर ठाकुर, जयललिता वोयपाई, जोशुआ रिचर्ड, दिव्या कालुंडिया, मयूरी कालुंडिया, अर्णव विश्वकर्मा, युवराज नमाता और रियाना सुंडी शामिल हैं। 8वीं क्यू ऑरेंज बेल्ट में दामु बिरूली, वीर सिंह आल्डा, समीर बारी, सुनील बिरूली, सरस्वती बिरूली, पद्ममुनी बारी, मोहन गोप, मनजीत मुनदुईया, अंकित बारी, शनि बारी, जसलीन गोप, अनीता बिरूली, स्नेहा सुंडी, कृष्णा दिग्गी, रोहित समड, विजय सुंडी, रितिका कुमारी, पीहू कुमारी, नारंगा सिंह कुंटिया, शौर्य कुमार महतो, दैविक दत्ता, सुरेश बारी, जय नायक, विष्णु भगवान मेलगांडी, आसियानी सवैंयाँ, अंशुमान नायक, सुजय बी. कुमार, एंजेल वारी, डोली सवैंयाँ, अर्पिता प्रजापति, जस्टिन रिचर्ड, प्रभा इंजल पूर्ति, नारायण जारिका, अननया चौधरी, अनुराग निषाद और अक्षज कुमार सिन्हा सफल रहे। 7वीं क्यू येलो बेल्ट में चंद्रप्रभा सिंकू, नारंगा सिंह कुंटिया, लक्ष्य कुमार, एशलीन हेंब्रम, करण सोय, ईसावी तानया, एमडी समर, लखन जारिका, नारायण जारिका, तनुजा मछुवा, नंदिनी मछुवा और अंगद रजक ने सफलता हासिल की। 6वीं क्यू ग्रीन बेल्ट में तृप्त कुमार पान, रितीका बिरुवा, साकची किरण सुम्बुरुई, सिद्धार्थ अमन लागुरी, मनीषा सरदार, तनुज ईंगुल गागराई, पंकज पाड़िया, कल्पना दास, विजय सिंह कोड़ा, आदरिजा डे, सानवी ईचागुटू, श्याम नारायण केराई, मिसीका सवैंयाँ, जीत सवैंयाँ, नाव्या निष्ठा, कृष्णा सवैंयाँ, यशवंत बारी, जिमीत लागुरी, मिस्टी दास और सरीना बारी सफल हुए। 5वीं क्यू पर्पल बेल्ट में विजय सिंह कोड़ा, एंजेल सरदार, आशीष कुमार सिन्हा, एंजेलिना पुरती, आलोक तापे, गौतम सुरीन, एलीना कालुंडिया, मयूरी सुम्बुरुई, खुशी किरण तीयू, अर्पित सुम्बुरुई, सौरव सवैंयाँ, बलवावन सवैंयाँ, दिशानी हेंब्रम, अर्पिता गरनायक, समीर सवैंयाँ, परिधि लागुरी, विशाखा सवैंयाँ, कुशल करवा, रिमील कालुंडिया, विराज गोप, चिराग गोप, कुणाल मुंडा, बामिया देवगम और विद्या बिरूवा ने सफलता पाई। 4वीं क्यू पर्पल स्ट्राइप बेल्ट में श्याम पिंगुवा, हर्षित डोगरा, आरव कुमार, अभनी मालहो हेंब्रम, रमन बिरूली, स्तुति मींज, कुशल करवा और सौरभ बिरूवा सफल रहे।

एनएच-39 पर दो अंडरपास के निर्माण का रास्ता साफ, 3.43 करोड़ का एस्टीमेट तैयार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पलामूः पलामू जिले से गुजरने वाले रांची-वाराणसी ग्रीनफील्ड कॉरिडोर (एनएच-39) पर पोखराहा और जोड़ में अंडरपास/फ्लाईओवर निर्माण को लेकर बड़ी पहल सामने आई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा ने सांसद विष्णु दयाल राम को पत्र भेजकर बताया है कि इन दोनों स्थानों पर यातायात सुविधा के लिए निर्माण प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। 31 अगस्त 2026 को भेजे पत्र में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अंडरपास (वीयूपी) यानी वाहनों के आवागमन के लिए सड़क के नीचे बनाया जाने वाला मार्ग के निर्माण के लिए पोखराहा गांव के पास किलोमीटर 165+700 तथा एलवीयूपी (लिमिटेड वर्टिकल क्लियरेंस अंडरपास) यानी सीमित ऊंचाई वाले वाहनों के लिए बनाया जाने वाला अंडरपास के लिए जोड़ गांव के पास किलोमीटर 169+023 को चिन्हित किया गया है। इन दोनों अंडरपासों के निर्माण के लिए आवश्यक रेलवे ट्रांसमिशन लाइन को ऊपर उठाने की जरूरत है।

फोस्टर केयरः चार बेसहारा बच्चों को मिला नया जीवन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूमः पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन की ओर से मिशन वात्सल्य के तहत संचालित फोस्टर केयर योजना बेसहारा और अनाथ बच्चों के जीवन में बदलाव लाने का माध्यम बन रही है। इसी पहल के तहत मनोहरपुर प्रखंड के सारंडा क्षेत्र के एक गांव के चार बेसहारा बच्चों को परिवार आधारित देखभाल का सहारा मिला है। इनमें एक बालिका और तीन बालक शामिल हैं। फोस्टर केयर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के मामले में पश्चिमी सिंहभूम जिला पूरे राज्य में प्रथम स्थान पर है। जानकारी के अनुसार बच्चों के पिता की मृत्यु के बाद उनकी मां किसी तरह चारों बच्चों का पालन-पोषण कर रही थीं। बाद में मां की भी मृत्यु हो गई। माता-पिता का साया उठने के बाद बच्चों के सामने भोजन, सुरक्षा, शिक्षा और देखभाल का गंभीर संकट खड़ा हो गया। परिवार में मौजूद वृद्ध दादी भी उम्र और परिस्थितियों के कारण बच्चों की समुचित देखभाल करने में सक्षम नहीं थीं। मामले की जानकारी जिला बाल संरक्षण इकाई को मिलने के बाद बच्चों को परिवार आधारित देखभाल उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। गैर-संस्थागत देखभाल पदाधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार तिवारी ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। बच्चों की संस्कृति, परंपरा और सामाजिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए उनके लिए उपयुक्त फोस्टर परिवार की तलाश की गई। बाल कल्याण समिति तथा गांव स्तर पर हुई बैठकों और जांच के बाद मनोहरपुर प्रखंड के धानापाली गांव निवासी सुखदेव टोप्पो और उनकी पत्नी दयन्ती खलखो को फोस्टर परिवार के रूप में चुना गया। फोस्टर परिवार में आने के समय चारों बच्चों की स्थिति चिंताजनक थी। उन्हें नियमित दिनचर्या और स्वच्छता का पर्याप्त ज्ञान नहीं था तथा वे कुपोषण से भी प्रभावित थे। फोस्टर परिवार और जिला बाल संरक्षण इकाई के निरंतर प्रयास से बच्चों को नियमित भोजन, स्वच्छता, शिक्षा, खेलकूद, योग और व्यायाम का बेहतर वातावरण मिला। उनका नजदीकी सरकारी प्राथमिक विद्यालय में नामांकन कराया गया। करीब तीन माह के भीतर बच्चों के व्यवहार और दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगा। उन्होंने हिंदी बोलना सीखा और फोस्टर परिवार के सदस्यों को मां-पापा कहकर संबोधित करने लगे। लगभग छह माह के भीतर चारों बच्चे कुपोषण से मुक्त हो गए। उनके अक्षर ज्ञान, भाषा ज्ञान और सामाजिक व्यवहार में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ। बच्चों की खेलकूद, व्यायाम, योग और संगीत में रुचि बढ़ी। रविवार को उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि अनाथ और बेसहारा बच्चों को केवल संरक्षण देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित पारिवारिक वातावरण, स्नेह, शिक्षा, पोषण और सम्मान के साथ बचपन उपलब्ध कराना जरूरी है।

मरीज को खटिया पर ढोकर अस्पताल ले जाने का वीडियो वायरल

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम के नोवामुंडी प्रखंड से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और सड़क सुविधाओं की बदहाल स्थिति को उजागर करने वाला वीडियो सामने आया है। सात सितंबर के बताए जा रहे वीडियो में चार ग्रामीण एक बीमार व्यक्ति को खटिया पर उठाकर ले जाते नजर आ रहे हैं। मरीज की पहचान बोकना गांव के तिरिलपी टोला निवासी मणकी सिद्धू के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार तिरिलपी टोला तक पक्की सड़क नहीं है। टोला के समीप नदी पर बनी छोटी पुलिया बारिश के दौरान जलस्तर बढ़ने पर डूब जाती है। इसके कारण ग्रामीणों का संपर्क बाधित हो जाता है। गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के लिए करीब तीन किलोमीटर तक खटिया पर ढोकर ले जाना पड़ता है। मणकी सिद्धू को भी इसी तरह पहले खटिया से मुख्य मार्ग तक लाया गया और फिर वाहन से नोवामुंडी अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें चाईबासा रेफर कर दिया, लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार उन्हें आगे नहीं ले जा सका। इलाज का खर्च जुटाने में असमर्थ परिजन 10 सितंबर को उन्हें वापस गांव ले आए। इस मामले को लेकर पूर्व मंत्री सह पूर्व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुंवर गागराई ने रविवार को प्रेस वार्ता कर सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि नोवामुंडी देश-विदेश में खनन क्षेत्र के लिए जाना जाता है और यहां टाटा और सेल जैसी कंपनियां कार्यरत हैं, लेकिन खनन क्षेत्र के आसपास रहने वाले ग्रामीण आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। गागराई ने डीएमएफटी और सीएसआर फंड के इस्तेमाल पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि इन योजनाओं का सही उपयोग हो रहा होता तो ग्रामीणों को मरीज खटिया पर ढोकर ले जाने को विवश नहीं होते। उन्होंने सड़क, पुलिया, अस्पताल और 108 एंबुलेंस व्यवस्था में सुधार की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो भाजपा आंदोलन करेगी और आवश्यकता पड़ने पर मामला लोकसभा, राज्यसभा तथा सर्वोच्च न्यायालय तक ले जाया जाएगा।

पलामू में एक ही नंबर की दो बाइक बरामद, दो गिरफ्तार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पलामू :पलामू जिले की नावाजयपुर थाना पुलिस ने एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर की दो बाइक रखकर धोखाधड़ी करने के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने चुरादोहर गांव में छापेमारी कर दो हीरो स्प्लेंडर प्रो बाइक बरामद की हैं। दोनों बाइक पर एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर (जेएच03 एम-4179) अंकित था। मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि चोरी की बाइक बेचने का आरोपित फरार है। पाटन अंचल के पुलिस निरीक्षक सुरेश कुमार मंडल ने रविवार को बताया कि 12 सितंबर को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चुरादोहर निवासी जितेंद्र सिंह (44) के घर में एक ही नंबर की दो बाइक रखी हुई हैं। सूचना के सत्यापन के बाद उनके और नावाजयपुर थाना प्रभारी सतीश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने जितेंद्र सिंह के घर पर छापेमारी कर दोनों बाइक बरामद कर लीं। पुलिस पूछताछ में जितेंद्र सिंह ने बताया कि बरामद दोनों बाइकों में एक उसकी अपनी है, जबकि दूसरी बाइक उसने अपने पड़ोसी उमेश सिंह के माध्यम से उसके रिश्तेदार सचिता महतो से 25 हजार रुपये में खरीदी थी। पुलिस के अनुसार, चोरी की बाइक की पहचान छिपाने के उद्देश्य से उस पर जितेंद्र की बाइक का नंबर प्लेट जेएच 03एम-4179 लगा दिया गया था।

दुलाल भुइयां फिर बने पूर्वी सिंहभूम सेंट्रल दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष,ललन यादव को महासचिव की जिम्मेदारी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम; पूर्वी सिंहभूम सेंट्रल दुर्गा पूजा समिति की वार्षिक आमसभा रविवार को पुराना कोर्ट के समीप स्थित पर्यटन सूचना केंद्र के सभागार में हुई। समिति के अध्यक्ष एवं झारखंड सरकार के पूर्व भू-राजस्व मंत्री दुलाल भुइयां की अध्यक्षता में आयोजित आमसभा में जिले के दोनों अनुमंडलों और 11 प्रखंडों की करीब 350 दुर्गा पूजा समितियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। आमसभा में सर्वसम्मति से दुलाल भुइयां को पुनः समिति का अध्यक्ष और ललन यादव को महासचिव चुना गया। इसके बाद महासचिव ने समिति के विस्तारित संगठन में शामिल पदाधिकारियों एवं सदस्यों के नामों की घोषणा की। पूजा समितियों की समस्याओं के समाधान और प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय के लिए 11 सदस्यीय कोर कमिटी का भी गठन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए दुलाल भुइयां ने कहा कि शहरी क्षेत्रों के साथ सुदूर ग्रामीण इलाकों में आयोजित होने वाली दुर्गा पूजा को सफल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना समिति की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष लंबित पूजा लाइसेंस जारी कराने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके अलावा टाटा स्टील सहित उन कॉरपोरेट संस्थानों से सहयोग का आग्रह किया जाएगा, जो वर्षों से पूजा समितियों को सहयोग करते रहे हैं। महासचिव ललन यादव ने पिछले कार्यकाल का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि समिति ने संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर पूजा समितियों की समस्याओं के समाधान का प्रयास किया। बिजली, पेयजल और पूजा मैदानों के समतलीकरण समेत कई महत्वपूर्ण कार्य कराए गए। वरीय उपाध्यक्ष आशीष गुप्ता ने कहा कि कई इलाकों में अब भी सड़क और संपर्क मार्गों की स्थिति खराब है। ऐसे स्थानों पर पूजा के दौरान आवागमन सुचारु रखने के लिए टाटा स्टील से स्लैग गिराने का आग्रह किया जाएगा। उन्होंने पूजा पंडालों के सामने से गुजरने वाले बिजली के तारों को समय रहते दुरुस्त कराने, चलंत बायो टॉयलेट उपलब्ध कराने और ग्रामीण क्षेत्रों के विसर्जन घाटों की व्यवस्था सुधारने की मांग प्रशासन के समक्ष रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि विसर्जन मार्गों पर पेड़ों की छंटाई कराने और पूजा के दौरान विशेष महिला पुलिस बल की तैनाती की मांग भी प्रशासन से की जाएगी। कार्यक्रम में स्वागत भाषण वरीय उपाध्यक्ष अधिवक्ता विनीता मिश्रा ने दिया, जबकि संचालन संयुक्त सचिव डॉ. श्याम शर्मा ने किया।

संक्षिप्त खबरें

युवक का शव बरामद, एक हिरासत में

पूर्वी सिंहभूमः पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा थाना क्षेत्र के गोबरघुसी पंचायत अंतर्गत सारी गांव में रविवार सुबह कलवर्ट के नीचे युवक का खून से लथपथ शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 27 वर्षीय मनोहर माझी, पिता लम्बोदर माझी के रूप में हुई है। पुलिस को आशंका है कि युवक की धारदार हथियार से हमला कर हत्या की गई है। उसके सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं और घटनास्थल पर काफी खून भी पाया गया है। बताया गया कि मनोहर माझी शनिवार रात सारी गांव निवासी सुशील सिंह के घर आयोजित मनसा पूजा के रात्रि जागरण कार्यक्रम जांत मंगल में अन्य कलाकारों के साथ शामिल हुआ था। रात करीब दो बजे वह कार्यक्रम में शामिल टीम के 55 वर्षीय सदस्य दुर्लभ सिंह के साथ शराब पीने के लिए गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर बूढ़ीगोड़ा टोला स्थित महुआ शराब की भट्ठी पर गया था। शराब पीने के बाद दोनों पैदल वापस लौट रहे थे। इसके बाद मनोहर अपने घर नहीं पहुंचा, जबकि दुर्लभ सिंह नशे की हालत में अपने घर चला गया। रविवार सुबह तालाब के किनारे शौच के लिए गए ग्रामीणों की नजर कलवर्ट के नीचे पड़े शव पर पड़ी। शव खून से लथपथ था। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। पटमदा थाना प्रभारी विष्णु चरण भोगटा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए शीतगृह में रखवा दिया है। मामले में पुलिस ने दुर्लभ सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हालांकि पूछताछ में उसने हत्या में अपनी संलिप्तता से इनकार किया है। उसका कहना है कि वह अत्यधिक नशे में था और उसे घटना के संबंध में कोई जानकारी नहीं है। उसने पुलिस को बताया कि मनोहर से उसकी कोई दुश्मनी नहीं थी और दोनों के बीच उस रात किसी प्रकार का विवाद भी नहीं हुआ था। पुलिस घटनास्थल और आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ ही हत्या के कारणों और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। मनोहर माझी विवाहित था और उसके परिवार में पत्नी, दो बच्चे तथा माता-पिता हैं। वह जमशेदपुर में ठेका मजदूर के रूप में काम करता था। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों तथा हत्या की परिस्थितियों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

युवाओं के भविष्य पर राजनीति नहीं, भाजपा तथ्य सामने रखे : बुधराम लागुरी

पश्चिमी सिंहभूमः जेपीएससी-जेएसएससी की प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर भाजपा की ओर से चाईबासा में किए गए प्रदर्शन पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी ने रविवार को प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भाजपा को युवाओं के भविष्य की चिंता है तो आरोप लगाने के बजाय नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़े ठोस तथ्य जनता के सामने रखने चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी परीक्षा या नियुक्ति में शिकायत अथवा अनियमितता का प्रमाण मिलता है तो सरकार उसकी जांच कर दोषियों पर कार्रवाई के लिए तैयार है। बुधराम लागुरी ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार युवाओं को रोजगार और पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा को केंद्र में अपने लंबे शासनकाल के दौरान बेरोजगारी और प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी समस्याओं से निपटने के लिए उठाए गए कदमों का भी हिसाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों की शिकायतों को सरकार गंभीरता से लेती है, लेकिन हर नियुक्ति प्रक्रिया को राजनीतिक मुद्दा बनाना उचित नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के परिवार के साथ अन्याय संबंधी बयान पर उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों के बच्चों की शिक्षा और रोजगार की चिंता सभी की जिम्मेदारी है। युवाओं को राजनीतिक भाषण नहीं, बल्कि पारदर्शी प्रक्रिया, समयबद्ध नियुक्ति और रोजगार के अवसर चाहिए। उन्होंने भाजपा से ठोस प्रमाण सार्वजनिक करने की मांग की।

330 लीटर अवैध देशी शराब बरामद, बोलेरो समेत दो आरोपित गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम :बागबेड़ा थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाकर 330 लीटर देशी शराब बरामद की है। पुलिस ने शराब तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बोलेरो को जब्त करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान भुईयाडीह ग्वाला बस्ती निवासी विकास विशाल उर्फ छोटू (31) और धीरेन तांती उर्फ पिंटू के रूप में हुई है। रविवार को पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) विधि व्यवस्था सुमित कुमार ने प्रेसवार्ता में बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को सूचना मिली थी कि बागबेड़ा थाना क्षेत्र के जगन्नाथपुर मोड़ से बोलेरो के जरिए देशी शराब की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने जगन्नाथपुर मोड़ स्थित शिव मंदिर के पास वाहन जांच शुरू की। डीएसपी ने बताया कि करीब 2.15 बजे काले रंग की बोलेरो (जेएच 05डी 0736) वहां पहुंची। पुलिस को देखते ही चालक वाहन लेकर भागने का प्रयास करने लगा। हालांकि, पुलिस बल ने पीछा कर बोलेरो को रोक लिया। तलाशी के दौरान वाहन की बीच और पीछे की सीटों पर रखे 11 बोरों से कुल 330 लीटर अवैध देशी शराब बरामद हुई। वाहन में सवार दोनों आरोपितों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपितों के पास से दो मोबाइल फोन और 7,550 रुपये नकद भी बरामद किए हैं। डीएसपी ने बताया कि शराब के अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। मामले में बागबेड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। छापामारी अभियान में डीएसपी विधि व्यवस्था सुमित कुमार, बागबेड़ा थाना प्रभारी उमेश ठाकुर, पुलिस अवर निरीक्षक जेवियर होरो, अरुण कुमार सहित पुलिसकर्मी और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज दुनिया भारत का उदय देख रही है : मुख्यमंत्री

एजेंसी

पटना :मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को यहा पटना में सहायक प्रध्यापकों के कार्यक्रम को समबोधित करते हुए कहा कि बिर्क्स शिखर सम्मेलन से प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज दुनिया भारत का उदय देख रही है। भारत अब वैश्विक मुद्दों पर केवल अपनी बात रखने वाला देश नहीं, बल्कि दुनिया को दिशा देने और साझा समाधान प्रस्तुत करने वाली महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिर्क्स शिखर सम्मेलन में भारत की अध्यक्षता ने इस बढ़ती वैश्विक भूमिका को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में शांति, सहयोग और संवाद की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। बिर्क्स देशों द्वारा बहुपक्षवाद, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और अधिक न्यायपूर्ण एवं संतुलित वैश्विक व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त किया जाना पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण संदेश है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की अध्यक्षता में आयोजित 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी नेतृत्व की एक ऐतिहासिक मिसाल बनकर उभरा है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी कुशल कूटनीति से सभी सदस्य देशों को एक मंच पर लाकर सर्वसम्मति से 'नई दिल्ली घोषणापत्र को पारित कराया, जो भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव का प्रतीक है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक संस्थाओं में सुधारों की वकालत कर 'ग्लोबल साउथ' की आवाज को मजबूती से बुलंद किया। उनके नेतृत्व में ब्रिक्स ने वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए सुरक्षित और निरंतर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही, उन्होंने प्राचीन धरोहरों को मूल देशों में वापस लाने का संकल्प शामिल कराकर सांस्कृतिक संप्रभुता का सम्मान सुनिश्चित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में भारत और ब्राजील की स्थायी सदस्यता के समर्थन से वैश्विक शासन व्यवस्था में विकासशील देशों की बढ़ती भूमिका को बल मिला है। भारत लंबे समय से अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, लोकतांत्रिक और वर्तमान वैश्विक वास्तविकताओं के अनुरूप बनाने की आवश्यकता पर जोर देता रहा है। मुख्यमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ बिर्क्स देशों के स्पष्ट और दृढ़ रुख का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा और आतंकवाद के सभी रूपों एवं तरीकों के विरुद्ध कार्रवाई की प्रतिबद्धता आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता का महत्वपूर्ण संदेश है। आतंकवाद की फंडिंग, आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही और उन्हें सुरक्षित पनाहगाह उपलब्ध कराने वालों के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ती अनिश्चितता के बीच नियम आधारित, खुली और निष्पक्ष व्यापार व्यवस्था समय की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, क्वांटम तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में बिर्क्स देशों के बीच सहयोग भविष्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा। भारत की तकनीकी क्षमता और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के अनुभव से विकासशील देशों को व्यापक लाभ मिल सकता है।

मुंगरार गांव में नशामुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम

एजेंसी

सुपौलः सदर प्रखंड की बैरिया पंचायत के मुंगरार गांव में ह्यनशा मुक्त भारत अभियानह्ल के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने और स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन अपनाने की अपील की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। नशामुक्त समाज के निर्माण से स्वस्थ शरीर, शांत मस्तिष्क, मजबूत परिवार, बेहतर भविष्य और समृद्ध समाज की नींव मजबूत होती है। वक्ताओं ने युवाओं से विशेष रूप से नशे से दूर रहने और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आन किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा परिवार, समाज और आसपास के लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भुवनेश्वरी प्रसाद यादव ने की। मौके पर बैरिया पंचायत के मुखिया तुलाई पासवान, पंचायत समिति सदस्य अशोक साह, उपमुखिया जय कृष्ण झा, पूर्व उप प्रमुख देवेंद्र यादव सहित पंचायत के जनप्रतिनिधि, मुंगरार गांव के ग्रामीण, नशामुक्ति अभियान से जुड़े सदस्य, गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

गंडक कटाव का एसडीएम ने लिया जायजा, बाढ़ विशेषज्ञों ने सुझाए बचाव के उपाय

एजेंसी

पश्चिम : बगहा अनुमंडल के मधुबनी प्रखंड के चिउरही पंचायत अंतर्गत रेवहिया रेता में गंडक नदी द्वारा लगातार किए जा रहे कटाव को लेकर रविवार को अनुमंडल पदाधिकारी बगहा चांदनी कुमारी ने स्थल निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। नदी के बढ़ते कटाव से प्रभावित क्षेत्र में ग्रामीणों की चिंताओं को देखते हुए प्रशासन ने कटावरोधी उपायों को लेकर विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा की। निरीक्षण के दौरान पटना से पहुंचे बाढ़ विशेषज्ञ अब्दुल हमीद एवं उनकी टीम ने कटाव प्रभावित स्थल का तकनीकी निरीक्षण किया। उनके साथ बाढ़ प्रमंडल बगहा के कार्यपालक अभियंता, मधुबनी अंचल के अंचलाधिकारी नंदलाल राम, पंचायत के जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौंजूद रहें। बाढ़ विशेषज्ञ टीम ने गंडक नदी की धारा, कटाव की स्थिति और प्रभावित भू-भाग का जायजा लेते हुए कटाव को नियंत्रित करने के विभिन्न उपायों पर अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। इस दौरान ह्यहाथी पांवह्ल तकनीक सहित अन्य प्रभावी कटावरोधी उपायों के इस्तेमाल पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप नदी की धारा को नियंत्रित करने और कटाव की गति को कम करने के लिए आवश्यक तकनीकी उपाय अपनाने पर जोर दिया। एसडीएम चांदनी कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कटाव की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाय तथा प्रभावित क्षेत्र में बचाव कार्य में किसी प्रकार की देरी नहीं हो।

ब्राउन शुगर के साथ महिला गिरफ्तार, एक किशोर भी निरुद्ध

एजेंसी

भागलपुर: जिले में युवाओं को नशे के चंगुल से बचाने और मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे स्वस्थ युवा स्वस्थ भागलपुर महाअभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। ईशाकचक थाना क्षेत्र के हरिजन टोला भीखनपुर (गुमटी नंबर-02) में छापेमारी कर पुलिस ने 164.62 ग्राम ब्राउन शुगर और दो डिजिटल तराजू बरामद किए हैं। मौके से एक महिला को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक विधि-विरुद्ध बालक (किशोर) को निरुद्ध किया गया है। वहीं, मुख्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। एसडीपीओ सिटी-1 ने रविवार को इस बड़ी कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार और नगर पुलिस अधीक्षक की निगरानी में जिले के विभिन्न हॉट-स्पॉट पर लगातार छापेमारी की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ईशाकचक थाना क्षेत्र के हरिजन टोला भीखनपुर निवासी प्रवेश कुमार दास अपने परिवार के साथ मिलकर घर से ही अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री और तस्करी का धंधा चला रहा है। सूचना के सत्यापन और त्वरित कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नगर-01 और ईशाकचक थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

युवाओं की ऊर्जा को संघनित कर परिवर्तनगामी बनाना कार्यशाला का उद्देश्यः उदय

एजेंसी

भागलपुर: भागलपुर के कला केंद्र में रविवार को 'परिधि' संस्था द्वारा ₹युवा नेतृत्व एवं दृष्टि निर्माण कार्यशाला₹ का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कहलगांव, मक्खातकिया, नवगछिया और भागलपुर शहरी क्षेत्र के लगभग 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से अधिकांश मछुआ समाज से थे। कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए परिधि के निदेशक उदय ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा को संघनित कर परिवर्तनगामी बनाना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। इस प्रक्रिया के तहत लगातार नियमित प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने समाज में प्रचलित विभिन्न शब्दावलियों जैसे समाजवाद, पूंजीवाद, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और रूढ़िवाद आदि विषयों पर विस्तार से समूह चर्चा का संचालन किया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित गांधी विचार विभाग के प्राध्यापक डॉ. उमेश नीरज ने 'विशेष अवसर' की अवधारणा और इसके लिए संविधान सभा में हुई बहस की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों का जिक्र करते हुए बताया कि हमारे संविधान ने सभी को बराबर अवसर प्रदान करने हेतु कई बार अपने संकल्पों को दोहराया है। डॉ. नीरज ने महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले द्वारा वर्ष 1848 में लड़कियों के लिए स्थापित पहले विद्यालय का उल्लेख करते हुए कहा कि महात्मा गांधी, डॉ. आंबेडकर के पूना पैक्ट से पहले भी कई समाज सुधारकों ने सामाजिक एकता, सम्मान, छुआछूत, जात-पात और धार्मिक अंधविश्वास के खिलाफ आंदोलन चलाए। इन्हीं आंदोलनों का असर था कि संविधान में सामाजिक एकता, बराबरी और मानवीय गरिमा के लिए कानूनी प्रावधान किए गए। लिंग भेद पर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप की सामाजिक व्यवस्था पितृसत्तात्मक है। हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 2005 के तहत पुत्र और पुत्री दोनों को पैतृक संपत्ति में बराबर का अधिकार मिलने के बावजूद समाज आज भी बेटियों को उनका हक देने को तैयार नहीं है। वक्ताओं ने उदाहरण देते हुए समझाया कि यदि किसी व्यक्ति का दायां हाथ मजबूत और बायां हाथ कमजोर हो, तो उसे मजबूत नहीं बल्कि विकलांग कहा जाएगा। ठीक इसी प्रकार, जिस समाज में महिलाएं दोयम दर्जे की होती हैं, वह समाज भी विकलांग हो जाता है। युवा वर्ग ही इस भेदभाव की खाई को पाट सकता है। कार्यक्रम में प्रतिभागी राहुल ने धर्मनिरपेक्षता को भारत की आत्मा बताते हुए कहा कि संविधान में शामिल होने से पूर्व से ही भारत के लोग इसे अपने व्यवहार में अमल में ला रहे हैं। एक ही परिवार में खान-पान और अलग-अलग देवी-देवताओं की मान्यताओं के बावजूद सब एक-दूसरे का सम्मान करते हैं, यही विविधता में एकता और धर्मनिरपेक्षता है। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से संस्कृति और धार्मिक स्वतंत्रता के अंतर को भी स्पष्ट किया। कार्यशाला का निष्कर्ष साझा करते हुए कहा गया कि युवाओं में नेतृत्व का विकास तभी संभव है जब वे समाज, धर्म, राष्ट्रीय एकता, मानवीय गरिमा और बराबरी की बात को गहराई से समझेंगे

कार्यपालक सहायकों के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं, अक्टूबर से राज्यव्यापी आंदोलन

एजेंसी

सीवानः बिहार राज्य कार्यपालक सहायक सेवा संघ, जिला इकाई सीवान की बैठक रविवार को पत्रकार भवन में हुई। अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष आजाद मिश्र ने की। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों एवं प्रखंडों में कार्यरत सैकड़ों कार्यपालक सहायकों ने भाग लिया। इस दौरान संगठन को प्रखंड एवं अनुमंडल स्तर तक मजबूत करने के साथ लंबित मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गयी।

बैठक में सेवा-सुरक्षा, मानदेय पुनर्निर्धारण, ईपीएफ, अवकाश एवं अन्य वैधानिक सुविधाएं, स्वास्थ्य बीमा, कॉरपोरेट सैलरी पैकेज तथा नियमितीकरण जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। संघ ने कहा कि वर्षों से लंबित मांगों पर अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा. सरकार को ठोस निर्णय लेना होगा।

संघ ने अगले 15 दिनों में जिले के सभी प्रखंड एवं अनुमंडल स्तर पर संगठन का विस्तार करने का निर्णय लिया। साथ ही सभी विभागों में कार्यरत कार्यपालक सहायकों के लिए समूह स्वास्थ्य बीमा और कॉरपोरेट सैलरी पैकेज लागू करने की मांग उठाने का फैसला किया गया। कार्यपालक सहायकों को हटाकर आउटसोर्सिंग के माध्यम से कर्मियों की सेवा लेने की किसी भी कोशिश का विरोध करने की चेतावनी दी गयी। वक्ताओं ने कहा कि कार्यपालक सहायक वर्षों से सरकारी विभागों में ऑनलाइन एवं कंप्यूटरीकृत सेवाओं के संचालन, विभिन्न पोर्टल पर डाटा कार्य और आरटीपीएस जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के क्रियान्वयन में भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद उनकी सेवा-सुरक्षा को लेकर स्पष्ट नीति नहीं बनना चिंता का विषय है। जिला उपाध्यक्ष आजाद मिश्र ने कहा कि मानदेय पुनर्निर्धारण का मामला लंबे समय से लंबित है। उन्होंने बताया कि 26 अगस्त 2025 की 36वीं शासी परिषद की बैठक में मानदेय पुनर्निर्धारण पर अगली बैठक में प्राथमिकता से विचार करने का निर्णय हुआ था। 6 अक्टूबर 2025 को अपर मुख्य सचिव-सह-मिशन निदेशक, बीपीएसएमएस के साथ वार्ता में मानदेय वृद्धि का आश्वासन मिला। वहीं 10 दिसंबर 2025 की 37वीं शासी परिषद की बैठक में तीन माह में अनुशंसा के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित की गयी, लेकिन अब तक ठोस निर्णय नहीं हुआ। बैठक में बैजनाथ कुमार ने नियोजन से ह्यसंविदाशब्द हटाने, आकाश गुप्ता ने योजना अवधि की बाध्यता समाप्त करने, अभिषेक सिंह ने स्थायी पद सृजन, रंजीत पाण्डेय ने आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति, दीपक कुमार ने शैक्षणिक योग्यता इंटरमीडिएट करने तथा विवेक मिश्रा ने कार्यरत विभाग में ही समायोजन कर स्थायीकरण की मांग उठायी। आजाद मिश्र ने कहा कि अक्टूबर 2026 से राज्य संघ के आह्वान पर कार्यपालक सहायक राज्यव्यापी आंदोलन में शामिल होंगे. जरूरत पड़ी तो पटना में भी आंदोलन किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि करीब 15 वर्षों से संविदा पर सेवा देने के बावजूद भविष्य अनिश्चित है ।सरकार से सेवा-सुरक्षा, मानदेय पुनर्निर्धारण, पद सृजन, विभागीय समायोजन और नियमितीकरण पर समयबद्ध नीति बनाने की मांग की गयी।

संक्षिप्त खबरें

एसएसबी और जोगबनी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 210 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

अररिया : एसएसबी 56वीं वाहिनी बथनाहा और जोगबनी थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में रविवार दोपहर को 210 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। सूचना के आधार पर एसबीसी 56वीं वाहिनी की एफ समवाय जोगबनी और स्थानीय थाना पुलिस द्वारा चलाए गए संयुक्त गश्ती अभियान के दौरान भारत-नेपाल सीमा स्तंभ संख्या 180/01 के पास इंद्रानगर, टिकूलिया बस्ती के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका गया।मादक पदार्थ जांच किट द्वारा की गई जांच एवं गहन तलाशी के दौरान उक्त व्यक्तियों के पास से 210 ग्राम ब्राउन शुगर, एक अपाचे मोटरसाइकिल,एक मोबाइल बरामद किया गया। गिरफ्तार तस्कर बसमतिया थाना क्षेत्र के बेला गांव निवासी 21 वर्षीय देव कुमार शर्मा पिता उपेंद्र शर्मा और 18 वर्षीय महेश कुमार शर्मा पिता बैजनाथ शर्मा है। प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार तस्करों ने बताया कि जब्त सामग्री को टिकूलिया बस्ती से लाकर बेला पहुंचाने की योजना थी। बरामद ब्राउन शुगर, मोटरसाइकिल व मोबाइल सहित दोनों गिरफ्तार व्यक्तियों को आगे की कानूनी कार्रवाई और कांड दर्ज कराने हेतु जोगबनी पुलिस थाना के सुपुर्द किया गया ।

बाढ़ से गंभीर हालात, छतों पर रहने को मजबूर हुए लोग

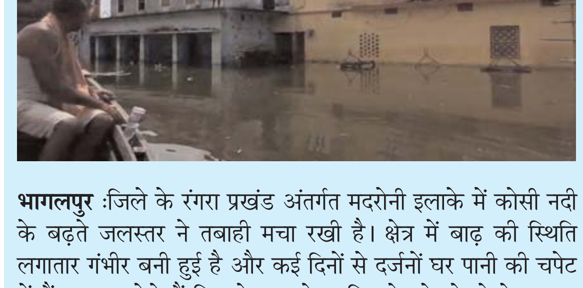

भागलपुर :जिले के रंगरा प्रखंड अंतर्गत मदरोनी इलाके में कोसी नदी के बढ़ते जलस्तर ने तबाही मचा रखी है। क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है और कई दिनों से दर्जनों घर पानी की चपेट में हैं। हालात ऐसे हैं कि लोग अपने आशियाने को छोड़ने के बजाय छतों पर रात गुजारने को मजबूर हैं। घरों में पानी घुस जाने के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। बाढ़ के पानी से घिरे परिवारों के सामने रहने, खाने-पीने और रोजमर्रा की जरूरी चीजों को जुटाने की भारी चुनौती खड़ी हो गई है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की मुश्किलें सबसे ज्यादा बढ़ गई हैं। लगातार जलजमाव के कारण शुद्ध पेयजल, भोजन और दवाइयों का भारी संकट उत्पन्न हो गया है। आने-जाने के रास्ते डूब जाने के कारण लोग अपने ही घरों में कैद होकर रह गए हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि इतने दिन बीत जाने के बाद भी अब तक पर्याप्त मात्रा में सरकारी राहत सामग्री उन तक नहीं पहुंच पाई है। ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन जल्द से जल्द उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए और भोजन, पेयजल तथा चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराए। इस विकट परिस्थिति में स्थानीय समाजसेवी सुजीत कुमार सिंह लगातार बाढ़ पीड़ितों की सुध ले रहे हैं। वे अपने स्तर से प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री और जरूरी मदद पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे कई जरूरतमंद परिवारों को तात्कालिक सहारा मिला है। हालांकि, क्षेत्र की विशाल त्रासदी को देखते हुए अभी भी व्यापक स्तर पर राहत और बचाव कार्यों की दरकार है। ग्रामीण अब भी प्रशासनिक मदद और राहत की उम्मीद में आसमान और नदी के घटते-बढ़ते जलस्तर की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं।

पटना उच्च न्यायालय के नवनियुक्त न्यायाधीश के रुप में वी. कामेश्वर राव ने ली शपथ

पटनाः बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने रविवार शाम लोकभवन में पटना उच्च न्यायालय के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत समेत कई अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण के साथ ही न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव ने पटना उच्च न्यायालय के 49वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में जिम्मेदारी संभाली। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने छह अगस्त 2026 को हुई बैठक में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव को पटना उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की अनुशंसा की थी। इससे पहले पटना उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मीनाक्षी मदन राय 11 जुलाई 2026 को सेवानिवृत्त हुई थीं। उनके सेवानिवृत्त होने के बाद वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुधीर सिंह कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव के पदभार ग्रहण करने के साथ पटना उच्च न्यायालय को नियमित मुख्य न्यायाधीश मिल गया है।

शराब तस्करी पर पुलिस का शिकंजा, 5 लीटर देशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

बेतिया :पश्चिम चंपारण जिला के इनरवा थाना क्षेत्र के झझरी गांव में पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 5 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त मुकुल कुमार (42), निवासी बेतिया कालिबाग, वार्ड नंबर-4, थाना कालिबाग के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर झझरी गांव में छापेमारी की गई। इस दौरान अभियुक्त के पास से 5 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर ही उसे गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

खटीक समाज का वैदिक काल से राष्ट्र रक्षा और धर्म के प्रति महत्वपूर्ण योगदान : राजनाथ सिंह

एजेंसी

-आगरा में अखिल भारतीय खटीक समाज के 'खटीक गर्जना सम्मेलन' का आयोजन

आगरा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को आगरा के खंदारी स्थित राव कृष्ण पाल सिंह सभागार में आयोजित अखिल भारतीय खटीक समाज के ह्यखटीक गर्जना सम्मेलनह्न को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने खटीक समाज की वीरता, साहस और धर्मपरायणता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस समाज ने वैदिक काल से ही राष्ट्र और धर्म की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। धर्म के प्रति समर्पित रहने के साथ-साथ देश की रक्षा के लिए भी समाज हमेशा आगे रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि समाज को जाति के चश्मे से देखने वाले लोग उसकी मूल भावना को नहीं समझ सकते। कर्तव्य भले अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन लक्ष्य राष्ट्र रक्षा का ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि खटीक समाज की पहचान साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण से रही है। खटीक समाज के इतिहास का पुनर्लेखन जरूरी रक्षा मंत्री ने कहा कि इतिहास में खटीक समाज के योगदान को उचित स्थान नहीं मिला। इतिहासकारों ने या तो समाज का इतिहास लिखा नहीं या उसके योगदान को सही तरीके से प्रस्तुत नहीं किया। अब खटीक समाज के इतिहास के पुनर्लेखन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश को विदेशी आक्रमणकारियों से बचाने में खटीक समाज के लोगों ने अग्रणी भूमिका निभाई। आजादी से पहले अंग्रेजों का भी समाज के लोगों ने बहादुरी से मुकाबला किया और स्वतंत्रता आंदोलन में अपना सर्वस्व न्योछावर किया। आजादी के बाद भी धर्म और राष्ट्र की रक्षा के कार्यों में समाज लगातार अपनी भूमिका निभाता रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि खटीक वह है जो खौफ को भी डरा दे। उत्तर प्रदेश में तेजी से हो रहा विकास रक्षा मंत्री ने उत्तर प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि कोई भी समाज शिक्षा से वंचित न रहे। भाजपा सरकार में साक्षरता और शिक्षा के विस्तार के साथ विकास कार्यों को भी गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़कों का तेजी से निर्माण हो रहा है। शहरों से लेकर गांवों तक सड़क संपर्क मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश में विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी सराहना की। सम्मेलन में अखिल भारतीय खटीक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उज्जैन के सांसद अनिल फिरोजिया, बुलंदशहर के सांसद डॉ. भोला सिंह, टूंडला के पूर्व विधायक शिव सिंह चक, भाजपा नेता ओमप्रकाश चलनी सहित समाज और भाजपा के कई प्रमुख नेता मौजूद रहे।

मप्र में स्वाइन फ्लू से एक और मरीज की मौत, एक माह में चौथे व्यक्ति ने तोड़ा दम

भोपाल। मध्य प्रदेश में एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) के बढ़ते मामलों के बीच एक और मरीज की मौत हो गई। संक्रमण की चपेट में आए भोपाल के एक बुजुर्ग ने शनिवार रात निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। भोपाल में इस साल स्वाइन फ्लू से यह पहली और प्रदेश में एक माह में चौथी मौत हुई है। जानकारी के मुताबिक, भोपाल के ओल्ड मिनाल रेसीडेंसी निवासी राम सिंह (80) स्वाइन फ्लू से संक्रमित थे। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, संक्रमण के चलते उन्हें गंभीर रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम और एक्यूट रेस्पिरेटरी फेलियर हो गया था। बुजुर्ग पहले से ही हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और टाइप-2 डायबिटीज जैसी बीमारियों से पीड़ित थे। इससे पहले 11 सितंबर की रात उज्जैन में एक महिला मरीज की मौत हुई थी। शहर के अलखनंदा नगर निवासी वनमाला (75) पत्नी महेशचंद्र झाला को एक सितंबर को तबीयत खराब होने पर परिजन ने बिड़ला हास्पिटल में भर्ती कराया। जांच में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई थी। एक दिन बाद उन्हें अवंति हास्पिटल में ले गए, जहां आईसीयू में भर्ती करया गया। इसके बाद आईसोलेशन वार्ड में रखा गया, जहां 11 सितंबर की रात उनकी मौत हो गई। उज्जैन के सीएमएचओ डॉ. अशोक पटेल ने बताया कि अलखनंदा नगर में रहने वाली वृद्ध महिला की निजी अस्पताल में मौत हुई है।

यूएन महासचिव ने बहुध्रुवीय विश्व के अनुरूप वैश्विक संस्थाओं में सुधार को बताया जरूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने रविवार को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कहा कि आज की आर्थिक, जनसांख्यिकीय और भू-राजनीतिक वास्तविकताएं 1945 जैसी नहीं हैं। वैश्विक संस्थाओं के ढांचे में समयानुसार बदलाव होना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और ब्रेटन वुड्स व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताई।

गुटेरेस ने कहा कि दुनिया तेजी से बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। बहुध्रुवीयता वैश्विक व्यवस्था और संस्थाओं में संतुलन और समानता लाने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स सम्मेलन की थीम के अनुरूप दुनिया को लचीलापन, नवाचार, सहयोग और टिकाऊ विकास पर आगे बढ़ना होगा। यह समावेशी वैश्विक विकास के लिए जरूरी है।

गुटेरेस ने समावेशी वैश्विक विकास के लिए चार प्रमुख बिंदुओं पर जोर दिया। इनमें पहला वित्तीय सुधार है। इसके तहत विकासशील देशों के लिए अधिक वित्तीय संसाधन, ऋण राहत और वैश्विक वित्तीय संस्थाओं में उनकी अधिक भागीदारी की जरूरत है। दूसरा प्रौद्योगिकी है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की खाई कम करने और विकासशील देशों को कंप्यूटिंग क्षमता, डेटा तथा कौशल उपलब्ध कराने पर जोर दिया। तीसरा जलवायु न्याय है। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना, उत्सर्जन कम करना और विकासशील देशों को जलवायु वित्त उपलब्ध कराना शामिल है। चौथा शांति है। इसके तहत गाजा, यूक्रेन, सूडान और अन्य संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान जरूरी है।

बुर्जुगों के सम्मानजनक जीवन के लिए केंद्र ने 142 नए वृद्धाश्रम किए मंजूर

एजेंसी

2.88 लाख से अधिक को मिली देखभाल सुविधा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देशभर में वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा, कल्याण और गरिमापूर्ण जीवन को सुनिश्चित करने के लिए 142 नए वरिष्ठ नागरिक गृह (वृद्धाश्रम) मंजूर किए हैं। अब तक 2.88 लाख से अधिक बुजुर्गों को आश्रय, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य जांच और फिजियोथेरेपी जैसी अनिवार्य सहायता सेवाओं से लाभान्वित किया जा चुका है। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के मुताबिक, वरिष्ठ नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारने, रोजमर्रा की देखभाल उपलब्ध कराने और उन्हें स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए बहुआयामी कदम उठाए जा रहे हैं। नए स्वीकृत वरिष्ठ नागरिक गृहों से उन वृद्धजनों को सुरक्षित और सम्मानजनक आश्रय मिलेगा, जिन्हें पारिवारिक या सामाजिक स्तर पर देखरेख की आवश्यकता है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सचिव सुधांश पंत ने रविवार को बताया कि बुजुर्गों की गतिशीलता और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए देशभर में 228 विशेष शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों के जरिए 4.91 लाख से अधिक लाभार्थियों को कवर किया गया और लगभग 23.93 लाख निःशुल्क सहायक जीवन उपकरण वितरित किए गए। पंत के अनुसार, गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) और अल्प आय वर्ग के पात्र वरिष्ठ नागरिकों को व्हीलचेयर, कान की मशीन (हियरिंग एड्स), छड़ी (वॉकिंग स्टिक) और चश्मा प्रदान किए गए हैं। इन उपकरणों के मिलने से बुजुर्गों को रोजमर्रा की आवाजाही और संवाद में बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रपति द्वारा 'सीनियर सिटीजंस वेलफेयर पोर्टल' शुरू किया गया है। यह पोर्टल वरिष्ठ नागरिकों से जुड़ी सरकारी योजनाओं, अधिकारों और सुविधाओं की सटीक जानकारी देने वाला साझा मंच बन चुका है। सचिव ने कहा कि मंत्रालय का उद्देश्य सुलभ स्वास्थ्य व संस्थागत देखभाल के जरिए बुजुर्गों को स्वावलंबी और सुरक्षित परिवेश प्रदान करना है।

पुलिस अनुमति नहीं मिलने पर भी 15 सितंबर को मुंबई कूच करेंगे मनोज जरांगे

एजेंसी

मुंबई। मराठा आरक्षण आंदोलन के लिए मुंबई में पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद मराठा नेता मनोज जरांगे ने रविवार को स्पष्ट किया कि आंदोलन किसी भी हालत में नहीं रुकेगा। उन्होंने कहा कि वे रविवार से सलाइन और पानी लेना भी बंद कर देंगे और पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 सितंबर को जालना से मुंबई के लिए रवाना होंगे। जरांगे ने कहा कि 19 सितंबर को मुंबई के आजाद मैदान पहुंचकर वे वहां आंदोलन और भूख हड़ताल जारी रखेंगे। जालना में 29 अगस्त से मराठा आरक्षण की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे जरांगे ने पत्रकारों से कहा कि सरकार कथित तौर पर साजिश के तहत उनके मुंबई आंदोलन को रोकना चाहती है। इसी वजह से पुलिस इस बार आंदोलन की अनुमति नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष गणेशोत्सव के दौरान उनके आंदोलन को अनुमति दी गई थी। जरांगे ने कहा कि वह तय कार्यक्रम के अनुसार जालना से मुंबई के लिए रवाना होंगे। सरकार चाहे तो उन पर गोलियां चला सकती है, लेकिन वे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने सरकार से अपने फैसले पर पुनर्विचार कर आंदोलन की अनुमति देने की मांग की।

पुलिस ने इन कारणों से नहीं दी अनुमति

जरांगे के आंदोलन की अनुमति के संबंध में मराठा नेता वीरेंद्र पवार रविवार को आजाद मैदान पुलिस स्टेशन पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से बातचीत की। हालांकि, पुलिस ने कई कारणों का हवाला देते हुए आंदोलन की अनुमति देने से इनकार कर दिया। पुलिस के अनुसार, मुंबई में 14 सितंबर से गणेशोत्सव शुरू हो रहा है। इस दौरान शहर में बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती रहेगी। ऐसे में हजारों प्रदर्शनकारियों के मुंबई पहुंचने से कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा के सामने चुनौती पैदा हो सकती है। पुलिस ने अनुमति नहीं देने के लिए उच्चतम न्यायालय के अमित साहनी मामले में दिए गए आदेश, बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेश और राज्य सरकार के आंदोलन संबंधी निदेशों का भी हवाला दिया है। जरांगे की ओर से दिए गए आवेदन में करीब 4,000 से 4,500 प्रदर्शनकारियों के मुंबई पहुंचने की बात कही गई है। पुलिस का कहना है कि आजाद मैदान में इतनी बड़ी संख्या में लोगों को समायोजित करने की पर्याप्त क्षमता नहीं है। पुलिस के मुताबिक, 2024 में हुए मराठा आंदोलन के दौरान करीब पांच हजार प्रदर्शनकारी मुंबई पहुंचे थे। उस समय यातायात, स्कूल, कारोबार और अस्पतालों की सेवाएं प्रभावित हुई थीं। पुलिस को आशंका है कि इस बार भी बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के पहुंचने से शहर की सामान्य व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा आंदोलन से पहले मुंबई बंद के आह्वान को भी पुलिस ने गंभीरता से लिया है। उसके अनुसार, इससे कानून-व्यवस्था की स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है। शांतिपूर्ण आंदोलन का दावा, बड़े जमावड़े की अपील पुलिस से अनुमति नहीं मिलने के बाद जरांगे ने मराठा समुदाय के लोगों से बड़ी संख्या में मुंबई पहुंचकर आंदोलन में शामिल होने की अपील की।

बसपा प्रमुख मायावती ने ब्रिक्स घोषणा को बताया कूटनीतिक उपलब्धि, पंचायत सहायकों की मांगों पर सरकार से विचार की अपील

एजेंसी

आकाश आनंद ससुर के इशारे पर कर रहे काम

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान जारी ह्यनई दिल्ली घोषणा पत्र को महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन और ईरान को लेकर अमेरिकी नीतियों, बढ़ती वैश्विक तनातनी, संघर्ष और व्यापारिक टैरिफ के कारण पैदा हुए आर्थिक संकट के बीच ब्रिक्स देशों का 140 पैराग्राफ वाला घोषणा पत्र सर्वसम्मति से जारी होना आपसी समझ और कूटनीतिक सूझबूझ का परिचायक है। रविवार को लखनऊ में आयोजित प्रेसवार्ता में मायावती ने कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करने की इच्छा उम्मीद जगाने वाली है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स करेंसी के विकास की दिशा में आगे बढ़ना भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। फलस्तीन के मुद्दे का उल्लेख करते हुए बसपा प्रमुख ने कहा कि दो-देश समाधान और 1967 की सीमाओं के आधार पर स्वतंत्र फलस्तीन राष्ट्र के समर्थन के साथ आतंकवाद से हर स्तर पर निपटने की प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पहलगाम का उल्लेख करते हुए आतंकवाद के खिलाफ व्यक्त प्रतिबद्धता से भारत के दृष्टिकोण को उचित समर्थन मिला है, जो सराहनीय है। चीन के साथ संबंधों को लेकर मायावती ने कहा कि दोनों देशों को अपने मतभेदों को विवाद में बदलने से बचना चाहिए और एक-दूसरे को विकास का साझेदार मानकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दृष्टिकोण के परिणाम आने वाले समय में सामने आएंगे। साथ ही, दोनों देशों के बीच सीमा विवाद का जल्द समाधान होना भी उचित होगा।

58 हजार पंचायत सहायकों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करे सरकार

मायावती ने उत्तर प्रदेश सरकार से राज्य के करीब 58 हजार पंचायत सहायकों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पंचायत सहायक मानदेय बढ़ाकर सम्मानजनक करने और संविदा के बजाय स्थायी किए जाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर पिछले कुछ दिनों से लखनऊ में ग्रीन ईको गार्डेन के पास आंदोलन कर रहे हैं। बसपा प्रमुख ने कहा कि सरकार को पंचायत सहायकों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी समस्याओं का उचित समाधान किया जाना बेहतर होगा।

मुख्य सेक्टर प्रभारी का पद समाप्त किया

मायावती ने तीन सितंबर को लखनऊ स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में हुई बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि पार्टी के काम को युद्धस्तर पर गति देने के लिए बसपा के संगठन को तीन सेक्टरों में बांटा गया है। सेक्टर नंबर एक में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को रखा गया है और इसकी निगरानी वह स्वयं करेंगी। देश के अन्य राज्यों, जहां पार्टी का संगठन सक्रिय है, उन्हें बराबर दो सेक्टरों में बांटा गया है। इनके लिए केंद्रीय सेक्टर प्रभारी बनाए गए हैं। मायावती ने कहा कि वह समय-समय पर इनसे संपर्क करती रहेंगी। उन्होंने बताया कि मुख्य सेक्टर प्रभारी का पद समाप्त कर दिया गया है। अब सेक्टर प्रभारी अपनी रिपोर्ट पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार को सौंपेंगे और आनंद कुमार उनके कामकाज की रिपोर्ट उन्हें देंगे।

आनंद ससुर के इशारे पर कर रहे काम

मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद पर आरोप लगाया कि वह अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के बहकावे में आकर काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने स्वास्थ्य को लेकर चल रही खबरों को निराधार बताते हुए कहा कि वह पूरी तरह स्वस्थ हैं। लेकिन आकाश आनंद उनके बीमार होने की अफवाह फैला रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इसका प्रमाण आकाश आनंद द्वारा पार्टी के इंचार्ज आलोक कुमार को किया गया फोन है। उन्होंने बताया कि आकाश ने आलोक कुमार से उनकी तबीयत के बारे में पूछा और यह जानना चाहा कि बहनजी बीमार चल रही हैं या नहीं। मायावती के अनुसार, आलोक कुमार ने जवाब दिया कि वह बिल्कुल ठीक हैं। इसके बाद आकाश आनंद ने उनसे यह भी कहा कि बहनजी को यह न बताया जाए कि उन्होंने फोन किया था। बसपा प्रमुख ने कहा कि इस फोन कॉल के पीछे आकाश आनंद की मानसिकता अच्छी भी हो सकती है और गलत भी। उन्होंने आरोप लगाया कि आकाश अभी अपने विवेक से काम नहीं कर रहे हैं।

एक नजर

कैलिफोर्निया में भारतीय मूल की महिला की हत्या, हत्यारे ने दी जान, निकला अवैध प्रवासी

वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में एक रेस्टोरेंट के बाहर 38 वर्षीय भारतीय मूल की महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या का आरोपी भारत का ही एक 22 वर्षीय व्यक्ति है। संयुक्त राज्य अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग (यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी- डीएचएस) ने 11 सितंबर को विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। संयुक्त राज्य अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग के अनुसार, हत्यारोपी भारतीय व्यक्ति है। वह अवैध प्रवासी है। बाइडेन प्रशासन ने उसे रिहा किया था। डीएचएस के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध कई महीनों से महिला का पीछा कर रहा था। डीएचएस ने कहा कि स्थानीय खबरों के अनुसार, यह घटना 8 सितंबर को सैक्रामेंटो के एक शॉपिंग सेंटर में हुई। बताया गया है कि भारतीय मूल की 38 वर्षीय महिला अपनी कार के पास थी। तभी अपराधी रोहित (भारत का एक अवैध प्रवासी) उसके पास पहुंचा। उसे देखते ही महिला ने भागने की कोशिश की। रोहित ने उसका पीछा किया और बंदूक से गोलियां दाग दीं। महिला जमीन में गिर गई। तब उसने पास से उसके सिर में फिर से गोली मारी और अपनी गाड़ी में भाग गया। विज्ञप्ति में कहा गया कि जब पुलिस रोहित तक पहुंची, तो उसने अपनी गाड़ी के ब्रेक लगाए और बाद में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। रोहित महिला का काफी समय से पीछा कर रहा था। विज्ञप्ति के अनुसार रोहित अगस्त 2023 में एरिजोना के रास्ते अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में दाखिल हुआ था। उसे यूएस बॉर्डर पेट्रोलिंग टीम ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद बाइडेन प्रशासन ने रोहित को रिहा कर दिया। डीएचएस के प्रवक्ता ने कहा, भारत के इस अवैध प्रवासी ने कैलिफोर्निया में 38 वर्षीय महिला को परेशान किया। उसका पीछा किया और फिर उसकी हत्या कर दी और जब पुलिस उस तक पहुंची तो उसने अपनी जान ले ली। अगर बाइडेन प्रशासन ने इस हत्यारे को हमारे देश में न छोड़ा होता तो यह दुखद घटना पूरी तरह से टल सकती थी। नेताओं को ऐसी नीतियों को खत्म करना चाहिए जो अमेरिकी लोगों की जान के साथ खतरनाक जुआ खेलती हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़िता और उसके परिवार के साथ हैं।

बांग्लादेश में पद्मा नदी में नाव पलटी, 10 लोगों को बीएसएफ ने बचाया

ढाका। बांग्लादेश के चापईनवाबगंज सदर उपजिला में पद्मा नदी में नाव पलटने से डूब रहे 10 लोगों को भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बचा लिया। यह सभी लोग भारतीय क्षेत्र में सकुशल हैं। बीएसएफ ने बांग्लादेश को आधिकारिक तौर पर यह सूचना दी है। बांग्लादेश ने अपने नागरिकों को लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार दोपहर पद्मा नदी में 12 यात्रियों को ले जा रही नाव के पलटने के बाद भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने 10 बांग्लादेशी नागरिकों को बचाया। एक यात्री तैरकर बांग्लादेशी इलाके में वापस पहुंचने में कामयाब रहा, जबकि एक अन्य अभी भी लापता है। पुलिस और स्थानीय लोगों ने बताया कि 12 यात्रियों को ले जा रही नाव शाम करीब 5 बजे बखेराली घाट से जोहुरपुरटेक के लिए रवाना हुई थी। यात्रा शुरू होने के लगभग 20 मिनट बाद तेज हवाओं और नदी की तेज लहरों के कारण नाव पलट गई। खंडुआ बीएसएफ कैंप के गश्त कर रहे जवानों ने नदी से 10 यात्रियों को बचाया और उन्हें भारतीय इलाके में ले आए। वसीम नाम का एक 25 वर्षीय यात्री तैरकर बांग्लादेश के किनारे पहुंचने में सफल रहा, जबकि मुस्तफा नाम का एक व्यक्ति अभी भी लापता है। सूचना मिलने पर पुलिस और फायर सर्विस के जवान ने घटनास्थल पहुंचे। इस बीच, बीएसएफ ने 10 बांग्लादेशी नागरिकों को बचाने के बारे में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) को आधिकारिक तौर पर सूचित किया। 53 बीजीबी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल काजी मुस्तफिजुर रहमान ने कहा, बचाए गए 10 बांग्लादेशियों को वापस बांग्लादेश लाने की प्रक्रिया चल रही है। लापता मुस्तफा को खोजने की कोशिश भी जारी है।

ईरान समर्थक हूती और सऊदी अरब के बीच बाब अल मंदेब को लेकर हमले जारी

सना/रियाद/वाशिंगटन/तेहरान। यमन के लाल सागर तट पर सामरिक और रणनीतिक दृष्टि से सबसे अहम 'बाब अल मंदेब' चोकपॉइंट को लेकर लड़ाई जारी है। हूती लड़ाके और सऊदी अरब एक-दूसरे पर हमले कर रहे हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हूती ने वाशिंगटन से संपर्क करके कहा है कि वह यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के खिलाफ चल रहे संघर्ष में दखल न दे। अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की सीमा से उड़ाए गए एक ड्रोन ने सऊदी अरब में ईस्ट-वेस्ट ऑयल पाइपलाइन को निशाना बनाया है। इसके बाद इराक ने ईरान के साथ अपनी तीन सीमा क्रॉसिंग को कुछ समय के लिए बंद कर दिया है। रियाद ने तुरंत कोई जवाबी कार्रवाई करने के बजाय एहतियात के तौर पर पाइपलाइन को बंद कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर चर्चा करने के लिए ईरान की सोमवार को ओमान में खाड़ी देशों के साथ बैठक होने की उम्मीद है। सऊदी सिविल डिफेंस ने बताया है कि यमन के हूती विद्रोहियों ने एक प्रोजेक्टाइल सऊदी अरब के दक्षिणी जाजान इलाके में दागा। इसमें दो लोग घायल हो गए और एक मस्जिद व कई इमारतों को नुकसान पहुंचा। सिविल डिफेंस के प्रवक्ता ने आम नागरिकों से जुड़ी जगह को निशाना बनाए जाने को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का खुला उल्लंघन बताया है। हूती ने दावा किया कि उनके हमले का निशाना दक्षिणी नज्रान प्रांत के शरूराह में स्थित सऊदी सैन्य अड्डा था। हूती लड़ाकों ने यमन के समूचे लाल सागर तट पर नियंत्रण और रणनीतिक बंदरगाह शहर मोचा पर कब्जा कर लिया है। वहीं, यमन के सरकारी बलों ने अल-जौफ, मारिब और अल-बैदा में नए मोर्चे खोले हैं। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन और स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, इस लड़ाई में अब तक 500 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इस संकट पर चिंता जता चुका है।

होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे जहाज पर हमला, यूकेएमटीओ ने जारी की चेतावनी

तेहरान। होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि 12 सितंबर को इस इलाके से गुजर रहे एक जहाज को अज्ञात प्रक्षेप्य ने निशाना बनाया। घटना के बाद चालक दल की स्थिति, जहाज को हुए नुकसान और पर्यावरण पर असर की तत्काल जानकारी सामने नहीं आई है। यूकेएमटीओ ने क्षेत्र में मौजूद अन्य जहाजों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने को कहा है। यूकेएमटीओ की एक्स पोस्ट पर जारी चेतावनी (134-26) के अनुसार, इस घटना की जानकारी 12 सितंबर को रात 11 बजे (23:00 यूटीसी) मिली। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां चौकस हो गई हैं। यूकेएमटीओ ने चेतावनी में स्पष्ट किया है कि शुरूआती रिपोर्ट में जहाज पर सवार चालक दल की स्थिति, जहाज को हुए नुकसान का दायरा और इससे पर्यावरण पर पड़ने वाले असर को लेकर कोई तत्काल सटीक जानकारी नहीं मिल सकी है। स्थिति का आकलन किया जा रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए यूकेएमटीओ ने होर्मुज जलडमरूमध्य और आसपास के समुद्री क्षेत्र से गुजरने वाले सभी जहाजों को अत्यधिक सतर्कता बरतने की सलाह दी है। इसके साथ ही, सुरक्षा अधिकारियों द्वारा मामले की पूरी जांच जारी रहने तक किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने का निर्देश दिया गया है।